केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

किसी को भी खुश करने का मौका मिले तो छोड़ना मत साहब,वो फरिश्ते ही, होते हैं जो किसी के चेहरे पर मुस्कुराहट दे पाते हैं

वर्ष : 17 अंक : 53 | उज्जैन, रविवार 2 अगस्त 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

पुलिस प्रशासन सेवा, संवेदनशीलता और सुशासन के मंत्र के साथ करे काम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ई-समन प्रणाली लागू करने में मध्यप्रदेश देश में अव्वल

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पुलिस सेवा, संवेदनशीलता और सुशासन के मंत्र के साथ समर्पित होकर काम करें। यही सच्ची समाज सेवा है, यही जनता की सेवा है। उन्होंने कहा कि देश में जब भी पीपुल्स फ्रेंडली पुलिसिंग की बात आए, तो हमारी संस्कारधानी जबलपुर पुलिस का नाम सबसे पहले आए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिसिंग की बेहतरी के लिए तकनीक के सदुपयोग के सद्परिणाम अब दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि नेशनल ऑटोमेडेट फिंगर प्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एनएएफआईएस) के माध्यम से 16 लाख से अधिक फिंगर प्रिंट डेटाबेस का उपयोग करके 12 सौ से अधिक पेचीदा मामलों को तत्परता से सुलझाया गया है। उन्होंने कहा कि एनएएफआईएस से अज्ञात मृतकों की पहचान स्थापित करने के मामले में मध्यप्रदेश पूरे देश का पहला राज्य बना है। इसी प्रकार ई-समन प्रणाली के माध्यम से 36 लाख से अधिक समन और वारंट तामील कराए जा चुके हैं। यह प्रणाली देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश ने ही लागू की। मुख्यमंत्री ने बताया कि ई-साक्ष्य पोर्टल पर 2 लाख 30 हजार से अधिक डिजिटल सबूत दर्ज किए जा चुके हैं। एनसीआरपी पोर्टल और 1930 हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों पर तुरंत ई-जीरो एफआईआर दर्ज करने के मामले में भी हमारा मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जबलपुर शहर के तिलवारा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 22.57 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित 96 आरक्षक आवास, करीब 3.21 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित नवीन संभागीय पुलिस कार्यालय और लगभग 2.80 करोड़ रूपए की लागत से तिलवारा पुलिस स्टेशन के नव निर्मित भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि सायबर सुरक्षा की दिशा में सेफ क्लिक-2.0 देश का सबसे बड़ा जागरूकता अभियान सिद्ध हुआ है। प्रदेशभर में 8 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, 1 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच बनाई गई, जबकि डिजिटल माध्यमों से 6 करोड़ से अधिक लोगों तक सुरक्षित इंटरनेट और सायबर सुरक्षा का प्रभावी संदेश पहुंचाया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर शहर के महाराजपुरा में नया थाना बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जबलपुर में उच्च न्यायालय है। पूरे प्रदेश से पुलिसकर्मियों का यहां आवागमन होता रहता है। पुलिसकर्मियों के रूकने के लिए पुलिस बैरक में सुविधा बढ़ाई जाएंगी। यहां रूकने वाले पुलिसकर्मियों को मेस उपयोग करने पर शासकीय नियमों एवं पात्रतानुसार राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सावन का पावन महीना चल रहा है। कावड़िये बड़ी संख्या में आवागमन करेंगे। पुलिस प्रशासन यह सु?निश्चित करें कि कावड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई या यात्रागत परेशानी न होने पाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपराधियों ने जिस तरह से तकनीक का उपयोग करना शुरू कर दिया है, हमारी पुलिस को भी उनके तरीके से ही लड़ना सीखना होगा। इसके लिए प्रदेश के 1 हजार 117 थानों और 693 वरिष्ठ कार्यालयों को डिजिटली एक-दूसरे से जोड़ दिया गया है। त्वरित और सटीक जांच के लिए पुलिस अधिकारियों को 25 हजार टैबलेट्स सौंपे गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में आम नागरिकों की आपातकालीन सुरक्षा के लिए हमने %डायल-112% सेवा को और अधिक अभेद्य बनाया है। करीब 972 करोड़ रुपये की लागत से 1200 नई और आधुनिक गाड़ियां सभी जिलों को सौंप दी गई हैं। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर अपराधियों पर हमारा कठोर प्रहार जारी है, वहीं दूसरी ओर हमारी पुलिस की मानवीय संवेदनशीलता भी अद्वितीय है।

न्यूज ब्रीफ

बाढ़ प्रभावित राज्यों के लिए अग्रिम केंद्रीय सहायता जारी, अमित शाह ने दी 2118 करोड़ की मंजूरी

नई दिल्ली/ जीएनएस। बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहे राज्यों के लिए 2118 करोड़ रुपये की अग्रिम सहायता जारी की जा रही है। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इसकी मंजूरी दे दी। गृह मंत्रालय के अनुसार इसका उपयोग राहत एवं बचाव कार्यों में किया जा सकेगा। यह सहायता राज्य आपदा राहत निधि (एसडीआरएफ) के केन्द्रीय अंश से दी रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मोदी सरकार बाढ़ प्रभावित राज्यों को राहत, बचाव तथा पुनर्वास कार्यों के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और खुद गृहमंत्री अमित शाह स्थिति की निरंतर निगरानी कर रहे हैं। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार बाढ़ की स्थिति पर नजर रखते हुए केंद्र और राज्यों कीच निरंतर समन्वय के साथ इससे निपटने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत जरूरत के मुताबिक एनडीआरएफ की टीमों को पहले ही तैनात किया जा चुका है और इसके साथ रक्षा मंत्रालय द्वारा आवश्यक लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध करा दी गई है। वहीं बाढ़ से हुई क्षति के आकलन के लिए अरुणाचल प्रदेश और असम में अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल भेजे गए हैं। असम में बाढ़ की गंभीरता को देखते हुए दल दो बार राज्य का दौरा कर चुका है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बाढ़ प्रभावित सात राज्यों में से हिमाचल प्रदेश, ओडिशा तथा नागालैंड को 2026-27 की एसडीआरएफ की पहली किस्त पहले ही जारी की जा चुकी है। साथ हिमाचल प्रदेश और ओडिशा को दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जा रही है है। अरुणाचल प्रदेश, असम, गुजरात तथा महाराष्ट्र को दस्तावेजी औपचारिकताओं में छूट देते हुए पहली किस्त जारी करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

छह साल बाद नाथुला सीमा व्यापार फिर से शुरू, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा

गंगटोक/ जीएनएस। लगभग छह वर्षों के लंबे अंतराल के बाद भारत और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र (चीन) के बीच ऐतिहासिक नाथुला सीमा व्यापार का शनिवार को औपचारिक शुभारंभ हो गया। पूर्वी सिक्किम स्थित नाथुला के नो-मैन्स-लैंड में भारत और चीन के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित समारोह के साथ प्राचीन सिल्क रूट पर सीमा व्यापार की बहुप्रतीक्षित वापसी हुई। हालांकि वास्तविक व्यापारिक गतिविधियां 3 अगस्त से शुरू होंगी, जिसमें पहले चरण में 36 पंजीकृत स्थानीय व्यापारी भाग लेंगे। 2020 में कोविड-19 महामारी और उसके बाद भारत-चीन सीमा पर उत्पन्न परिस्थितियों के कारण बंद हो गया था। नाथुला क्षेत्र समुद्र तल से लगभग 14,000 फीट की ऊंचाई पर है जो भारत और तिब्बत स्वयत्त क्षेत्र (चीन) के साथ अंतर्राष्ट्रिय सीमा साझा करता है। उद्घाटन समारोह में सिक्किम सरकार की ओर से वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की सचिव कर्मा डी. युत्सो, गंगटोक के अतिरिक्त जिला अधिकारी तथा भारत सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी और गंगटोक की मेयर छिरिंग पाल्देन भूटिया उपस्थित रहे। सीमा के दोनों ओर अधिकारियों ने व्यापार के पुनः आरंभ होने का स्वागत करते हुए इसे द्विपक्षीय आर्थिक गतिविधियों को नई गति देने वाला कदम बताया। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की सचिव कर्मा डी. युत्सो ने बताया कि सीमा व्यापार इस वर्ष मार्च-अप्रैल में शुरू होना था, लेकिन भारी हिमपात और शेराथांग स्थित ट्रेड हाउस के जीर्णोद्धार कार्य में विलंब के कारण इसे आगे बढ़ाना पड़ा। अब यह ट्रेड आगामी नवंबर महीने तक सुचारू रहेगा। उन्होंने बताया कि शेराथांग से नाथुला तक के पूरे मार्ग को प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया है।

केरलम में पुलिस कर्मी की हत्या के 23 साल बाद 56 आरोपित बरी, आदिवासी प्रदर्शन के दौरान हुई थी घटना

वायनाड/ जीएनएस। केरलम में एक अदालत ने शुक्रवार को मुथंगा आंदोलन के दौरान 2003 में पुलिस कांस्टेबल केवी विनोद की हत्या के मामले में आदिवासी नेता एमजी गीतानंदन समेत 56 आरोपितों को बरी कर दिया, जबकि इससे संबंधित हत्या के प्रयास के एक मामले में चार व्यक्तियों को दोषी ठहराया है।

वायनाड जिला और सत्र न्यायाधीश अय्यूब खान ई. ने विनोद हत्या मामले में सभी जीवित आरोपितों को बरी कर दिया, जबकि दूसरे आरोपित अशोकन को दोषी ठहराया। चूंकि आशोकन का सुनवाई के दौरान निधन हो गया था, इसलिए उसके खिलाफ कोई सजा नहीं सुनाई गई।

पुलिस अधिकारी अब्दुल सलाम और वन अधिकारी सशिधरण की हत्या के प्रयास के मामले में अदालत ने गीतानंदन, बिनू, रमेशन और अनिल कुमार को दोषी ठहराया और उन्हें पांच साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई। हालांकि विभिन्न धाराओं के तहत उन्हें दी गई कुल सजा 19 साल थी।

अदालत ने निर्देश दिया कि सजाएं समवर्ती चलेंगी, जिससे उन्हें पांच साल की सजा भुगतनी होगी। अदालत ने पीड़ित के लिए मुआवजे के भुगतान करने का भी निर्देश दिया, जिसमें विनोद के परिवार को सात लाख रुपये, अब्दुल सलाम को पांच लाख और सशिधरण को दो लाख रुपये का मुआवजा दिया गया।

कन्नूर निवासी विनोद 19 फरवरी, 2003 को मुथंगा वन्यजीव अभयारण्य के अंदर भूमि अधिकारों की मांग कर रहे आदिवासी प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए पुलिस कार्रवाई के दौरान मारा गया था।

विनोद और वन अधिकारी सशिधरण को प्रदर्शनकारियों ने एक अस्थायी शेड में बंधक बनाया था, जहां आदिवासी नेताओं सीके जानू और एमजी गीतानंदन के नेतृत्व में 47 दिन तक भूमि पर कब्जा करने का प्रदर्शन चरम पर पहुंच गया था।

छात्रों को क्षमा करने की जगह खुद मांगे माफी, पीएम मोदी के नए वीडियो पर राहुल गांधी ने साधा निशाना

चेन्नई/ जीएनएस। कांग्रेस नेता राहुल गांधी में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर छात्रों की चिंताओं को दूर करने में नाकाम रहने का आरोप लगाते हुए कि छात्र उनसे माफी के हकदार हैं, न कि उनकी माफी के।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की उस कथित टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, भारत के छात्रों को उनकी माफी की जरूरत नहीं है। वे उनसे माफी के हकदार हैं। प्रधानमंत्री ने छात्रों द्वारा उनके खिलाफ की गई कथित टिप्पणियों के लिए उन्हें माफ करने की बात कही थी। राहुल गांधी ने NEET पेपर लीक के कारण आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। यह मुलाकात चेन्नई के पास महाबलीपुरम में हुई। माता-पिता को बच्चों को खोने का दुख सहते हुए देखना दर्दनाक- राहुल- राहुल ने कहा कि माता-पिता को अपने बच्चों को खोने का दुख सहते हुए देखने से ज्यादा दर्दनाक कुछ भी नहीं है।

सुरक्षित ठिकानों से निकलने से पहले ही आतंकियों को कर दें ढेर..., कुलगाम हमले के बाद एक्शन में एलजी मनोज सिन्हा

श्रीनगर/ जीएनएस। कुलगाम में गैर-स्थानीय श्रमिकों पर आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने की कवायद तेज हो गई है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक में सुरक्षाबलों को आतंकियों के खिलाफ अभियानों में और तेजी लाने तथा उन्हें उनके सुरक्षित ठिकानों से बाहर निकलने से पहले ही निष्प्रभावी करने की रणनीति पर काम करने के निर्देश दिए।

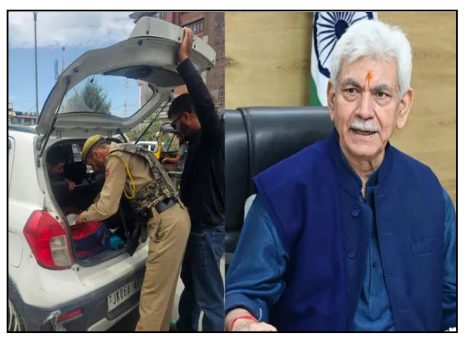

उन्होंने साफ कहा कि आतंकियों को किसी भी सूरत में वारदात को अंजाम देने का मौका नहीं मिलना चाहिए। उनके नेटवर्क, मददगारों और पूरे आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने के लिए समन्वित कार्रवाई तेज की जाए। उपराज्यपाल ने कश्मीर घाटी में रह रहे बाहरी श्रमिकों और अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि गैर-स्थानीय श्रमिकों की सुरक्षा के लिए लागू मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की तत्काल समीक्षा की जाए। उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के बाहर से आए प्रत्येक श्रमिक का पूरा विवरण स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन के पास अनिवार्य रूप से दर्ज होना चाहिए।

साथ ही सभी नियोक्ताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके यहां काम करने वाले श्रमिकों का बीमा कराया गया हो और उनका सत्यापन पूरा हो।

हमारी बेटियां इतनी आसानी से बहकावे में आ जाती हैं, ऐसा क्यों?, कंगना रनौत ने की ट्रोल करने वालों की आलोचना

नई दिल्ली/ जीएनएस। अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करने वाली एक किशोरी द्वारा माफी मांगे जाने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। कंगना ने माता-पिता से बच्चों को नारीवादी और वामपंथियों से बचाने का आग्रह किया। कंगना ने लिखा, वह मुश्किल से 15 साल की है। कह रही है कि पूरी जिंदगी में कभी मोदी जी के खिलाफ कुछ पोस्ट नहीं किया, लेकिन उस दिन दोस्त उसे वहां ले गए और लोगों ने उसे गाली देने के लिए उकसाया। आप अपने बच्चों को दुष्ट नारीवादी और शैतानी वामपंथियों से बचाओ। खुद ध्यान दो, एक भी स्कार्फ/बुर्का वाली बेटी ने भोंडा प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन हमारी बेटियां आसानी से बहकावे में आ जाती हैं, ऐसा क्यों।

मृतका का हक हड़पने की साजिश, जनपद तंत्र संदेह के घेरे मे

आवेदक ने लगाई कलेक्टर से गुहार

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं में पारदर्शिता के दावों के बीच जिला धार के ग्राम बुलगारा में संबल योजना के अंतर्गत दी जाने वाली अनुग्रह सहायता राशि के वितरण में गंभीर अनियमितता और गबन के प्रयास का मामला सामने आया है। पीड़ित पति ने पोर्टल व विभागीय स्तर पर स्व-अर्जित लाभ को किसी अन्य खाते में डायवर्ट करने की आशंका जताते हुए धार कलेक्टर को जनसुनवाई में लिखित शिकायत की है।

ग्राम बुलगारा निवासी भेरूलाल पिता धुलाजी की धर्मपत्नी श्रीमती भागवंता बाई (संबल द्धष्ठ- 302475249) की मृत्यु 4 मार्च 2020 को हो गई थी। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संबल योजना में मृतक के परिवार को दो लाख की राशि मिलती है जिस पर मृतक के पति भेरूलाल ने तत्कालीन ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक मुकेश छटिया को योजना से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज संभल योजना के लाभ हेतु उपलब्ध कराए थे। इसी बिच रोजगार सहायक मुकेश छटिया की मृत्यु हो जाने से भेरूलाल को जानकारी नहीं मिल पा रही थी। इस हेतु कई बार जनपद पंचायत के चक्कर लगाने के बाद भी जनपद कर्मचारियों द्वारा यह बताया गया की अपात्र होने से राशि स्वीकृत नहीं हो पा रही है। थकहार कर भेरूलाल ने भी आस छोड़ दी थी। परन्तु पिछले दिनों किसी काम से एक ऑनलइन सेंटर पर भेरूलाल को पता चला की उसकी मृतक पत्नी की सम्बल योजना की राशि दो लाख किसी नर्मदा झाबुआ बैंक ढोलाना के खाता क्रमांक 607010100002227 में दिनांक 30 मई 2020 को ही डाली जा चुकी है। उक्त खाते के बारे में जब ऑनलइन कियोस्क से जानकारी निकाली तो पता चला की यह खाता ग्राम ढोलाना की रंजना विश्वकर्मा का है जो जनपद पंचायत बदनावर के कंप्यूटर ऑपरेटर दीपक विश्वकर्मा की बहन है। उक्त घटना से पीड़ित भेरूलाल ने जनसुनवाई में धार कलेक्टर को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। इस संपूर्ण घटनाक्रम ने जनपद पंचायत के प्रशासनिक तंत्र और संबल पोर्टल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। जानकारों के अनुसार, संबल पोर्टल पर किसी भी हितग्राही के बैंक विवरण में संशोधन या सत्यापन का कार्य जनपद स्तर की अधिकृत लॉगिन आईडी और अधिकारियों के अप्रूवल के बिना संभव नहीं है। आवेदक ने अंदेशा जताया है कि जनपद पंचायत के संबंधित कर्मचारियों या ऑपरेटरों की संलिप्तता के बिना ऐसा फेरबदल संभव नहीं हो सकता। यदि निष्पक्ष जांच की जाए, तो उक्त योजना में और भी कई बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हो सकता है।

संबल योजना जैसी अत्यंत संवेदनशील और निर्धन वर्ग से जुड़ी योजना में इस प्रकार का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिला प्रशासन इस शिकायत का संज्ञान लेकर पीड़ित को कब तक न्याय दिलाता है और दोषियों के विरुद्ध क्या कठोर कदम उठाता है।

इस मामले जब मुख्य कार्यपालन अधिकारी - जनपद पंचायत बदनावर से बात हुई तो उनका कहना था की - उक्त मामले का आवेदन प्राप्त हुआ है जिसकी जांच करवाई जा रही है।

पीएम मोदी के खिलाफ छात्रों को भड़काने की साजिश रच रहा था पाकिस्तान, खुफिया एजेंसियों ने किया खुलासा

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित ऐसे कई डीपफेक वीडियो की पहचान की है, जिनके बारे में दावा किया जा रहा है कि इन्हें पाकिस्तान से जुड़े हैंडल संचालित कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, इन वीडियो का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि को नुकसान पहुंचाना और छात्रों के बीच भ्रम व असंतोष फैलाकर उन्हें आंदोलन के लिए उकसाना है।

खुफिया अधिकारियों का कहना है कि दर्जनों वीडियो में यह भ्रामक दावा किया जा रहा है कि हाल में आंदोलन करने वाले छात्रों के खिलाफ केंद्र सरकार सख्त कार्रवाई करने जा रही है।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, इन वीडियो को सुनियोजित तरीके से इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर फैलाया जा रहा है, ताकि ऐसा माहौल बनाया जा सके कि सरकार छात्रों के खिलाफ कठोर कदम उठाने वाली है।

इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस अभियान का मुख्य निशाना प्रधानमंत्री मोदी हैं। उनका कहना है कि वीडियो का मकसद छात्रों को फिर से सड़कों पर उतरने के लिए उकसाना और उनका गुस्सा सीधे प्रधानमंत्री की ओर मोड़ना है। अधिकारियों के अनुसार, पहले ऐसे कई फर्जी वीडियो भारतीय सेना को निशाना बनाकर प्रसारित किए जाते थे, लेकिन हाल के दिनों में इनका फोकस प्रधानमंत्री मोदी पर केंद्रित हो गया है। उनका मानना है कि इसके जरिए भारत में अस्थिरता पैदा करने और राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

इस बीच सरकार ने स्पष्ट किया है कि शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ कोई दंडात्मक या कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। दिल्ली समेत बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और महाराष्ट्र सरकारें भी छात्रों को इसी तरह का भरोसा दे चुकी हैं। दिल्ली सरकार ने हाल ही में नीट-यूजी प्रदर्शनों से जुड़ी 13 एफआइआर में आगे की कार्रवाई रोकने का आदेश भी दिया है।

अधिकारियों का कहना है कि सरकार के इस रुख से फर्जी प्रचार अभियान चलाने वाले तत्वों को झटका लगा है, जिसके बाद डीपफेक वीडियो और भ्रामक दावों का प्रसार बढ़ा दिया गया। उनका यह भी दावा है कि भारत में भ्रम फैलाने की यह कोशिश गुलाम जम्मू-कश्मीर (पीओजेके), बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में चल रही आंतरिक समस्याओं से ध्यान भटकाने की रणनीति का हिस्सा हो सकती है।

माँ नर्मदा सेवा संगम का शुभारंभ, संरक्षण व जन-जागरण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माँ नर्मदा सेवा कार्य, मालवा प्रांत के तत्वावधान में खेड़ीघाट में माँ नर्मदा सेवा संगम का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश जी सोनी, प्रांत संघचालक डॉ. प्रकाश जी शास्त्री तथा परम पूज्य प्रकाशानंद जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं माँ नर्मदा के विग्रह का पूजन, दीप प्रज्वलन, वैदिक मंत्रोच्चार और श्री नर्मदा अष्टक के सामूहिक पाठ के साथ श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

समागम में मालवा प्रांत के माँ नर्मदा तटीय छह जिलों से सामाजिक संगठनों, सेवा संस्थाओं, सेवा पथिकों, समाजसेवियों एवं नर्मदा सेवा कार्य से जुड़े कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर नर्मदा परिक्रमा मार्ग के दुर्गम क्षेत्रों में अन्न, जल, चाय, प्राथमिक चिकित्सा, घाट स्वच्छता, वृक्षारोपण, आटे के दीपक तथा अन्य सेवा कार्यों में जुटे सेवाव्रती कार्यकर्ताओं का शाल, श्रीफल, माँ नर्मदा का चित्र एवं सम्मान-पत्र देकर अभिनंदन किया गया।

प्रांत प्रमुख राजेंद्र सिंह ने माँ नर्मदा सेवा कार्य की संकल्पना, भौगोलिक विस्तार एवं आगामी कार्ययोजना का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

अपने प्रेरक उद्बोधन में श्री सुरेश जी सोनी ने कहा, ÷माँ नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति, आस्था और जीवनधारा की प्रतीक हैं।÷ उन्होंने श्रद्धा जागरण, परिक्रमा पथ सेवा, जैविक खेती, आदर्श घाट निर्माण, सामाजिक जागरण और पर्यावरण संरक्षण को सेवा कार्य के छह प्रमुख आयाम बताते हुए इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध एवं जनभागीदारी आधारित कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने वृक्षारोपण, जल संरक्षण, नदी तटों की स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त घाट और जैविक खेती को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि माँ नर्मदा की निर्मलता और अविरलता बनाए रखने के लिए सेवा को जनआंदोलन का स्वरूप देना होगा। साथ ही नर्मदा परिक्रमा मार्ग पर आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा तथा जल स्रोतों के संरक्षण को राष्ट्रसेवा का महत्वपूर्ण आयाम बताया।

समागम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने माँ नर्मदा के संरक्षण, संवर्धन एवं सेवा के विभिन्न आयामों पर अपने अनुभव साझा किए और प्रत्येक जिले व घाट स्तर पर सेवा गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन माँ नर्मदा सेवा-संकल्प के साथ हुआ, जिसमें सभी ने निर्मल एवं अविरल नर्मदा, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, व्यापक वृक्षारोपण तथा जन-जागरण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

संघर्षों से मिली आजादी, लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखना हम सबका कर्तव्य : डॉ. ममता चंद्रशेखर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय (जीएसीसी) में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के पूर्व भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, बलिदानों और लोकतांत्रिक मूल्यों के महत्व से अवगत कराया। अपने संबोधन में उन्होंने जलियांवाला बाग हत्याकांड का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की आजादी लाखों देशवासियों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भारत ने एक ऐसा दौर देखा है, जब पीड़ा अपने चरम पर थी और स्वतंत्रता की लड़ाई वर्षों तक चली। वर्तमान समय के आंदोलनों का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि जब आंदोलनरत बच्चों पर लाठियां चलती हैं तो पीड़ा होती है, ऐसे में कल्पना कीजिए कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लोगों ने कितनी यातनाएं सही होंगी। डॉ. चंद्रशेखर ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि लोकतांत्रिक देश में लोकतंत्र और आजादी की गरिमा बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरीश मिमरोठ ने किया।

मध्यप्रदेश की बेटियां खेल के क्षेत्र में लहरा रहीं हैं परचम : मुख्यमंत्री

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की बेटियां खेल के क्षेत्र में परचम लहरा रहीं हैं। सागर की बिटिया यामिनी मौर्य ने अपने अनुशासन और अथक परिश्रम से यह सिद्ध कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में महिलाओं की 57 किग्रा जूडो स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर बिटिया यामिनी मौर्य को बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि बेटी यामिनी की उपलब्धियां प्रदेश के प्रत्येक युवा, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। इस गौरवशाली उपलब्धि के पीछे यामिनी के कोच श्री दीपक कुमार का प्रशिक्षण और समर्पण भी उतना ही प्रेरणादायी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेटी यामिनी के कोच और प्रशिक्षकों को भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इंदौर में स्पीड ब्रेकर पर कार से भिडी कार, मां की गोद में खड़े बच्चे की डैशबोर्ड से टकराकर मौत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक मामूली सी चूक ने परिवार की सारी खुशियां पलभर में छीन लीं। शुक्रवार को कार में पूरा परिवार सफर कर रहा था और तीन वर्षीय बच्चा आगे की सीट पर मां के पास खड़ा था। स्पीड ब्रेकर पर आगे चल रही कार के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे चल रही कार उससे टकरा गई। बच्चा पीछे वाली कार में सवार था। टक्कर इतनी तेज थी कि वह उछलकर कार के डैशबोर्ड से जा टकराया।

उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। स्वजन उसे अस्पताल ले गए, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के एयरबैग भी खुल गए। यह भी आशंका जताई जा रही है कि एयरबैग खुलने से भी बच्चे को चोट लगी होगी, जिससे उसकी जान चली गई। हादसा गांधी नगर थाना क्षेत्र के दिलीप नगर का है।

बिंजाना निवासी सतीश राठौर अपनी पत्नी मोना के साथ रिश्तेदार की तेरहवीं में शामिल होने के लिए खेड़ी सिहोद (मानपुर) जा रहे थे। कार सतीश के साढू राकेश सिंह निवासी मुंडला (सांवेर) चला रहे थे। उनकी कार के आगे सफेद रंग की कार (एमपी-09-सीवी-5019) चल रही थी।

आदिनाथ ग्रीन कालोनी के समीप पहुंचने पर आगे चल रही कार ने स्पीड ब्रेकर पर अचानक ब्रेक लगा दिए। राकेश कार नियंत्रित नहीं कर सके और उनकी कार (एमपी-09-बीयू-6030) आगे वाली कार से टकरा गई।

बीसीसी में साइबर जागरूकता पाठशाला, इंदौर पुलिस ने बताए ऑनलाइन ठगी से बचने के उपाय

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर अपराधों के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर (बीसीसी) में एडिशनल डीसीपी (क्राइम) राजेश डंडोतिया ने साइबर जागरूकता पाठशाला आयोजित की, जिसमें संस्थान के करीब 150 अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान श्री डंडोतिया ने साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए-नए तरीकों की जानकारी देते हुए बताया कि फर्जी कॉल, डिजिटल अरेस्ट, केवाईसी अपडेट, निवेश के नाम पर ठगी, ऑनलाइन जॉब ऑफर, फर्जी लिंक, ओटीपी और स्क्रीन शेयरिंग जैसे माध्यमों से लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के लिए हर व्यक्ति को सतर्क, जागरूक और सावधान रहना आवश्यक है।

उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों से अपील की कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक या लालच भरे ऑफर पर भरोसा न करें तथा अपनी व्यक्तिगत या बैंकिंग संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें।

एडिशनल डीसीपी ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है, तो वह तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराए या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत करे। समय पर शिकायत करने से ठगी गई राशि को होल्ड या रिकवर किए जाने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

कार्यक्रम के अंत में सभी कर्मचारियों से स्वयं साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहने तथा अपने परिवार, मित्रों और परिचितों को भी साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करने की अपील की गई, ताकि सुरक्षित डिजिटल समाज के निर्माण में सभी की सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

इंदौर में जिस हाथी ने युवक को कुचला वो हैदराबाद से फिल्म शूटिंग कर आया था

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रिक्शा चालक को कुचलने वाले हाथी को लेकर शुक्रवार को इंदौर वनमंडल ने कार्रवाई आगे बढ़ा दी है। नौलखा स्थित इंदौर रेंज कार्यालय में महावत रामजी और मालिक संदीप निर्मोही पहुंचे। उन्होंने हाथी का उज्जैन में पंजीयन और लाइसेंस जारी होना बताया। यहां तक कि उज्जैन से हैदराबाद के बीच ट्रांजिट पास (परिवहन अनुमति) भी दिखाया। मगर नांदेड़ से हाथी को पैदल लाया गया।

इस दौरान इंदौर में भी रुके, लेकिन दस्तावेजों में इंदौर की अनुमति नहीं मिली है। इसके चलते अब वन विभाग महावत और मालिक के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने में लगा है।

26 जुलाई की घटना और प्रशासनिक कार्रवाई- 26 जुलाई को राज नगर में रिक्शा चालक विजय होलकर हाथी को गुड़ खिलाने की कोशिश करता रहा। इस दौरान हाथी ने सूंड में लपेटकर विजय को फेंक दिया और सिर पर पैर रख दिया। इलाज के दौरान विजय की मौत हो गई।

इसके बाद चंदन नगर थाने ने महावत रामजी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया। घटना के बाद कलेक्टर शिवम वर्मा ने इंदौर वनमंडल के डीएफओ लाल सुधाकर सिंह को कार्रवाई के लिए निर्देश दिए।

दस्तावेज और पूछताछ में सामने आए तथ्य- चार दिन बाद महावत रामजी और मालिक संदीप निर्मोही व हेमंत दास ने वन विभाग के समक्ष दस्तावेज प्रस्तुत किए। हाथी का पंजीयन निर्मोही अखाड़ा के नाम पर किया गया है। यहां तक कि लाइसेंस संदीप निर्मोही के नाम पर मिला है।

इंदौर पुलिस की अपराधियों पर बड़ी कार्रवाई, 3 बदमाश जिलाबदर, 8 पर निर्बंधन आदेश जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और आदतन अपराधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने 11 शातिर बदमाशों के विरुद्ध कड़ी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। इनमें तीन कुख्यात बदमाशों को जिलाबदर किया गया है, जबकि आठ आदतन अपराधियों पर निर्बंधन आदेश जारी कर उन्हें नियमित थाना हाजिरी सहित कई सख्त शर्तों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

इंदौर पुलिस के अनुसार संबंधित अपराधियों के विरुद्ध शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हत्या, मारपीट, लूट, अवैध वसूली, धमकी और अन्य गंभीर धाराओं के कई मामले दर्ज हैं। पूर्व में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के बावजूद उनके आपराधिक व्यवहार में सुधार नहीं हुआ और उनकी गतिविधियों से क्षेत्र की कानून-व्यवस्था प्रभावित हो रही थी।

मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 के तहत प्रस्तुत प्रकरणों पर सुनवाई के बाद पुलिस कमिश्नर ने तीन बदमाशों को निर्धारित अवधि के लिए इंदौर जिले एवं उससे लगे सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमा से बाहर रहने के आदेश जारी किए हैं। जिलाबदर किए गए आरोपियों में राजकुमार खटीक (6 माह), अजय उर्फ भोला (3 माह) और राहुल उर्फ दादिया उर्फ सालिगराम (3 माह) शामिल हैं।

इसके अलावा आठ आदतन अपराधियों पर निर्बंधन आदेश जारी किए गए हैं। आदेश के तहत उन्हें निर्धारित अवधि तक संबंधित थाने में नियमित हाजिरी देना, किसी भी आपराधिक गतिविधि से दूर रहना तथा लोकशांति भंग करने वाली गतिविधियों में शामिल नहीं होने जैसी शर्तों का पालन करना होगा। आदेश का उल्लंघन करने पर उनके विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि शहर में अपराध और अपराधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इन प्रकरणों में शासन की ओर से एडीपीओ अजय प्रताप बुंदेला ने प्रभावी पैरवी की।

एंबुलेंस में न ऑक्सीजन न हूटर, सवा घंटे में अस्पताल पहुंचाया...

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क हादसे में घायल निजी कंपनी के अकाउंटेंट अनिल चौहान की सिस्टम की लापरवाही से मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल अनिल को राहगीरों ने निजी अस्पताल पहुंचाया पर यहां से पुलिस चौकी पर भेज दिया। चौकीवालों ने 108 एंबुलेंस बुलाई पर उसमें ऑक्सीजन ही नहीं थी। गाड़ी में हूटर था न ही प्राथमिक उपचार की कोई व्यवस्था। चालक ने एमवाय अस्पताल पहुंचाने में सवा घंटा लगा दिया और अनिल ने 20 मिनट पहले ही दम तोड़ दिया।

मिनी ट्रक ने अनिल की बाइक को मारी टक्कर- जयश्री नगर (देवास) निवासी 50 वर्षीय अनिल पुत्र अनोखी लाल जंजीरवाला चौराहा स्थित बिल्डिंग मटेरियल कंपनी में नौकरी करते थे और करीब 15 सालों से अनिल अपडाउन कर रहे थे। गुरुवार सुबह करीब पौने 11 बजे मांगलिया टोलनाका के समीप ईंट से भरे मिनी ट्रक ने अनिल की बाइक को टक्कर मार दी। ट्रक में ईंट भरी हुई थी।

न तो ऑक्सीजन थी न उपचार की कोई व्यवस्था- राहगीरों ने गंभीर अवस्था में मांगलिया के निजी अस्पताल (गुर्जर अस्पताल) पहुंचाया लेकिन डॉक्टर ने स्थिति देखकर एमवाय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। लोग उन्हें मांगलिया पुलिस चौकी ले गए और एंबुलेंस बुलाने की मांग की। पुलिस वालों ने 108 एंबुलेंस बुलाई लेकिन तब तक उनके साले देवेंद्र वर्मा और पंकज वर्मा भी पहुंच गए। देवेंद्र के अनुसार एंबुलेंस में स्ट्रेचर के अलावा कुछ भी नहीं था। न तो ऑक्सीजन थी न उपचार की कोई व्यवस्था थी।

अनिल ने करीब 20 मिनट पहले ही दम तोड़ा- अनिल के स्वजन ने स्थिति देख कर निजी अस्पताल में ले जाने की मांग की लेकिन चालक ने स्पष्ट मना कर दिया और कहा वह मरीज को एमवाय अस्पताल ही ले जाएगा। गाड़ी में हूटर और हॉर्न भी नहीं था। भारी ट्रैफिक के बीच एंबुलेंस रेंगते हुए निकली और 1 घंटा और 25 मिनट अस्पताल पहुंचाने में लगा दिए। डॉक्टर ने मरीज को देखते ही बता दिया कि बचाने की कोई उम्मीद ही नहीं है। अनिल ने करीब 20 मिनट पहले ही दम तोड़ दिया।

थोड़ी देर पहले अस्पताल पहुंचा दिया जाता तो शायद अनिल की जान बच सकती थी।

इंदौर पुलिस का ध्वनि प्रदूषण पर बड़ा एक्शन, 101 मॉडिफाइड साइलेंसर और 25 हैंड स्पीकर पर चला रोड रोलर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में ध्वनि प्रदूषण और तेज आवाज वाले मॉडिफाइड साइलेंसरों के खिलाफ इंदौर पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए थाना कनाडिया परिसर में जब्त किए गए 101 अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर और 25 हैंड स्पीकर का रोड रोलर चलाकर विनष्टीकरण किया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसे वाहनों और उपकरणों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

पुलिस आयुक्त संतोष सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक, पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमन सिंह राठौर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेंद्र सिंह तथा सहायक पुलिस आयुक्त खजराना आशीष पटेल के मार्गदर्शन में ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

थाना प्रभारी कनाडिया डॉ. सहर्ष यादव एवं उनकी टीम ने पिछले तीन महीनों के दौरान क्षेत्र में अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थानों पर तेज एवं कर्कश ध्वनि उत्पन्न करने वाले वाहनों के 101 मॉडिफाइड साइलेंसर और 25 हैंड स्पीकर जब्त किए थे।

31 जुलाई 2026 को थाना कनाडिया परिसर में इन सभी जब्त साइलेंसरों और हैंड स्पीकरों का विधिवत रोड रोलर चलाकर नष्ट किया गया। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई आम नागरिकों को ध्वनि प्रदूषण से राहत दिलाने तथा यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से की गई।

पुलिस ने कहा कि मॉडिफाइड साइलेंसरों का उपयोग मोटर व्हीकल एक्ट के तहत दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में आगे भी लगातार कार्रवाई की जाएगी। इंदौर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करें और अवैध साइलेंसर या तेज आवाज पैदा करने वाले उपकरणों का उपयोग न करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में 3 अगस्त को लगेगा एक दिवसीय युवा संगम रोजगार मेला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार, इनोवेशन एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय इंदौर द्वारा 3 अगस्त 2026 (सोमवार) को एक दिवसीय ÷युवा संगम÷ रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) नन्दानगर (परदेशीपुरा) इंदौर में प्रातः 10ः30 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। मेले में युवाओं को रोजगार के साथ-साथ स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु ऋण प्रक्रिया एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

उप संचालक रोजगार श्री पी. एस. मंडलोई ने बताया कि मेले में अनेक प्रतिष्ठित कंपनियाँ भाग लेंगी। इन कंपनियों द्वारा 650 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसमें ऑफिस बॉय, कस्टमर सपोर्ट एग्जीक्यूटिव, बैक ऑफिस एसोसिएट, एचआर इंटर्न, सेल्स ऑफिसर, रिलेशनशिप मैनेजर, एडमिन कोऑर्डिनेटर, वीडियो एडिटर, स्टिचिंग ऑपरेटर, प्रेसमैन, कटिंग ऑपरेटर, पैकिंग स्टाफ, एग्जीक्यूटिव लॉजिस्टिक्स, मशीन ऑपरेटर, सीएनसी ऑपरेटर, वीएमसी सीएमसी ऑपरेटर, प्रेस ऑपरेटर, वेल्डिंग ऑपरेटर, टूल रूम ऑपरेटर, इलेक्ट्रिकल पद, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, सोर्सिंग ऑफिसर, काउंसलर, मोबिलाइज़र, ट्रेनर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रीशियन, प्रोडक्शन इंजीनियर, वेल्डर, वेयरहाउस एसोसिएट, फैक्ट्री हेल्पर तथा कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव (फिटर/टर्नर/मशीनिष्ट आदि) के विभिन्न पद शामिल है।

इस रोजगार मेले में 18 से 40 वर्ष तक के ऐसे आवेदक भाग ले सकते हैं, जिनकी शैक्षणिक योग्यता 8वीं से लेकर स्नातकोत्तर, बी.फार्मा, आईटीआई एवं डिप्लोमा तक हो।

इंदौर के प्रेमाश्रय वृद्धाश्रम में बुजुर्गों की पिटाई पर एमपी हाई कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रेमाश्रय वृद्धाश्रम में बुजुर्गों की पिटाई के मामले में मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने जिला प्रशासन से मामले की स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। इधर, जिला प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है। संभवतः सोमवार, 3 अगस्त को रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की जाएगी।

गौरतलब है कि महाराणा प्रताप नगर में निगम द्वारा आंगनवाड़ी के लिए बनाए गए कमरों में पिछले चार वर्षों से प्रेमाश्रय वृद्धाश्रम संचालित हो रहा था। तीन दिन पहले आश्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें एक नाबालिग आश्रम में रह रहे बुजुर्गों की पिटाई करता दिखाई दे रहा है।

मामले से संबंधित समाचार विभिन्न समाचार पत्रों में भी प्रकाशित हुए। वीडियो और समाचारों का संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान लिया और जिला प्रशासन से स्टेटस रिपोर्ट तलब की।

जिला प्रशासन सील कर चुका है आश्रम- घटना की जानकारी मिलने के बाद जिला प्रशासन ने प्रेमाश्रय वृद्धाश्रम को सील कर दिया। आश्रम में रह रहे 31 बुजुर्गों को गणेश आश्रम, निराश्रित सेवाश्रम और आशा निलय वृद्धाश्रम भेजा गया। तीन बुजुर्गों को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल रेफर किया गया। प्रशासन की प्राथमिक जांच में प्रेमाश्रय वृद्धाश्रम का संचालन अवैध रूप से पाया गया।

वृद्धाश्रम के संचालन के लिए सामाजिक न्याय विभाग से किसी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई थी। प्रशासन की जांच में यह भी सामने आया कि बुजुर्गों की पिटाई करने वाला नाबालिग करीब पांच माह पहले अपनी मां के साथ वृद्धाश्रम में रहने आया था। उसकी मां ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित थी। मां की मृत्यु के बाद वह आश्रम में ही रह रहा था।

मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट एवं विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ ने कंपेल के 1100 विद्यार्थियों को वितरित कीं साइकिलें एवं कॉपिया

शिक्षा को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले के सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कंपेल में आज शिक्षा प्रोत्साहन से जुड़ा एक प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्री तुलसीराम सिलावट तथा विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़ ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं माहेश्वरी स्कूल के लगभग 1100 विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिलें एवं अध्ययन सामग्री के रूप में कॉपियां वितरित कीं।

इस अवसर पर मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार जनकल्याणकारी निर्णय ले रही है। प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष साइकिल वितरण योजना का लाभ दिया जा रहा है, ताकि विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है और सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि आर्थिक अभाव किसी भी विद्यार्थी की पढ़ाई में बाधा न बने। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक विद्यार्थी प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर विद्यालय पहुंचते हैं। ऐसे विद्यार्थियों के लिए साइकिल न केवल आवागमन का साधन है, बल्कि यह उनके शैक्षणिक जीवन को सरल और सुरक्षित बनाने का माध्यम भी है। साइकिल मिलने से विद्यार्थियों का समय बचेगा, नियमित उपस्थिति बढ़ेगी तथा वे अधिक उत्साह के साथ अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगे।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि कई बार आर्थिक रूप से कमजोर एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थी कॉपी, पुस्तकें अथवा साइकिल जैसी आवश्यक शैक्षणिक सामग्री के अभाव में अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ने को विवश हो जाते हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि ऐसे विद्यार्थियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें बेहतर शिक्षा का अवसर प्रदान किया जाए। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने, अनुशासित जीवन अपनाने तथा अपने माता-पिता, विद्यालय और प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्री ब्रजमोहन राठी, श्री रामेश्वर चौहान, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया, सरपंच श्री ओमप्रकाश कंट्रोल वाले, श्री माखन गोखले, श्री श्याम निवाड़ी, श्री सुरेश टेलर, श्री प्रेम बोरवेल, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, जनप्रतिनिधि, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अवैध खनन एवं परिवहन के चार मामलों में कलेक्टर ने 1.62 लाख रुपये से अधिक की शास्ति अधिरोपित की

अवैध उत्खनन एवं निर्धारित मात्रा से अधिक खनिज परिवहन पर सख्त कार्रवाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम, 2022 के अंतर्गत चार अलग-अलग प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहन मालिकों एवं अवैध उत्खननकर्ता पर कुल 1 लाख 62 हजार 64 रुपये की शास्ति अधिरोपित की है। सभी प्रकरण जिला खनिज अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर निराकृत किए गए हैं।

जिला खनिज अधिकारी के प्रतिवेदन के अनुसार 30 जुलाई 2026 को भोलियावास, तहसील नीमच में जांच के दौरान डम्पर क्रमांक RJ09GB1128 में खनिज निर्धारित रॉयल्टी पास में अंकित मात्रा से अधिक पाया गया। इस प्रकरण में वाहन मालिक बद्रीलाल पिता नानुराम नायक, निवासी सुवाखेडा, तहसील जावद, जिला नीमच पर रॉयल्टी की 15 गुना राशि 5,400 रुपये तथा 40 हजार रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति सहित कुल 45 हजार 400 रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई है।

इसी प्रकार 25 जुलाई 2026 को ग्राम चेनपुरा, तहसील नीमच में जांच के दौरान ट्रैक्टर क्रमांक MP44ZG3267 (इंजन क्रमांक श्व2496286) से खण्डा पत्थर का निर्धारित मात्रा से अधिक परिवहन पाया गया। इस मामले में वाहन मालिक सूरजसिह पिता राजेन्?द्र शक?तावत, निवासी दारू, तहसील नीमच पर 2,460 रुपये रॉयल्टी की 15 गुना राशि एवं 16 हजार 79 रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति सहित कुल 18 हजार 539 रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई है।

एक अन्य प्रकरण में 23 जुलाई 2026 को ग्राम लोडकिया, तहसील मनासा में आकस्मिक निरीक्षण के दौरान जेसीबी एवं ट्रैक्टरों के माध्यम से लगभग 45 घनमीटर मुरम का अवैध उत्खनन पाया गया। जांच में लगभग 15 मीटर लंबाई, 3 मीटर चौड़ाई तथा 1 मीटर औसत गहराई का उत्खनन क्षेत्र मिला। इस प्रकरण में सत्यानारायण पिता भंवरलाल राठौर, निवासी महागढ़, तहसील मनासा, जिला नीमच पर 33 हजार 750 रुपये अधिशास्ति राशि एवं 33 हजार 750 रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति सहित कुल 67 हजार 500 रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई है।

वहीं 22 जुलाई 2026 को रामपुरा दरवाजा, तहसील जावद में जांच के दौरान ट्रैक्टर क्रमांक RJ09RE6732 से बिना वैध रॉयल्टी पास के रेत का परिवहन करते पाए जाने पर वाहन मालिक संजय पिता मांगीलाल कुम?हार, निवासी बागेरडा मामादेव, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) पर रॉयल्टी की 15 गुना राशि 5,625 रुपये तथा 25 हजार रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति सहित कुल 30 हजार 625 रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई है।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सभी प्रकरणों में निर्देश दिए हैं कि अधिरोपित शास्ति राशि निर्धारित अवधि में शासकीय कोष में जमा कराई जाए। राशि जमा होने के उपरांत नियमानुसार जब्त वाहन मुक्त किए जाएंगे। यदि निर्धारित समयावधि में राशि जमा नहीं की जाती है, तो संबंधितों के विरुद्ध प्रचलित प्रावधानों के अनुसार भू-राजस्व की भांति वसूली की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जनसुनवाई में प्राप्त रास्ता विवाद शिकायत का मौके पर कराया गया शांतिपूर्ण निराकरण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण की दिशा में राजस्व विभाग द्वारा सतत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में ग्राम विशनिया में आवागमन के रास्ते से संबंधित विवाद का मौके पर ही उभय पक्षों की आपसी सहमति से सफलतापूर्वक समाधान कराया गया। अतिरिक्त तहसीलदार, नीमच ग्रामीण के न्यायालय में प्रकरण क्रमांक 0004/अ-13/2026-27 के अंतर्गत ग्राम विश?निया निवासी विष्णु पिता नारायण एवं नारायण पिता रामलाल, दोनों जाति दमामी, द्वारा प्रस्तुत आवेदन के आधार पर ग्राम विश?निया स्थित सर्वे नंबर 861, रकबा 0.21 हेक्टेयर की भूमि पर आवागमन के मार्ग से संबंधित विवाद के निराकरण हेतु राजस्व विभाग का दल गठित किया गया। गठित दल ने शनिवार को मौके पर पहुंचकर भूमि का निरीक्षण, सीमांकन एवं आवश्यक राजस्व कार्रवाई की। इसके पश्चात दोनों पक्षों से चर्चा कर आपसी सहमति बनाई गई और रास्ते से संबंधित विवाद का सर्वसम्मति से शांतिपूर्ण समाधान कराया गया। मौके पर हुए इस समाधान से संबंधित कृषकों के लिए आवागमन का मार्ग सुगम हो गया। साथ ही, न्यायालय में लंबित प्रकरण का भी सौहार्दपूर्ण निराकरण सुनिश्चित हुआ। यह कार्रवाई जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के संवेदनशील, समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण के प्रति जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आस्था के दर पर उमड़ा जनसैलाब, मियाजी सरकार के आस्ताने से गूंजा कौमी एकता का पैगाम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। न्यायालय परिसर स्थित हिंदू-मुस्लिम कौमी एकता के प्रतीक मियाजी सरकार के आस्ताने पर शनिवार को आस्था, भाईचारे और गंगा-जमुनी तहज़ीब का अद्भुत संगम देखने को मिला। दो दिवसीय धार्मिक आयोजन के पहले दिन हजरत वसीऊद्दीन साहब की बरसी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस दौरान अकीदतमंदों ने मजार पर चादर पेश कर देश में अमन-चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे की दुआ मांगी। कार्यक्रम के दूसरे दिन हजरत वकीलउद्दीन छोटे मियां सरकार का जन्मदिन पूरे सम्मान, श्रद्धा और अकीदत के साथ मनाया गया। सुबह से ही आस्ताने पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हिंदू और मुस्लिम समाज सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने गुलपोशी कर अपनी अकीदत पेश की। पूरा परिसर प्रेम, सद्भाव और इंसानियत के रंग में रंगा नजर आया, जहां हर जुबान पर दुआ और हर दिल में भाईचारे का संदेश था। मियाजी सरकार का यह आस्ताना वर्षों से दीन-दुखियों, जरूरतमंदों और मुराद लेकर आने वाले लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई दुआ कबूल होती है। यही वजह है कि दूर-दराज़ से भी बड़ी संख्या में लोग यहां हाजिरी देने पहुंचते हैं। इस अवसर पर मुल्क में अमन, खुशहाली और सामाजिक सौहार्द की विशेष दुआ की गई। आयोजन के समापन पर विशाल लंगर का आयोजन हुआ, जिसमें सभी धर्मों और समाजों के लोगों ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। यह दृश्य कौमी एकता, सामाजिक समरसता और गंगा-जमुनी संस्कृति की जीवंत मिसाल बन गया। मियाजी सरकार का आस्ताना आज भी यह संदेश देता है कि मजहब अलग हो सकते हैं, लेकिन इंसानियत, मोहब्बत और आपसी सम्मान ही समाज की सबसे बड़ी ताकत हैं। यही कारण है कि यह पवित्र स्थल वर्षों से कौमी एकता, सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की रोशनी बिखेरता आ रहा है।

नीमच में खेल मैदान बचाने के लिए सड़कों पर उतरे खिलाड़ी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में शनिवार को विरोध का एक अनोखा और रचनात्मक तरीका देखने को मिला। शहर के खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक खेल मैदान को बचाने की मांग को लेकर सड़क को ही खेल का मैदान बना दिया। भारत माता चौराहे पर क्रिकेट और फुटबॉल खेलकर खिलाड़ियों ने प्रशासन तक अपना संदेश पहुंचाने की कोशिश की

शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 के खेल मैदान पर प्रस्तावित सांदीपनि सीएम राइज स्कूल के निर्माण के विरोध में खेल मैदान बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले सैकड़ों खिलाड़ी, खेल प्रेमी और नागरिक एकत्र हुए। सड़क पर क्रिकेट और फुटबॉल खेलते खिलाड़ियों को देखकर राहगीर भी कुछ देर के लिए रुक गए।प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उनका विरोध स्कूल निर्माण से नहीं है। उनका कहना है कि शिक्षा और खेल दोनों समाज के लिए समान रूप से जरूरी हैं। इसलिए स्कूल का निर्माण किसी वैकल्पिक सरकारी भूमि पर किया जाए, जबकि इस ऐतिहासिक खेल मैदान को सुरक्षित रखा जाए। खिलाड़ियों का कहना है कि इसी मैदान से कई खिलाड़ी राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं। वर्षों से यह मैदान क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी और एथलेटिक्स जैसी खेल गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। उनका कहना है कि यदि मैदान खत्म हुआ तो हजारों खिलाड़ियों के अभ्यास का सबसे बड़ा स्थान भी समाप्त हो जाएगा। संघर्ष समिति के अनुसार प्रस्तावित करीब 39 करोड़ 23 लाख रुपये की परियोजना के तहत मैदान पर निर्माण की योजना है। इसी के विरोध में पहले ज्ञापन, धरना, जनप्रतिनिधियों से मुलाकात और अन्य चरणों में आंदोलन किया जा चुका है। अब सड़क पर खेलकर विरोध दर्ज कराया गया है। प्रदर्शन में विभिन्न खेल क्लबों के सदस्य, राज्य स्तरीय खिलाड़ी, मॉर्निंग वॉकर्स और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। समिति ने स्पष्ट किया कि यह किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के खेल और भविष्य को बचाने की लड़ाई है। अब देखना होगा कि खिलाड़ियों के इस अनोखे विरोध के बाद प्रशासन क्या फैसला लेता है।

भाजपा नेता श्री जैन ने निर्माणाधीन स्कूल भवन का किया निरीक्षण

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चितौड़गढ़ लोकसभा संसदीय क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद सीपी जी जोशी व बेगू विधानसभा क्षेत्र के जाबाज , जन जन के लाडले विधायक डॉ सुरेश जी धाकड़ के निर्देशानुसार भेसरोड गढ़ ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार जैन के नेर्तव्य में मंडल के कई पदाधिकारियों के साथ शनिवार को भेसरोडगढ़ स्थित जीएस आर मद से जो 6 करोड़ की लागत से नव निर्माणाधीन बिल्डिंग आकस्मिक निरक्षण किया।

श्री जैन ने निर्माणाधीन भवन की गुणवत्ता का बारीकी से जायजा लिया, मंडल अध्यक्ष सुनील जैन ने बताया की सांसद महोदय और विधायक महोदय की अनुशंसा पर पंचायत समिति के सभी पंचायत मुख्यालयों के सभी गावो में इसी प्रकार की भव्य बिल्डिंगे बनाकर शिक्षा में सभी भैया बहिनो को उच्य स्तर की नई शिक्षा प्रणाली और नए स्कुल भवन में, स्मार्ट क्लासेज द्वारा, इंग्लिश मीडियम, हिंदी मीडियम के माध्यम से संस्कार युक्त शिक्षा मीले,

अध्यक्ष श्री जैन ने बताया की नए विद्यालय भवन में सभी भैया बहनो के लिए पर्याप्त कक्षाएं रहेगी, आधुनिक लेब सहित समस्त साधनो से लेस रहेगी, व स्मार्ट बोर्ड के द्वारा पढ़ाई होगी, भवन में लाइब्रेरी, स्टाफ रूम, केंटीन, खेल मैदान, खेल की सभी सामग्री उपलब्ध रहेगी, बच्चो को इस विद्यालय में आते ही शिक्षा का माहौल दिखेगा,भवन परिसर पूरी तरह से सुरक्षित उची दीवारों से घिरा हे,, इसपर सभी ग्रामवाशियों ने विधायक सुरेश धाकड़ और सांसद सीपी जोशी का आभार व्यक्त किया।

इस सौगात से क्षेत्र वासियो में खुशी की लहर हे क्यो की बच्चो को अच्छी शिक्षा और भवन मिलने पर,, निरक्षण के दौरान भेसरोड गढ़ मंडल अध्यक्ष सुनील जैन के साथ धांगणमऊ पूर्व सरपंच सुरेश लबाना, मनीष गाँधी,धर्मेंद्र पूरी भेसरोड गढ़ से युवा नेता रविप्रताप सिंह गॉड,भगवान सिंह गॉड उपाध्यक्ष,नरेन्द्र सिंह मंडल मंत्री, दौलत पूरी वार्ड पंच, दिलीप सिंह बूथ अध्यक्ष, मनोज माली बूथ अध्यक्ष के साथ कई ग्रामीण मौजूद रहे।

सिंगोली नगर निकाय क्षेत्र में चरमराई सफाई व्यवस्था

स्वच्छता के दावों पर गंदगी लगा रही है पलीता

मच्छर रोधी दवाओ के लंबे अरसे से छिड़काव नहीं होने से चिकनगुनिया डेंगू मलेरिया जैसी घातक बीमारियां फैलने का अंदेशा

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर को स्वच्छता में अव्वल नंबर पर लाने का निकाय के स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी लाख दावे कर समय-समय पर चुनिंदा जगहों पर स्वच्छता अभियान चलाकर फोटो सेशन करवाने और उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल कर वाही वाही लुटे लेकिन अभियान के दावे धरातल पर जमीनी हकीकत को अलग ही बयां कर रहे हैं।

निकाय नगर की आम जनता को स्वच्छ नगर का सपना दिखाकर भले ही भारी भरकम सालाना स्वच्छता कर ले रही हो लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि नगर का हर वार्ड वर्तमान

में क्षतिग्रस्त नालियों और उसमें जमा कीचड़ गंदगी से जूझकर स्वच्छता अभियान की पोल खोल रहा है। हालत यह है कि बदबू फेलाती नालिया और गंदगी से पैदा होती संढाद से जहा आम नागरिकों का खड़ा रहना तक मुश्किल हो गया है। लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और अधिकारी स्वच्छता अभियान के प्रचार प्रसार में अधिक व्यस्त दिखाई दे रहे हैं वर्तमान में नगर के अधिकांश वार्डों में नालियों के हालात इतने खराब हो चुके हैं कि बारिश के दौरान वर्षा का पानी नालियों में जमा गंदगी को अपने साथ बहाकर वार्डो के मुख्य मार्गो को अमरुद कर देता है बदबू फैलता है। जिससे आम जनमानस को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है वही मच्छर रोधी दवाओ का लंबे समय से नगर मे छिड़काव नहीं होने के कारण जहां आम नागरिकों को परेशानियां झेलनी पड़ रही है वही चिकनगुनिया मलेरिया डेंगू जैसी घातक बीमारियों के फैलने का अंदेशा भी बना हुआ है नगर में पूरी तरह ध्वस्त हुई सफाई व्यवस्था के हालात यह है कि नगर के मुख्य चौराहे सड़को के किनारे वार्डो मे अधिकांश समय गंदगी के अंबार लगे रहते हैं। लेकिन निकाय अधिकारियों और जिम्मेदारों को इससे कोई सरोकार नहीं है नगर के नागरिकों ने बताया कि समस्या को लेकर कई बार परिषद के जिम्मेदारों को अवगत कराते हैं लेकिन कहीं से कहीं तक कोई सुनवाई नहीं होती है।

ग्राम पंचायत साबाखेड़ा में जनसमस्याओं को लेकर जयस प्रतिनिधिमंडल ने सरपंच से की मुलाकात

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत साबाखेड़ा की नई आबादी में लंबे समय से चली आ रही विभिन्न मूलभूत समस्याओं को लेकर जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) मंदसौर के प्रतिनिधिमंडल ने ग्राम पंचायत सरपंच श्री परमानंद जी धनगर से मुलाकात कर ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत कराया।

बैठक में नई आबादी क्षेत्र में सीसी रोड निर्माण, सामुदायिक भवन निर्माण एवं अन्य आवश्यक विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। सरपंच श्री परमानंद धनगर ने ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए बताया कि सीसी रोड एवं सामुदायिक भवन का निर्माण शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इस आश्वासन के बाद नई आबादी के रहवासियों ने संतोष व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि लंबे समय से लंबित विकास कार्य जल्द धरातल पर दिखाई देंगे। इस अवसर पर जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) मंदसौर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, मातृशक्ति, वरिष्ठजन एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने गांव के समग्र विकास एवं जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान जयस उज्जैन संभाग अध्यक्ष एवं संयुक्त बेरोजगार नवयुवक एकता समिति (म.प्र.) के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष श्री संजय खराड़ी ने कहा कि ÷जनहित से जुड़े मुद्दों को लगातार जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन के समक्ष उठाया जाएगा। ग्रामीणों के अधिकारों और विकास कार्यों के लिए संगठन सदैव प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक गांव में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है।

जाट चौकी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 2.225 किलो अफीम जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रतनगढ़ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 2 किलो 225 ग्राम अवैध अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अफीम के अलावा बिना नंबर की मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 12 लाख 80 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल एवं एसडीओपी हर्ष राठौर के निर्देशन में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना रतनगढ़ की पुलिस टीम को यह सफलता मिली। पुलिस के अनुसार 31 जुलाई को पुलिस चौकी जाट की टीम रतनगढ़-जाट मार्ग पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक युवक बिना नंबर की होंडा सीबी ट्विस्टर मोटरसाइकिल से आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली तो उसके पास रखी प्लास्टिक की थैली से 2 किलो 225 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी की पहचान अंशुल (24) पिता जगदीशचंद्र धाकड़, निवासी ग्राम सुखपुरा, तहसील बिजौलिया, जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) के रूप में हुई।

सीतामऊ थाना क्षेत्र में एमडी फैक्ट्री का पर्दाफाश, पुलिस पर फायरिंग कर भागे तीन तस्कर

110 ग्राम एमडी और 328 किलो केमिकल जप्त, तीनों आरोपियों पर एनडीपीएस, बीएनएस और आर्म्स एक्ट में प्रकरण दर्ज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में सिंथेटिक ड्रग्स के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सीतामऊ पुलिस ने मानपुरा गाँव में एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान तस्करों ने पुलिस टीम पर जानलेवा हमला कर फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई के बाद आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रामस्नेही मिश्रा तथा एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

दिनांक 31 जुलाई और एक अगस्त की दरमियानी रात को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम मानपुरा में मानपुरा-बड़ावदी रोड

पर पानी की टंकी के पास दिलीप गायरी के खेत में बने टीन शेड में अवैध रूप से एमडी ड्रग्स बनाने की कोशिश की जा रही है। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश प्रजापति के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दबिश दी। पुलिस को देखते ही अंदर मौजूद आरोपी दिलीप पिता भेरूलाल गायरी, गोविन्द पिता भेरूलाल गायरी निवासी मानपुरा और पिंटू सिंह सिसौदिया निवासी बजरंगगढ़ राजस्थान ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में फायर किए। इसी बीच तीनों आरोपी मौके से भाग निकले। मौके से पुलिस ने टीन शेड से भारी मात्रा में ड्रग्स और उसे बनाने में इस्तेमाल होने वाला सामान जप्त किया। जिसमें 1. 110 ग्राम एमडी ड्रग्स, 2. एक बिना नंबर की महिंद्रा स्कार्पियो एन कार, 3. चार नीले रंग की मिल्क केन में 208 किलोग्राम एमडीसी केमिकल, 4. दो ऑरेंज और दो नीली मिल्क केन में 117 किलो 800 ग्राम अन्य केमिकल, 5. दो सफेद थैलियों में 1 किलो 800 ग्राम क्रिस्टल नुमा पदार्थ, 6. इलेक्ट्रोनिक तोल काटा, गैस भट्टी, हीटगन ड्रायर, दो ड्रम जिन पर मशीन लगी थी, 7. 10 प्लास्टिक बाल्टी, 5 जग, 31 स्टील थाली, बड़ा भगोना और अन्य उपकरण आदि जब्ती में लिए गए। बाद में थाना सीतामऊ पर तीनों आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 414/2026 दर्ज किया गया है। उन पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22, भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 और 132, आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 लगाई गई हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने शासकीय कार्य में बाधा डालकर पुलिस पर हमला किया है, इसलिए उनके खिलाफ कड़ी धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। फरार आरोपी दिलीप पिता भेरूलाल गायरी निवासी ग्राम मानपुरा थाना सीतामऊ, गोविन्द पिता भेरूलाल गायरी निवासी ग्राम मानपुरा थाना सीतामऊ, पिंटू सिंह सिसौदिया निवासी बजरंगगढ़ राजस्थान हैं। पुलिस ने तीनों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीम गठित की हैं। आसपास के जिलों और राजस्थान में भी दबिश दी जा रही है। इस कार्रवाई में सीतामऊ थाना निरीक्षक कमलेश प्रजापति, मल्हारगढ़ थाना निरीक्षक अनिल रघुवंशी, नई आबादी थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कुलदीप सिंह राठौड़, शामगढ़ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय, भानपुरा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक विनय बुंदेला, बूढ़ा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक विकास गहलोद और सायबर सेल की टीम शामिल रही।

सैनिक सम्मान के रूप में सीआरपीएफ के सेवानिवृत्त वीर सैनिक कृष्णसिंह परिहार का नागरिक अभिनंदन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सैनिक सम्मान अभियान के अंतर्गत शनिवार को 792वें सैनिक सम्मान के रूप में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल से 40 वर्षों की गौरवपूर्ण राष्ट्र सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त होकर अपने गृह नगर मंदसौर पधारे वीर सैनिक ठाकुर कृष्णसिंह परिहार का सरदार पटेल चौराहा पर नागरिक अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक एवं सेवा संगठनों के पदाधिकारियों, पूर्व सैनिकों तथा बड़ी संख्या में राष्ट्रभक्त नागरिकों ने पुष्पमालाएँ पहनाकर एवं भारत माता के जयघोष के साथ उनका आत्मीय स्वागत किया।

सैनिक सम्मान अभियान के संयोजक विनय दुबेला ने कहा कि सैनिक सम्मान अभियान का उद्देश्य राष्ट्र की सीमाओं एवं आंतरिक सुरक्षा में अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले वीर सैनिकों का समाज के मध्य सार्वजनिक सम्मान कर राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचाना है। उन्होंने बताया कि अभियान के माध्यम से अब तक सैकड़ों सैनिकों का नागरिक सम्मान किया जा चुका है तथा 792वाँ सैनिक सम्मान इस गौरवशाली परंपरा की एक और महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि जो सैनिक अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र की सुरक्षा में समर्पित कर देते हैं, उनका सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। यह अभियान केवल सम्मान का कार्यक्रम नहीं, बल्कि नई पीढ़ी में राष्ट्र सेवा, अनुशासन और देशभक्ति के संस्कार विकसित करने का जनआंदोलन है। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता अनिल कियावत ने कहा कि देश की सीमाओं पर दिन-रात प्रहरी बनकर खड़े रहने वाले सैनिकों के त्याग, पराक्रम और बलिदान के कारण ही हम सुरक्षित जीवन जीते हैं। समाज जब अपने सैनिकों का सम्मान करता है, तब राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना और अधिक मजबूत होती है। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों का आह्वान किया कि वे सैनिक सम्मान अभियान से जुड़कर प्रत्येक वीर सैनिक के सम्मान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों ने कृष्णसिंह परिहार के दीर्घायु, स्वस्थ एवं सम्मानपूर्ण जीवन की कामना करते हुए उनके राष्ट्र के प्रति समर्पण को नमन किया। इस अवसर पर सैनिक सम्मान में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर संगठन के मार्गदर्शक राधेश्याम प्रजापत, पूर्व सैनिक दलपत सिंह परिहार, पूर्व सैनिक बाबूलाल सिसोदिया पूर्व सैनिक प्रहलाद राठौड़ पूर्व सैनिक नरेंद्र खटवड़ पूर्व सैनिक अभिनय सिंह चौहान, सैनिक एलआर माली सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, वर्तमान सैनिक एवं समाजसेवी राजाराम तंवर ,अजीज जुल्ला खान, डॉ रविन्द्र पाण्डेय, महेंद्र सिंह सिसोदिया जी, हरीश सालवी, घनश्याम सोनी, गोपाल राव आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भारत माता के जयघोष एवं राष्ट्र के वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए किया गया। संचालन राजेश चौहान द्वारा किया गया एवं आभार दीपक राठौर ने मना।

बछड़े को बचाने दौड़ा किसान, खुले बिजली तारों ने छीन ली जिंदगी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के जावद थाना क्षेत्र की सरवानिया चौकी अंतर्गत ग्राम बांगरेड़ खेड़ा में विद्युत विभाग की कथित लापरवाही एक परिवार पर भारी पड़ गई। खुले विद्युत तारों की चपेट में आने से 59 वर्षीय अमर सिंह पिता गोराजी चंदेल की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अमर सिंह गाय के एक बछड़े को बचाने के प्रयास में करंट की चपेट में आ गए।

परिजनों के अनुसार, उनके घर से करीब 30 फीट दूर स्थित विद्युत डीपी के सपोर्ट पर लगे तार लंबे समय से खुले पड़े थे। शनिवार को एक गाय का बछड़ा इन तारों के पास फंस गया। उसे बचाने के लिए अमर सिंह मौके पर पहुंचे, लेकिन इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और गिरते समय उनका पैर खुले विद्युत तारों के संपर्क में आ गया, जिससे वे गंभीर रूप से झुलस गए।

सम्पादकीय

बिना मंजूरी शुरू हुई परियोजनाओं को नहीं मिलेगी बैकडेट से पर्यावरण क्लीयरेंस

पर्यावरण संबंधी मंजूरी के बगैर ही काम शुरू कर चुकी परियोजनाओं को बाद में पिछली तारीख से मंजूरी देने वाले 2021 के एक कार्यालय ज्ञापन को उच्चतम न्यायालय ने रद्द कर दिया है। अनुपालन व्यवस्था की श्रेष्ठता बहाल करने की दिशा में यह अहम कदम है। तीन न्यायाधीशों के पीठ ने कहा कि 2021 का कार्यालय ज्ञापन प्रशासनिक आदेश था, जिसके कारण पिछली तारीख में पर्यावरण मंजूरी मिलना लगभग निश्चित हो गया था और इसने 2006 की अधिसूचना के तहत पर्यावरण मंजूरी देने के मानदंडों को 'काफी हद तक' बदल दिया।

20 साल पुरानी इस अधिसूचना के अनुसार पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत परियोजनाओं का कठोर 'पर्यावरण प्रभाव आकलन' अनिवार्य है। किंतु सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र की 2017 की वह अधिसूचना बरकरार रखी, जिसमें पर्यावरणीय मंजूरी के बगैर शुरू की गई, बढ़ाई गई या उत्पादों में बदलाव करने वाली परियोजनाओं को मंजूरी के आवेदन के लिए छह महीने की मोहलत दी जाती थी। न्यायालय ने इस अधिसूचना को 'सीमित दायरे वाला एकबारगी नियामकीय उपाय' बताया।

नए फैसले को दो न्यायाधीशों के पीठ के मई 2025 के फैसले और नवंबर में उसे वापस लेने के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास माना जा सकता है। पहले फैसले (वनशक्ति बनाम भारत संघ) में 2017 की अधिसूचना और 2021 के कार्यालय ज्ञापन को अवैध, मनमाना और पर्यावरण न्याय के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन करार देते हुए रद्द कर दिया गया।

कर्नाटक के एक निर्माण परिसंघ ने और भारतीय इस्पात प्रा?धिकरण (सेल) की ओर से केंद्र सरकार ने इस फैसले के खिलाफ अपील की। इसके बाद तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाले तीन न्यायाधीशों के पीठ ने नवंबर में 2-1 के बहुमत से फैसला वापस ले लिया। फैसला इस आधार पर दिया गया कि चल रही बड़ी परियोजनाओं को रद्द करने से हजारों करोड़ रुपये बरबाद होंगे और जनहित को नुकसान पहुंचेगा।

इन परियोजनाओं में कर्नाटक में एक नया हवाई अड्डा, ओडिशा में एक एम्स (अखिल भारतीय आयुर्वेद विज्ञान संस्थान) अस्पताल, सेल का एक संयंत्र और अपशिष्ट जल उपचार के कुछ संयंत्र भी शामिल थे, जो वाकई विडंबना है। पीठ के सदस्यों में असहमति न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने दर्ज कराई थी, जो मई 2025 का फैसला सुनाने वाले पीठ में भी थे।

नए फैसले में तीन बातें कही गई हैं। पहली बात, इसे भावी प्रभाव से लागू किया गया है ताकि 2017 और 2021 में रियायत के तहत शुरू की गई परियोजनाओं पर इसका असर न पड़े और कम से कम व्यवधान हो। दूसरी, यह इस बात पर जोर देता है कि परियोजनाओं को पर्यावरण कानूनों का उल्लंघन करने की खुली छूट नहीं है। तीसरी बात, इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार असाधारण मामलों में और जनहित में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत वैध अधिसूचना जारी करके पर्यावरण संबंधी मंजूरी दे सकती है।

अंतिम बात से छूटों की गहरी जांच के जरिये कार्यकारी शक्तियों पर लगाम लगती है। अधिनियम के तहत छूटों के लिए एक औपचारिक वैधानिक अधिसूचना देनी होगी और उसकी न्यायिक जांच का प्रावधान रखा जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि परियोजनाएं कानून में निहित एहतियाती सिद्धांत का उल्लंघन न करें, उदाहरण के लिए गंभीर या अपरिवर्तनीय पर्यावरणीय क्षति पहुंचाकर।

नया फैसला कितना कारगर होगा यह इस बात पर निर्भर करता है कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारें पर्यावरण संरक्षण सिद्धांत की भावना का कितना सम्मान करती हैं। मंजूरी की जटिल व्यवस्था को सरल बनाना पहला व्यावहारिक कदम होगा, जिसमें 18 महीने तक लग सकते हैं और जिसमें विशेषज्ञ समिति के आकलन तथा जन सुनवाई शामिल हैं।

इससे निवेशकों को नियमों का उल्लंघन करने और पैरवी करने के दुष्चक्र से बचने में मदद मिलेगी। आ?खिर देश की लगातार बिगड़ती हवा, नदियों, जंगलों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों में हरित शासन व्यवस्था इन्हीं की वजह से तो कमजोर बनी हुई है।

चित्त की निर्मलता ही आध्यात्मिक उन्नति का आधार

आज का युग अभूतपूर्व सुविधाओं का है, फिर भी मनुष्य का मन पहले से अधिक अशांत, तनावग्रस्त और असंतुष्ट दिखाई देता है। प्रतिस्पर्धा, भागदौड़ और नकारात्मक वातावरण के कारण मन में क्रोध, भय, चिंता और अस्थिरता बढ़ती जा रही है। यही अशांत मन धीरे-धीरे व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक सेहत को प्रभावित करता है तथा जीवन से सुख और संतुलन छीन लेता है। ऐसे समय में सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि मन और चित्त को निर्मल तथा स्थिर कैसे बनाया जाए?

सहजयोग के अनुसार, जब तक चित्त शुद्ध नहीं होता, तब तक सच्ची शांति, आत्मसंतोष और आध्यात्मिक उन्नति का अनुभव संभव नहीं है। चित्त की निर्मलता साधक की साधना को शक्ति प्रदान करती है और उसे निर्विचार चेतना की उस अवस्था तक ले जाती है, जहाँ मन स्वतः शांत, संतुलित और आनंदमय हो जाता है।

सहजयोग की संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने अपने प्रवचनों में बताया है कि मानव शरीर के सूक्ष्म तंत्र में स्थित मूलाधार चक्र पर श्री गणेश जी की दिव्य शक्ति कार्य करती है। श्री गणेश पवित्रता, मासूमियत और विवेक के प्रतीक हैं। उनकी शक्ति हमारे विचारों, चित्त, हृदय तथा सूक्ष्म चक्रों को निर्मल बनाकर क्रोध, असुरक्षा और नकारात्मक प्रवृत्तियों को शांत करती है। जब मूलाधार चक्र संतुलित होता है, तब व्यक्ति के भीतर सहज रूप से शुद्धता और आत्मविश्वास का विकास होने लगता है।

इसी प्रकार स्वाधिष्ठान चक्र, जिस पर श्री ब्रह्मदेव एवं श्री सरस्वती की शक्तियाँ कार्य करती हैं, हमारी सृजनात्मक क्षमता, शुद्ध ज्ञान और विचारों के संतुलन का केंद्र है। इस चक्र के शुद्ध होने पर अनावश्यक विचारों की गति कम होने लगती है और साधक निर्विचार चेतना का अनुभव करता है। यही अवस्था आत्मसाक्षात्कार तथा आध्यात्मिक जागृति की दिशा में महत्वपूर्ण आधार बनती है।

सहजयोग ध्यान की विशेषता यह है कि इसमें सूक्ष्म चक्रों का जागरण और संतुलन सहज एवं स्वाभाविक रूप से होता है। नियमित ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर स्थित दिव्य शक्तियों का अनुभव कर सकता है, मानसिक तनाव से मुक्ति पा सकता है तथा जीवन में शांति, संतुलन और आनंद का अनुभव कर सकता है। यही निर्मल चित्त व्यक्ति को स्वयं के साथ-साथ परिवार और समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करता है।

यदि आप भी मन की वास्तविक शांति, विचारों की स्थिरता और आत्मिक आनंद का अनुभव करना चाहते हैं, तो अपने निकटतम सहजयोग ध्यान केंद्र पर आयोजित निःशुल्क ध्यान सत्र में सम्मिलित होकर इस दिव्य अनुभूति का लाभ उठाएँ।

एक कैंटीन से उठा सवालः व्यवस्था का सच आखिर कहाँ है?

लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना गलती होना नहीं, बल्कि उसे उपलब्धि के प्रमाणपत्र से ढक देना है। जब सच कागजी चमक में छिपने लगे, तब व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। महाराष्ट्र मंत्रालय की कैंटीन इसका प्रतीक बनकर सामने आई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने स्वच्छता और अनुपालन में अट्ठानवे प्रतिशत अंक दिए और परिसर को मक्खी-कीट मुक्त बताया। रिपोर्ट आदर्श दिखी, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट के सामने उसकी चमक फीकी पड़ गई। अदालत ने रेटिंग को 'हास्यास्पद' बताते हुए 'एक भी कीट नहीं?' जैसी टिप्पणी की और चार वकीलों की टीम को एफडीए अधिकारियों के साथ जांच के लिए भेजा। यह केवल कैंटीन की कहानी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है जहाँ सुधार से अधिक निर्दोष दिखने वाली रिपोर्ट बनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

सत्ता का आधार उसका नैतिक अधिकार होता है, जो कानून बनाने या आदेश देने से नहीं, बल्कि आचरण से अर्जित होता है। जब शासन दूसरों के लिए कठोर नियम तय करता है, स्वच्छता के नाम पर निजी प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करता है और जवाबदेही सुनिश्चित करता है, तो उससे अपेक्षा होती है कि वह स्वयं भी उन्हीं कसौटियों पर खरा उतरे। लेकिन जब वही व्यवस्था अपनी मंत्रालय की कैंटीन को पूर्णता का प्रमाणपत्र दे और न्यायपालिका उस दावे पर सवाल उठा दे, तो यह दोहरे मापदंड को उजागर करता है। जो व्यवस्था अपनी थाली की सच्चाई नहीं परख सकती, वह समाज की थाली की सुरक्षा का भरोसा कैसे पैदा करेगी? सत्ता की असली स्वच्छता भाषणों में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के आचरण में दिखाई देती है।

यह मामला केवल भोजन की गुणवत्ता का नहीं, बल्कि उस प्रशासनिक संस्कृति का प्रतीक है जहाँ अंक और प्रमाणपत्र उपलब्धि पर भारी पड़ने लगे हैं। आज कई क्षेत्रों में मूल्यांकन की चमक, जमीनी सच्चाई से अधिक महत्व पाने लगी है। परीक्षा व्यवस्था की गड़बड़ियाँ हों, आपदा राहत के आंकड़ों और स्थिति में अंतर हो या योजनाओं की सफलता रिपोर्टों में दिखाई दे–हर जगह यही प्रवृत्ति नजर आती है। मंत्रालय की कैंटीन इसका छोटा लेकिन तीखा उदाहरण है। निरीक्षण की सूची पूरी हुई और अंक मिल गए, लेकिन सवाल है कि क्या अंक अनुभव का स्थान ले सकते हैं? लोकतंत्र में सम्मान प्रतिशत से नहीं, भरोसे से मिलता है। जब शासन की घोषणाएँ और जनता का अनुभव अलग दिशा में चलें, तो विश्वास की दूरी बढ़ती जाती है।

खाने की सुरक्षा को केवल स्वास्थ्य का विषय मानना इस प्रसंग को सीमित करना होगा। भोजन नागरिक गरिमा और प्रशासनिक संवेदनशीलता से जुड़ा प्रश्न है। मंत्रालय वह स्थान है जहाँ राज्य की दिशा तय होती है, नीतियाँ बनती हैं और जनता के लिए नियम निर्धारित होते हैं। यदि ऐसे स्थान पर सुरक्षा केवल फाइलों में हो और वास्तविकता जानने के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, तो यह व्यवस्था के लिए आत्ममंथन का विषय है। बॉम्बे हाईकोर्ट की टिप्पणी ने स्पष्ट किया कि एफडीए का व्यवहार निजी और सरकारी प्रतिष्ठानों के प्रति समान व निष्पक्ष होना चाहिए। सत्ता के परिसर भी जांच और जवाबदेही से ऊपर नहीं हो सकते। चाहे मंत्रालय की कैंटीन हो या बड़ा प्रशासनिक निर्णय, जवाबदेही लोकतंत्र की मजबूत नींव है।

इस मामले ने निरीक्षण व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े किए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन का काम केवल अंक देना नहीं, बल्कि वास्तविकता को निष्पक्ष रूप से सामने रखना है। जब किसी सरकारी परिसर को लगभग आदर्श घोषित किया जाए और बाद में उसी दावे पर प्रश्न उठें, तो चिंता केवल एक रिपोर्ट की नहीं, पूरे तंत्र की साख की होती है। निजी संस्थानों पर कठोर मानक और सरकारी प्रतिष्ठानों पर नरम मूल्यांकन समानता के सिद्धांत को कमजोर करते हैं। व्यवस्था जब अपने लिए अलग कसौटी अपनाती है, तो उसकी नैतिक शक्ति घटती है।

शासन की असली प्रतिष्ठा प्रमाणपत्रों से नहीं, बल्कि निष्पक्षता, पारदर्शिता और आचरण से बनती है। सुधार का रास्ता केवल नई रेटिंग व्यवस्था बनाने से नहीं, बल्कि उस सोच को बदलने से निकलेगा जो कागजी सफलता को उपलब्धि मान लेती है। निरीक्षण प्रक्रिया में उन लोगों के अनुभव शामिल होने चाहिए, जो प्रतिदिन उस व्यवस्था का हिस्सा होते हैं। कर्मचारी, अधिकारी और भोजन करने वालों की राय को मूल्यांकन का आधार बनाया जाना चाहिए। अचानक निरीक्षण, पारदर्शी रिपोर्ट और सरकारी व निजी संस्थानों के लिए समान नियम ही विश्वास मजबूत कर सकते हैं। परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, डिजिटल मंचों की जवाबदेही या आपदा राहत की जमीनी समीक्षा–हर क्षेत्र में एक सिद्धांत लागू होना चाहिए कि आंकड़ों की चमक से पहले वास्तविकता को महत्व मिले।

मंत्रालय की कैंटीन का यह प्रसंग सोचने पर मजबूर करता है कि कहीं प्रमाणपत्रों की चमक में वास्तविकता और सत्य पीछे तो नहीं छूट रहे। अट्ठानवे प्रतिशत अंक आकर्षक हो सकते हैं, लेकिन जनता का विश्वास रिपोर्ट कार्ड से नहीं, बल्कि व्यवस्था की ईमानदारी और आचरण से अर्जित होता है। अपनी कमियों को स्वीकार कर सुधार का साहस ही किसी संस्थान की शक्ति होती है। जो शासन आत्मालोचना से नहीं डरता, वही लंबे समय तक सम्मान और भरोसा कायम रखता है। कागजों पर चमकती उपलब्धियाँ कुछ समय प्रभाव डाल सकती हैं, लेकिन प्रतिष्ठा का आधार सच्चाई, पारदर्शिता और ईमानदारी ही बनती है।

जब किसी व्यवस्था की चमकदार रिपोर्ट और जमीनी सच्चाई में अंतर दिखाई देने लगे, तो प्रश्न केवल एक घटना का नहीं, पूरी सोच का बन जाता है। बॉम्बे हाईकोर्ट की टिप्पणी इसी प्रशासनिक मानसिकता पर चोट है, जहाँ वास्तविकता सुधारने से अधिक उसे बेहतर दिखाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सत्ता की असली स्वच्छता फाइलों, प्रमाणपत्रों और प्रतिशतों में नहीं, बल्कि व्यवहार और फैसलों में झलकती है। थाली में परोसे भोजन और रिपोर्ट में लिखे सत्य के बीच दूरी नहीं होनी चाहिए। लोकतंत्र केवल नियमों से नहीं, जनता के विश्वास से चलता है। विश्वास अट्ठानवे प्रतिशत अंकों से नहीं, पारदर्शी और ईमानदार आचरण से अर्जित होता है।

-प्रो. आरके जैन

देश के युवा बनाम राष्ट्रीयता

भारत आज विश्व के उन गिने-चुने देशों में है जहाँ युवा जनसंख्या सबसे अधिक है। भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है और लगभग आधी आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है। यह विशाल युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि यही युवा राष्ट्रनिर्माण, नवाचार, विज्ञान, शिक्षा, उद्योग, कृषि और सामाजिक विकास में अपनी ऊर्जा लगाए तो भारत को वैश्विक देश की अग्रणी पंक्ति में खड़ा होने से कोई नहीं रोक सकता। यदि यही ऊर्जा भटक जाए, स्वार्थी तत्वों के प्रभाव में आकर राष्ट्रहित से विमुख हो जाए, तो यही जनसांख्यिकीय लाभ राष्ट्र के लिए चुनौती भी बन सकता है।

राष्ट्रीयता का अर्थ किसी दल, विचारधारा या व्यक्ति विशेष का समर्थन नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, अखंडता, संविधान, संस्कृति, राष्ट्रीय संपत्ति और नागरिक कर्तव्यों के प्रति समर्पण की भावना है। दुर्भाग्यवश आज के समय में युवाओं का एक वर्ग सोशल मीडिया के दुष्प्रचार, आधी-अधूरी सूचनाओं, राजनीतिक ध्रुवीकरण और निहित स्वार्थी शक्तियों के प्रभाव में शीघ्र आकर भ्रमित हो जाता है। बिना तथ्यों की पुष्टि किए आंदोलन, विरोध अथवा हिंसक गतिविधियों में शामिल हो जाना चिंताजनक प्रवृत्ति है।

लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक व्यवस्था की शक्ति है, किंतु जब आंदोलन हिंसक रूप ले लेते हैं, सार्वजनिक बसों, ट्रेनों, सरकारी भवनों, विद्यालयों, अस्पतालों तथा अन्य राष्ट्रीय संपत्तियों को नुकसान पहुँचाया जाता है, तब सबसे अधिक हानि स्वयं राष्ट्र की होती है। यह संपत्ति किसी सरकार या अधिकारी की निजी नहीं होती, बल्कि देश के करोड़ों करदाताओं के धन से निर्मित होती है। एक बस जलती है तो उसका नुकसान देश का होता है; एक रेलवे स्टेशन टूटता है तो उसका भार जनता पर ही आता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि युवा यह समझें कि राष्ट्र का विकास केवल सरकारों के भरोसे नहीं होता। विकसित राष्ट्रों की पहचान उनके जागरूक नागरिकों से होती है। जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी और सिंगापुर जैसे देशों ने अपने युवाओं के अनुशासन, परिश्रम, तकनीकी दक्षता और राष्ट्रप्रेम के बल पर असाधारण प्रगति की है। भारत के युवाओं में भी प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। भारतीय युवा विश्व की बड़ी-बड़ी कंपनियों, अनुसंधान संस्थानों और तकनीकी क्षेत्रों में अपनी क्षमता का लोहा मनवा रहे हैं। आवश्यकता केवल इस प्रतिभा को राष्ट्रहित की दिशा देने की है।

राष्ट्रीयता की भावना केवल सीमा पर शस्त्र उठाने से नहीं आती। ईमानदारी से कर चुकाना, पर्यावरण की रक्षा करना, मतदान करना, कानून का पालन करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना, स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देना, भ्रष्टाचार का विरोध करना और अपने कार्य को पूरी निष्ठा से करना भी राष्ट्रसेवा ही है। प्रत्येक युवा यदि अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करे तो भारत की प्रगति की गति कई गुना बढ़ सकती है।

-संजीव ठाकुर

बहनः संस्कृति, संवेदना और सशक्त भारत की आधारशिला

रिश्तों की दुनिया में यदि कोई संबंध निस्वार्थ प्रेम, आत्मीयता, विश्वास, त्याग और आजीवन साथ का सबसे सुंदर उदाहरण है, तो वह बहन का रिश्ता है। बहन केवल परिवार की सदस्य नहीं होती, वह घर की संवेदना, संस्कारों की संरक्षिका, परिवार की आत्मा और समाज की मानवीय चेतना की वाहक होती है। राष्ट्रीय बहन दिवस इसी अनुपम रिश्ते के सम्मान, उसकी गरिमा और उसके जीवनदायी योगदान को स्मरण करने का अवसर है। प्रत्येक वर्ष अगस्त के प्रथम रविवार को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि यदि परिवारों में बहनों का स्नेह और संस्कार जीवित रहेंगे, तभी समाज में समरसता और राष्ट्र में मानवीय मूल्यों की धारा प्रवाहित होती रहेगी।

आज जब भौतिकता, प्रतिस्पर्धा और आत्मकेंद्रित जीवनशैली रिश्तों की ऊष्मा को चुनौती दे रही है, तब राष्ट्रीय बहन दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस अमूल्य परंपरा का पुनर्स्मरण है, जहाँ नारी को परिवार की धुरी, संस्कृति की संवाहिका और भविष्य की निर्माता माना गया है। बहन का व्यक्तित्व केवल अपने भाई या परिवार तक सीमित नहीं रहता, वह आने वाली पीढ़ियों के संस्कारों का निर्माण करती है। उसके व्यक्तित्व में करुणा, सहनशीलता, सेवा, संयम और समर्पण जैसे गुण समाज को मानवीय बनाते हैं। इसी व्यापक दृष्टि को साकार करने की दिशा में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा 1 अगस्त 2026 को जैन विश्व भारती, लाडनूं में राष्ट्रसंत आचार्य श्री महाश्रमणजी की मंगल सन्निधि में आयोजित 'बेटी तेरापंथ की' चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायी अध्याय बनकर उभरा। राष्ट्रीय बहन दिवस की भावना के अनुरूप आयोजित यह सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि नारी चेतना, बहन संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों के पुनर्जागरण का सशक्त अभियान था।

देश के विभिन्न राज्यों से हजारों बेटियों और बहनों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय नारी केवल परिवर्तन की साक्षी नहीं, बल्कि परिवर्तन की सबसे बड़ी वाहक है। सम्मेलन में उपस्थित प्रत्येक बेटी और बहन अपने साथ केवल उत्साह नहीं लाई थी, बल्कि संस्कार, सेवा, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक नया संकल्प लेकर आई थी। यह दृश्य भारतीय संस्कृति के उस उज्ज्वल भविष्य का संकेत था, जिसमें नारी केवल सम्मान की पात्र नहीं, बल्कि समाज-निर्माण की सक्रिय भागीदार है। इस सम्मेलन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि यहाँ नारी सशक्तिकरण को केवल अधिकारों की भाषा में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, संस्कार, नेतृत्व और आध्यात्मिक चेतना के साथ जोड़ा गया। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित करते हुए यह संदेश दिया गया कि वास्तविक सशक्तिकरण वही है जो व्यक्ति को आत्मविश्वासी बनाए, परिवार को सुदृढ़ करे, समाज को संगठित करे और राष्ट्र को ऊँचाइयों तक ले जाए।

राष्ट्रसंत आचार्य श्री महाश्रमणजी के प्रेरणादायी सान्निध्य ने इस सम्मेलन को आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान की। आचार्यश्री का संपूर्ण जीवन नारी गरिमा, नैतिक मूल्यों, शिक्षा, आत्मानुशासन और मानवीय चेतना के विकास के लिए समर्पित रहा है। उनके मार्गदर्शन में चल रहे अनेक कार्यक्रमों ने समाज में यह विश्वास जगाया है कि नारी केवल घर की शक्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र के चरित्र निर्माण की आधारशिला है। उनके संदेशों में बार-बार यह भाव उभरता है कि यदि नारी शिक्षित, संस्कारित, आत्मविश्वासी और मूल्यनिष्ठ होगी तो परिवार, समाज और राष्ट्र स्वयं सुदृढ़ बन जाएगा। इस अवसर पर जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष श्री महेंद्र नाहटा ने अत्यंत सारगर्भित विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'नारी के बिना राष्ट्र की प्रगति अधूरी है। जिस समाज ने अपनी बेटियों और बहनों को अवसर, सम्मान और संस्कार दिए हैं, वही समाज स्थायी विकास की दिशा में आगे बढ़ा है। आचार्य श्री महाश्रमणजी के मार्गदर्शन में चल रहे नारी उत्थान के विविध कार्यक्रम केवल महिलाओं को सशक्त नहीं बना रहे, बल्कि पूरे समाज में नैतिक जागरण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आधार बन रहे हैं।' उन्होंने कहा कि 'बेटी तेरापंथ की' केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि ऐसी वैचारिक यात्रा है जो बेटियों और बहनों को आत्मगौरव, नेतृत्व, सेवा और संस्कार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ रही है।

वास्तव में भारत की आत्मा उसकी संस्कृति में बसती है और भारतीय संस्कृति का सबसे सुंदर स्वरूप उसके पारिवारिक संबंधों में दिखाई देता है। बहन का रिश्ता केवल राखी के धागे तक सीमित नहीं है, वह विश्वास, सहयोग, प्रेरणा और नैतिक शक्ति का ऐसा सूत्र है जो परिवारों को टूटने नहीं देता। यदि हर बेटी अपने संस्कारों से एक परिवार को प्रकाशित करती है, तो हर बहन अपने व्यवहार से समाज में संवेदनाओं का विस्तार करती है। आज आवश्यकता केवल महिलाओं को अवसर देने की नहीं, बल्कि उन्हें निर्णय प्रक्रिया, सामाजिक नेतृत्व, सांस्कृतिक संरक्षण और राष्ट्रीय विकास के केंद्र में स्थापित करने की है। जब बेटियां शिक्षा, संस्कार, आत्मनिर्भरता और आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध होंगी, तभी भारत विश्वगुरु बनने की अपनी कल्पना को वास्तविकता में बदल सकेगा। आर्थिक विकास महत्वपूर्ण है, परंतु नैतिक विकास उसके बिना अधूरा है। और इस नैतिक विकास की सबसे बड़ी वाहक हमारी बेटियां और बहनें ही हैं।

राष्ट्रीय बहन दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि हम बहनों को केवल शुभकामनाएँ देकर अपने दायित्व की इतिश्री न समझें, बल्कि उन्हें शिक्षा, सम्मान, समान अवसर, सुरक्षा और नेतृत्व के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करें। परिवारों में बेटियों को निर्णय लेने का अवसर मिले, समाज में उनकी प्रतिभा को मंच मिले और राष्ट्र उन्हें विकास की साझेदार बनाएकृयही इस दिवस की सार्थकता है। 'बेटी तेरापंथ की' सम्मेलन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब धार्मिक संस्कार, सामाजिक चेतना और आधुनिक नेतृत्व एक साथ चलते हैं, तब परिवर्तन केवल विचारों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह जीवन का आंदोलन बन जाता है। यह सम्मेलन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा और यह संदेश देता रहेगा कि बहन केवल रिश्ते का नाम नहीं, बल्कि संस्कृति की सबसे सशक्त प्रतिनिधि है।

भारतीय संस्कृति में बहन केवल एक पारिवारिक संबंध नहीं, बल्कि स्नेह, त्याग, मर्यादा, ममता और मंगलकामना की सजीव प्रतिमूर्ति मानी गई है। उसे घर की लक्ष्मी, कुल की गरिमा, संस्कारों की वाहक, प्रेम की पावन धारा और परिवार की आत्मीय शक्ति के रूप में सम्मानित किया गया है। बहन का स्नेह निःस्वार्थ होता है, उसका आशीर्वाद अमूल्य होता है और उसका विश्वास जीवन के कठिनतम क्षणों में भी संबल प्रदान करता है। वह भाई के जीवन में प्रेरणा, संवेदना, करुणा और आत्मीयता का ऐसा स्रोत है, जो रिश्तों को केवल रक्त से नहीं, बल्कि हृदय के अटूट बंधन से जोड़ता है। भारतीय परंपरा में बहन को शुभता, सौभाग्य, वात्सल्य और संरक्षण का प्रतीक माना गया है। रक्षाबंधन एवसं भाईदूज जैसे पावन पर्व इस पवित्र संबंध की गरिमा को और अधिक ऊँचा उठाते हैं, जहाँ बहन केवल रक्षा का सूत्र नहीं बाँधती, बल्कि अपने प्रेम, विश्वास और मंगलकामनाओं से भाई के जीवन को आलोकित करती है। बहन परिवार की संस्कृति की संवाहिका, मूल्यों की संरक्षिका और स्नेह की अविरल सरिता है। उसके सम्मान में जितने भी विशेषण कहे जाएँ, वे कम हैं, क्योंकि बहन वास्तव में ईश्वर की वह अनुपम देन है, जो जीवन को प्रेम, अपनत्व, संवेदना और पवित्रता से समृद्ध कर देती है। आज राष्ट्रीय बहन दिवस पर संपूर्ण राष्ट्र को यह संकल्प लेना चाहिए कि हर बेटी को सम्मान मिलेगा, हर बहन को अवसर मिलेगा और हर नारी को उसके व्यक्तित्व की पूर्ण अभिव्यक्ति का अधिकार मिलेगा। यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव होगी। जिस दिन भारत की प्रत्येक बेटी आत्मविश्वास, संस्कार और नेतृत्व के साथ आगे बढ़ेगी, उसी दिन राष्ट्र की प्रगति नई ऊँचाइयों को स्पर्श करेगी। बहन का सम्मान केवल एक दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकल्प होना चाहिए। क्योंकि जहाँ बहनों का सम्मान होता है, वहाँ परिवारों में संस्कार खिलते हैं, समाज में संवेदनाएँ जीवित रहती हैं और राष्ट्र अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ता है। यही राष्ट्रीय बहन दिवस का संदेश है, यही 'बेटी तेरापंथ की' सम्मेलन की उपलब्धि है और यही नए भारत के निर्माण का सबसे सशक्त मार्ग भी है।

-ललित गर्ग

तकनीकी सामंतवाद का खतराः क्या अब देशों की सरकारों से भी ताकतवर हो रही हैं कॉरपोरेट कंपनियां?

जैसे-जैसे दुनिया अलग-अलग देशों के छोटे और संकरे गुटों में बंटती जा रही है, यह खतरा खड़ा हो गया है कि राज्य से परे कॉरपोरेट हित वैश्विक निर्णयों पर हावी होने लगेंगे। कई तरह के व्यवधानों के इस दौर में प्रौद्योगिकी पर संप्रभु नियंत्रण और ऐसी भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण का चलन है, जिन पर भरोसा किया जा सकता है।

एक सीमा तक यह अच्छी बात है किंतु प्रौद्योगिकी पर संप्रभु नियंत्रण का अर्थ यह भी है कि इन प्रौद्योगिकियों का निर्माण करने वाले ताकतवर केंद्रों को और भी बड़ा तथा अधिक शक्तिशाली बनने दिया जाएगा। अगर यह संप्रभु शक्ति के लिए इतना जरूरी है तो क्या राष्ट्रीय सरकारें उनकी शक्ति कम करने का प्रयास नहीं करेंगी? अब हम उस निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुके हैं, जहां कॉरपोरेट शक्तियां राज्य की शक्ति के बराबर पहुंच सकती हैं या उनसे भी बड़ी हो सकती हैं।

हालिया अतीत में हमने देखा है कि कैसे अमेरिका उन्नत चिप्स और मिथॉस जैसे आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स को दूसरे देशों तक पहुंचने से रोकने का प्रयास किया। लेकिन इन फैसलों में जल्द ही बदलाव करना पड़ा क्योंकि वैश्विक प्रभुत्व की चाह में कोई भी देश बुनियादी वाणिज्यिक हितों के साथ समझौता नहीं कर सकता।

सत्ता पर कम्युनिस्ट पार्टी के एकाधिकार वाले चीन को जैसे ही लगा कि अलीबाबा की ताकत उसके नियंत्रण के परे चली गई है, उसने फौरन अलीबाबा के पर कतर दिए। लेकिन चीन भी अपनी तकनीकी कंपनियों की वैश्विक ताकत कभी खत्म नहीं होने देगा। अलीबाबा के जैक मा को सार्वजनिक जीवन से जबरदस्ती गायब करके सख्त संदेश जरूर दिया गया होगा मगर अलीबाबा को खत्म नहीं होने दिया गया।

भारत में भी 'अदाणी और अंबानी' की ताकत पर तमाम सियासी बयानबाजी के बावजूद यह कल्पना करना मुश्किल है कि वे टूट सकते हैं क्योंकि वे उन चुनिंदा समूहों में शामिल हैं, जो दुनिया की आला कंपनियों के सामने टिके रह सकते हैं। कंपनियों की ताकत में कमी राज्य की किसी कार्रवाई से होने के बजाय परिवारों के अंदरूनी झगड़ों से होने का आशंका ज्यादा होती है क्योंकि कई बार उत्तराधिकारी अपनी-अपनी कंपनियां चलाना चाहते हैं।

पश्चिम में पारिवारिक कारोबार भारत के मुकाबले कम हैं और वहां कॉरपोरेट ताकत उन मुख्य कार्य अधिकारियों (सीईओ) और निदेशक मंडलों के पास चली गई हैं, जिनका चुनाव नहीं होता।

जब दुनिया राजनीति और अर्थशास्त्र में नई शक्ति व्यवस्थाओं के अनुरूप ढल रही है तब किसी भी बड़ी कंपनी को एक सीमा से ज्यादा नहीं रोका जा सकता। बल्कि कंपनियां ही सरकारों पर ताकत दिखाएंगी, अमेरिका पर भी। इसका अर्थ है कि एमेजॉन, ऐपल, अल्फाबेट (गूगल), मेटा, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया और टेस्ला/स्पेसएक्सज जैसी बड़ी कंपनियों का अमेरिकी सरकार और वॉल स्ट्रीट पर हमेशा भारी रुतबा होगा।

इन कंपनियों में जल्द ही ऐंथ्रॉपिक और ओपनएआई जैसी बड़ी कंपनियों का नाम भी जुड़ सकता है, जिनका मूल्यांकन 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने वाला है और जो बाजार में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही हैं। ओपनएआई कमाई और मूल्यांकन आदि में ऐंथ्रॉपिक से पीछे क्यों न रह जाए, उसे कभी विफल नहीं होने दिया जाएगा। उसे बचा लिया जाएगा बल्कि मजबूत कंपनियों में उसका विलय भी कराया जा सकता है क्योंकि उसमें बहुत ज्यादा रकम दांव पर लगी है।

यह तस्वीर काफी समय से उभर रही है, डॉनल्ड ट्रंप के आने से पहले भी, जिनकी अराजक नीतियों से तकनीकी राष्ट्रवाद का उदय तेज हो रहा है। ग्रीस के वित्त मंत्री रहे यानिस वरूफाकिस आदि ने जिस 'तकनीकी सामंतवाद' शब्द को लोकप्रिय बनाया था, उसका अर्थ यह है कि संप्रभुता अब सरकारों के पास ही नहीं रह गई है। वह भारीभरकम तकनीकी प्लेटफॉर्मों और कंपनियों तक पहुंच गई है, जो मोबाइल फोन से लेकर चिप्स और इंटरनेट तक लगभग हर मानवीय गतिविधि पर हावी हैं।

जरा सोचिए कि अमेरिका में एक सदी से भी ज्यादा समय से एकाधिकार रोधी कानून मौजूद है मगर वहां कितनी बड़ी एंटी ट्रस्ट कार्रवाई सफल हो पाई हैं? कॉरपोरेट ताकत के दो बड़े विघटन 1911 और 1984 में हुए। 1911 में स्टैंडर्ड ऑयल को 34 कंपनियों में बांट दिया गया और 1984 में एटीऐंडटी को अपने क्षेत्रीय टेलीफोन कारोबार अलग करने पर मजबूर किया गया।

अमेरिकी न्याय विभाग ने 2000 में माइक्रोसॉफ्ट को तोड़ने की कोशिश की मगर अपने एकाधिकारवादी तरीकों में बदलाव पर रजामंद होकर कंपनी उस झटके से बच गई। इस समय गूगल, एमेजॉन और ऐपल के खिलाफ एंटी ट्रस्ट कार्रवाई चल रही हैं मगर इस बात की आशंका कम है कि उनकी कॉरपोरेट ताकत पर ज्यादा कैंची चलाई जाएगी।

कायदे में ऐसी कार्रवाई अमेरिका और चीन से शुरू होनी चाहिए। लेकिन अगर वे खुद को जी2 (दो देशों का समूह) मानने लगते हैं तो इस बात की संभावना ज्यादा है कि वे अपने घर की कंपनियों के बजाय जी2 से बाहर के देशों में ताकतवर तकनीकी कंपनियों का कद कम करने के लिए मिलीभगत करें। यह सोचना भी कठिन है कि अमेरिका गूगल, एमेजॉन, ऐपल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा या स्पेसएक्स यानी मैग-7 को उस तरह तोड़ेगा, जैसे चीन बायडू, अलीबाबा, टेनसेंट या शाओमी के साथ किया।

जरा सोचिए कि केवल एक कंपनी का कितनी जगह दबदबा है। सर्च बाजार के 90 प्रतिशत और ऐंड्रॉयड, क्रोम और गूगल मैप्स के 60-70 प्रतिशत पर गूगल का अधिकार है। ज्यादा विवेक वाली दुनिया में गूगल (या इसकी मूल कंपनी अल्फाबेट) को कम से कम चार या पांच अलग-अलग कंपनियों में बांटा जाना चाहिए था और एमेजॉन को भी इतनी ही कंपनियों में। किंतु राजनीतिक शक्ति के विखंडन के इस दौर में तकनीकी सामंतवाद के खिलाफ देशों की एकजुट कार्रवाई की गुंजाइश घट रही है।

तकनीकी सामंतवाद को तभी सीमित किया जा सकता है, जब प्रमुख शक्तियों के बीच वैश्विक समझौता हो। इन कॉरपोरेट दिग्गजों को तोड़ने के लिए अमेरिका और चीन ही नहीं, एशिया, अफ्रीका, यूरोप और लैटिन अमेरिका की उभरती शक्तियों को भी शामिल करना होगा।

-धनंजय राजौरा

अपनी दिवंगत आत्माओं की पावन स्मृति में पौधें रोपकर उन्हें जीवंत रूप में देखे - गायत्री परिवार

श्री शील नाथ गुफा धूनी आश्रम टेकरी परिसर में हुआ पौधरोपण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर देश भर में लगातार पौधारोपण का कार्यक्रम चल रहा है इसी कड़ी में शिलनाथ गुफा धूनी आश्रम परिसर टेकरी के आसपास गायत्री परिवार के परिजनों ने बड़ी श्रद्धा एवं उमंग के साथ गायत्री महामंत्र के उच्चारण के साथ पौधारोपण किया

गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह चौधरी ने बताया कि शीलनाथ धूनी गुफा आश्रम के संचालक संत श्री माधवानंद गिरी के नेतृत्व में गायत्री परिवार के सृजन सैनिकों ने बड़ी श्रद्धा एवं उमंग से औषधि, फलदार और छायादार पौधों का रोपण सार्वभौमिक गायत्री महामंत्र का उच्चारण करते हुए किया।

पौधारोपण के दौरान शिलनाथ धूनी गुफा आश्रम के संचालक संत श्री माधवानंद गिरी ने कहा कि ङ्क गायत्री परिवार टेकरी परिसर में विगत कई वर्षों से पौधों का रोपण बड़ी श्रद्धा एवं उमंग से कर रहा है ओर वो पौधे आज पेड़ बनकर छाया प्रदान कर रहे है इस अभियान में गायत्री परिवार का बहुत बड़ा पुरुषार्थ, सेवा, सहयोग समाज को मिल रहा है वही आमजन से अपील की है कि इस वर्षाऋतु में अधिक से अधिक पौधो का रोपण करे जिससे पर्यावरण का संरक्षण हो सके।

आयोजन में युवा प्रकोष्ठ जिला समन्वयक प्रमोद निहाले एवं योगप्रशिक्षक देवकरण कुमावत ने विशेष निवेदन किया कि परिजन इस मौसम में अपने दिवंगत पूर्वजों की स्मृति में पौधों को रोप कर उन्हें जीवंत रूप और साक्षात् रूप में देखे और संरक्षण करे जिससे उन्हें आत्मशांति भी मिलेगी और उनका आशीर्वाद भी प्राप्त होगा और ये सबसे उत्तम कार्य साबित होगा साथ ही अपने जन्मदिवस, विवाहदिवस पर अनिवार्य रूप से पौधे रोपित करे और उन्हें शिशु से वृक्ष के रूप में परिवर्तित करने का संकल्प लेकर प्रकृति माता को अपने कर्तव्यों का बोध कराए पौधरोपण अभियान में गायत्री परिवार के चंद्रिका शर्मा, लक्ष्मण पटेल, मंजू पटेल, उषा कुमावत, कामना पटेल , सचिन पटेल, संगीता हिरवानी, मोहन लाल सोनी, बाबूलाल चौहान, राजेन्द्र मुकाती सहित अनेकों परिजन उपस्थित रहे।

9 साल बाद एक आरोपी को मिली 15 साल सश्रम कारावास व 1.50 लाख अर्थदंड की सजा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2017 के 100 किलोग्राम गांजा तस्करी मामले में विशेष अदालत ने फैसला सुनाया है। शाजापुर की विशेष सत्र न्यायाधीश ने आरोपी नवीन शर्मा निवासी तलेन जिला राजगढ़ को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत दोषी ठहराया। शनिवार को उसे 15 वर्ष के सश्रम कारावास और 1 लाख 50 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई गई। जबकि मामले में फरार दूसरे आरोपी की मौत हो चुकी है।

शासकीय अभिभाषक महेंद्र परमार ने बताया कि 9 सितंबर 2017 को उकावता चैकी थाना सुनेरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद टवेरा कार (एमपी-04-बीसी-2906) से दो व्यक्ति टाट के थैलों में भारी मात्रा में गांजा लेकर शाजापुर से सारंगपुर की ओर जा रहे थे। इस सूचना पर पुलिस ने जलोदा जोड़ एबी रोड पर नाकेबंदी की और संदिग्ध वाहन को रोक लिया। कार रुकते ही एक आरोपी खेतों की ओर भाग गया लेकिन नवीन शर्मा को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में नवीन ने फरार आरोपी की पहचान राजेश उर्फ राजा (निवासी तलेन) के रूप में बताई। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली, जिसमें पीछे रखे तीन टाट के थैलों से कुल 100 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। गांजा जब्त कर नवीन शर्मा के खिलाफ थाना सुनेरा में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। विवेचना पूरी होने के बाद न्यायालय में चालान पेश किया गया था। इस प्रकरण की सुनवाई के दौरान दूसरे आरोपी राजेश उर्फ राजा की मौत हो गई। मध्य प्रदेश शासन की ओर से लोक अभियोजक एवं शासकीय अभिभाषक महेंद्रसिंह परमार ने न्यायालय में तर्क प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि आरोपी भारी मात्रा में मादक पदार्थ की तस्करी कर रहा था, जिससे युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ने और समाज पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ने का खतरा था। अदालत ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और तर्कों को स्वीकार करते हुए नवीन शर्मा को दोषी पाया। उसे 15 वर्ष के सश्रम कारावास और 1.50 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई गई।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में दिशा की बैठक संपन्न, कृषि आधुनिकीकरण और विकास योजनाओं की समीक्षा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति %दिशा% की समीक्षा बैठक कलेक?टर कार्यालय सभाकक्ष देवास में आयोजित की गई। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने देवास जिले के सर्वांगीण विकास, आधुनिक खेती, जल संरक्षण और महिला सशक्तीकरण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अगले पांच वर्षों में जिले में खेती के आधुनिकीकरण की दिशा में निर्णायक कार्य किया जाएगा। इसके तहत कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (आत्मा) और कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) का और अधिक विस्तार किया जाएगा। कृषि तकनीकों को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से 100 और जिले भर से 500 से अधिक किसानों को चिन्हित कर विशेष प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही उन्नत मॉडल किसानों को अन्य समृद्ध कृषि क्षेत्रों का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया जाएगा। किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें फूड प्रोसेसिंग और एकीकृत बागवानी विकास मिशन की योजनाओं से जोड़ा जाएगा। बैठक के दौरान खाद वितरण की स्थिति संतोषजनक पाई गई और केंद्रीय मंत्री ने खाद की कालाबाजारी में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

देवास जिले में महिला सशक्तीकरण की दिशा में %लखपति दीदी% योजना की समीक्षा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश भर की लखपति दीदियों में देवास जिले की महिलाओं का उल्लेखनीय योगदान है। उन्होंने जिले में लखपति दीदियों की संख्या को दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया। स्व-सहायता समूहों के साथ-साथ व्यक्तिगत रूप से महिलाओं को आसान शर्तों पर लोन उपलब्ध कराने के लिए बैंकिंग प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर जोर दिया गया। इसके अलावा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और बागवानी के माध्यम से महिलाओं के क्षमता संवर्धन के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

जिले में जल प्रबंधन और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर देते हुए देवास शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में जल संचयन तथा संरक्षण का व्यापक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए।

तीन दिन बाद शौच का बहाना बनाया, सास और भाभी को धक्का देकर, भागी लूटेरी दुल्हन

2.31 लाख भी ले गई, पीड़ित के मुहबोले जीजा पर लगा आरोप

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक मुंहबोले जीजा ने अपने साले का रिश्ता करवाया था। जिसकी दुल्हन शादी के तीन दिन बाद ही अपने साथ 2.31 लाख लेकर फरार हो गई। उसने शौच जाने का बहाना बनाया और उसके बाद नहीं लौटी। मामले में पीड़ित ने लूटेरी दुल्हन के साथ अपने जीजा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित का आरोप है कि जीजा ने अपने साथियों के साथ मिलकर बिहार की युवती से शादी कराई, लाखों रुपए वसूले और शादी के तीसरे दिन दुल्हन सोने-चांदी के जेवर लेकर फरार हो गई। मामले में कोतवाली पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फिर जीजा ने बताया रिश्ता, हो गई ठगी- 25 वर्षीय कैलाश राजोरिया ने कोतवाली थाने पर शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि उसका रंग सांवला होने के कारण शादी नहीं हो रही थी। इसी का फायदा उठाते हुए उसके राखी बंधन के जीजा अर्जुन गेहलोत और रवि राजोरिया ने बिहार के रोहतास जिले की रहने वाली पूजा कुमारी से शादी कराने का प्रस्ताव दिया। इसके बदले उन्होंने 2 लाख 30 हजार रुपए खर्च होने की बात कही। रिश्तेदार होने के कारण कैलाश और उसके परिवार ने उन पर भरोसा कर लिया। इसके बाद 26 जुलाई को अर्जुन गेहलोत कैलाश और उसके माता-पिता को उज्जैन के चिंतामण गणेश मंदिर ले गया। जहां पहले से सतीश पाटीदार, संजय मंडोवर, पूजा कुमारी और उसकी बहन नंदनी मौजूद थे। बातचीत के बाद उसी दिन मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से शादी करा दी गई। शादी के दौरान अर्जुन गेहलोत ने कैलाश के पिता से 1 लाख 95 हजार रुपए नकद ले लिए। इसके अलावा कैलाश के दोस्त से 11 हजार रुपए आनलाइन ट्रांसफर कराए गए और अगले दिन 25 हजार रुपए नकद भी ले लिए। इस तरह शादी के नाम पर कुल 2 लाख 31 हजार रुपए आरोपियों ने ले लिए।

मां और भाभी को धक्का देकर फरार हो गई दुल्हन- शादी के बाद पूजा कुमारी ससुराल पहुंची। परिवार ने नई बहू का स्वागत करते हुए उसे सोने का मंगलसूत्र और चांदी की कड़ी पहनाई। लेकिन शादी के महज दो दिन बाद 30 जुलाई की सुबह करीब 4 बजे वह शौच जाने का बहाना बनाकर घर से बाहर निकली। शिकायत के मुताबिक बाहर मौजूद सास और भाभी को धक्का देकर वह फरार हो गई। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। आरोप है कि वह सोने का मंगलसूत्र और चांदी की कड़ी भी अपने साथ ले गई।

सभी छह आरोपियों पर केस- पीड़ित कैलाश का आरोप है कि पूजा कुमारी, उसकी बहन नंदनी, सतीश पाटीदार, संजय मंडोवर, राखी बंधन के जीजा अर्जुन गेहलोत और रवि राजोरिया ने पहले से साजिश रचकर फर्जी शादी कराई और लाखों की ठगी की। शिकायत के आधार पर कोतवाली थाना पुलिस ने सभी छह आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) और 61(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

दो आरोपी हिरासत में, पुलिस कर रही पूछताछ- कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि आरोपी अर्जुन गेहलोत और रवि राजोरिया को हिरासत में ले लिया गया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है, ताकि पूरे गिरोह और ठगी की साजिश का खुलासा किया जा सके। पूछताछ के आधार पर जल्द ही शेष आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मोनिका ठाकुर होंगी नगर की नई आरआई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भोपाल पुलिस मुख्यालय ने रक्षित निरीक्षकों (आरआई) की ट्रांसफर लिस्ट जारी की है। इस सूची में शाजापुर जिले में तैनात चार रक्षित निरीक्षकों का तबादला किया गया है, जबकि मोनिका ठाकुर को शाजापुर का नया रक्षित निरीक्षक बनाया गया है। जारी लिस्ट के मुताबिक पुलिस लाइन में तैनात रक्षित निरीक्षक सोनू वर्मा को खरगोन भेजा गया है। शाजापुर ट्रैफिक थाने में पदस्थ रक्षित निरीक्षक रविशंकर वर्मा का तबादला रतलाम ट्रैफिक में किया गया है, वहीं सौरभ सिंह चैहान को आगर मालवा ट्रैफिक थाने की जिम्मेदारी मिली है। इसके अलावा, रक्षित निरीक्षक सीमा मौर्य को उज्जैन ट्रैफिक में तैनात किया गया है। इसी तबादला सूची में रतलाम ट्रैफिक में तैनात रक्षित निरीक्षक मोनिका ठाकुर का ट्रांसफर शाजापुर किया गया है। जिन्हें तुरंत अपनी नई जगह पहुंचकर प्रभार संभालने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिले में नए अफसरों की तैनाती से पुलिस के कामकाज और व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

महादेव के मनोहारी स्वरूप को निहारने लगी भीड़

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण माह शिवजी का प्रिय माह होता है। इस महीने में महादेव के भक्तों में अलग ही उत्साह नजर आता है और प्रतिदिन उनका विशेष अभिषेक व श्रृंगार किया जाता है। नगर के धानमंडी स्थित श्री ओंकारेश्वर महादेव मंदिर में भी इन दिनों भक्तों की भीड़ नजर आ रही है जो पुजारी द्वारा किए जा रहे महादेव के आकर्षक श्रृंगार और महादेव के स्वरूप को निहारने मंदिर पहुंच रहे हैं। श्रावण के तीसरे दिन शनिवार को भी मंदिर में शाम तक भक्तों का तांता लगा रहा।

शहर काज़ी नोमान अहमद अशरफ़ी को सिलसिला-ए-तरीकत की खिलाफत प्रदान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व इस्लामिक स्कॉलर हज़रत सैयद सगीर अशरफ़ अशरफ़ी जिलानी किबला अपने फरज़ंद हज़रत सैयद अहमद अशरफ़ अशरफ़ी जिलानी हुसैनी मियां के साथ देवास प्रवास पर हैं। वे 1 अगस्त को अमन गार्डन में आयोजित याद-ए-शहीद-ए-कर्बला व उर्स-ए-मखदूमे सिमना तकरीरी जलसे को संबोधित करेंगे। प्रवास के दौरान उन्होंने इंदिरा नगर स्थित मस्जिद फारूखे आज़म में जुमे की नमाज़ में शिरकत की। अपने बयान में उन्होंने अल्लाह से मोहब्बत, दरूद शरीफ की कसरत और कठिन परिस्थितियों में धैर्य एवं ईमान बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इंसान को हर परेशानी में अल्लाह पर भरोसा रखना चाहिए, वही सभी मुश्किलों को दूर करने वाला है। इसके बाद शहर काज़ी नोमान अहमद अशरफ़ी ने जुमे का खुतबा और नमाज़ अदा कराई। नमाज़ के पश्चात हज़रत सैयद सगीर अशरफ़ अशरफ़ी जिलानी ने घोषणा करते हुए शहर काज़ी नोमान अहमद अशरफ़ी को सिलसिला-ए-तरीकत की खिलाफत एवं इजाज़त प्रदान की। सिलसिलऐ आलिया अशरफ़ीया चिश्तीया निज़ामीया की ख़लिफ़तो इजाज़त से नवाज़ा व ताजपोशी फ़रमाई और सनद अता की। उन्होंने अपने हाथों से अशरफ़ी ताज पहनाकर सनद भेंट की और बुजुर्गों की परंपरा के अनुसार दीन की खिदमत की जिम्मेदारी सौंपी। इस अवसर पर मजलिस-ए-बरकाते अशरफ़, देवास की ओर से उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मौजूद, लोगों ने और दिगर आवाम ने इस रूहानी मौके पर खुशी का इज़हार किया। बताया गया कि शहर काज़ी नोमान अहमद अशरफ़ी, मरहूम काज़ी इरफ़ान अहमद अशरफ़ी के सुपुत्र एवं काज़ी निसार अहमद के पौत्र हैं। उन्हें हाफिज़-ए-कुरआन होने के साथ दीनी और सामाजिक शिक्षा भी प्राप्त है। वे समाज में अमन, भाईचारा और सूफी परंपरा के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय हैं।

नही चले फैंसी और वीआईपी स्टीकर, पुलिस ने उतारी गाड़ियों की काली फिल्म

नगर में शुरू हुआ अभियान, 30 वाहन चालकों के खिलाफ की कार्रवाई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। वीआईपी, फैंसी स्टीकर, काल फिल्म, प्रेस, पुलिस लिखे स्टीकर अब नहीं चलेंगे। इसके लिए शनिवार से 10 दिनी अभियान शुरू हो चुका है। पहले दिन यातायात पुलिस सहित जिले भर की पुलिस ने इस कार्रवाई के अंतर्गत सड़क पर उतरकर ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। जिनकी काली फिल्म उतारने के साथ ही इनके खिलाफ चालानी कार्रवाई भी की।

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर शाजापुर जिले में शनिवार से विशेष वाहन चेकिंग अभियान शुरू हो गया है। अभियान के पहले दिन यातायात पुलिस ने अनाधिकृत वीआईपी स्टीकर, फैंसी नंबर प्लेट और अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले करीब 30 वाहनों पर कार्रवाई की। दोपहर 3 बजे तक की गई इस कार्रवाई में ऐसे वाहन शामिल थे जिन पर वीआईपी, गवर्नमेंट, प्रेस, पुलिस या एडवोकेट जैसे अनाधिकृत स्टीकर लगे थे। पुलिस ने मौके पर ही इन स्टीकरों को हटवाया और संबंधित वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की। इस दौरान कुछ वाहन चालकों ने बहस भी की, लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ और पुलिस की यह कार्रवाई शाम तक जारी रही।

10 तक बरती जाएगी सख्ती, आगे भी जारी रहेगा अभियान- यह अभियान 1 से 10 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान हूटर, सायरन, प्रेशर हार्न, फ्लैश लाइट, अमानक नंबर प्लेट और चार पहिया वाहनों के शीशों पर लगी अवैध ब्लैक फिल्म की भी जांच की जा रही है। यातायात पुलिस के साथ जिले के सभी थाना पुलिस बल भी इस संयुक्त कार्रवाई में शामिल हैं। केवल 10 अगस्त तक ही नहीं बल्कि समय-समय पर अधिकारियों द्वारा इसे लेकर लगातार कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने की अपील, खुद हटा लें प्रतिबंधित सामग्री- पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों से अनाधिकृत हूटर, स्टीकर, ब्लैक फिल्म और अन्य प्रतिबंधित सामग्री स्वयं हटा लें। उन्होंने हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग तथा ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी, बीमा और पीयूसी जैसे सभी आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखने की भी सलाह दी है, ताकि कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके।

श्री दामोदर वंशीय जून गुजराती दर्जी समाज देवास द्वारा संचालित ट्रस्ट के माध्यम से समाज की प्रतिभाओ का किया सम्मान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री दामोदर वंशीय जूना गुजराती दर्जी समाज की बहू डॉक्टर नेहा पुनीत परिहार ने मैथमेटिक्स में पी एच डी कर डॉक्टर की उपाधि ली तो समाज की बेटी शगुन पिता राकेश परिहार का आईआईएम कॉलेज इंदौर में चयन हुआ, गीतांजलि पिता वीरेंद्र सोलंकी ने कथक नृत्य में मथुरा में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया तो मनोज चौहान ने मार्शल आर्ट टेंडिग में दो पुरस्कार प्राप्त किये।

साथ ही आश्रय पिता प्रमोद सोलंकी ने जेईई में 94. प्रतिशत अंक प्राप्त कर जी एस टी आई एस कॉलेज में एडमिशन प्राप्त किया। इन सबको समाज द्वारा पुरस्कृत करने के साथ ही वर्ष 2025-26 में कक्षा पहली से बारहवीं तक 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के 72 छात्र एवं छात्राओं को प्राप्त अंक सूची के आधार पर प्रावीण्य सूची तैयार कर प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार के साथ ही शेष बच्चों को भी प्रोत्साहन स्वरूप शील्ड एवं प्रमाण सामाजिक संगठन श्रीमान 35/55 के सौजन्य से प्रदान किये गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त, साहित्यकार एवं राष्ट्रीय कवि देवकृष्ण व्यास थे, विशेष अतिथि अजय सोलंकी प्रभारी बीईओ थे। कार्यक्रम की शुरुवात अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर समाज के आराध्य संत श्री श्री 1008श्री गुरु टेकचंद जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। अतिथि परिचय एवं गुरु श्री टेकचंद जी द्वारा 215 वर्ष पूर्व कड़छा में जीवित समाधि लेने के संबंध में जानकारी ट्रस्ट अध्यक्ष द्वारा दी गई। ट्रस्ट संरक्षको सहित अध्यक्ष एवम् संपूर्ण कार्यकारणी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद समाज द्वारा विगत दो वर्षों से चलाए जा रहे झूठा मत छोड़ो अभियान के तहत बच्चों द्वारा पोस्टर के माध्यम से उपस्थित सभी समाज जनों को संदेश देकर झूठा नहीं छोड़ने की अपील की। मुख्य अतिथि देवकृष्ण व्यास द्वारा कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कविता के माध्यम से समाज के बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए पढ़ाई के साथ ही अपने संस्कारों को कभी नहीं भूलना चाहिए और अंग्रेजी पढ़ो या हिंदी पर देश हित मे सोच रख देश से लेकर विदेशों में स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को पालन करना चाहिए। अजय सोलंकी ने कहा कि बच्चों को मन लगाकर मेहनत से पढ़ाई करने के साथ साथ संस्कारों को याद रखना चाहिए और अंत मै एक गीत मांझी चल ओ मांझी चल तू चले तो छम छम बाजे मौजों की पायल ..ओ मांझी चल....सुना कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। अतिथियों को ट्रस्ट द्वारा मेमेंटो प्रदान किया।

आसमान पर बादलों के घेरे, फिर भी नहीं बरस रहे सावन के सेरे

श्रावण माह में भी सूखा शहर, बादलों में घमासान, नगर में हो रही खंड वर्षा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरवासी आसमान ताक रहे हैं। जिन पर बादलों का घेरा है लेकिन ये बादल केवल मुंह दिखाई की रस्म अदा कर नगर को अंगूठा दिखाकर लौट रहे हैं ओर नगरवासी खाली हाथ हैं। श्रावण माह शुरू हो चुका है लेकिन अब तक सावन के सेरे नजर नहीं आ रहे हैं। नगर में वर्षा तो हो रही है लेकिन वह भी रिमझीम से ज्यादा नहीं बरस रही है जिससे राहत कम और उमस ज्यादा बढ़ रही है।

शनिवार को भी नगर में सुबह से बारिश का दौर तो शुरू हुआ लेकिन रिमझीम बारिश से ज्यादा नगरवासियों के हिस्से में कुछ नहीं आया। इससे मौसम में भी फोरी राहत घुली और बारिश थमते ही फिर गर्मी व उमस से लोगों का बुरा हाल होने लगा। दोपहर में भी कुछ देर के लिए हल्की बारिश हुई। इसके बाद धूप तो नहीं खिली लेकिन आसमान पर बादलों का डेरा होने और हवाएं न चलने के कारण लोगों को दिनभर पंखे व कूलर के सहारे दिन गुजारना पड़ा। इस दिन अधिकतम तापमान 30.8 व न्यूनतम तापमान 23.7 डिग्री दर्ज किया गया।

आज रात को बारिश की संभावना, फिर मौसम साफ

मौसम विभाग ने भी बारिश की संभावना को लेकर कहा है कि शनिवार रात को ही बारिश की संभावना ज्यादा है। इसके बाद कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद आगामी 7 दिनों तक बारिश की कोई संभावना नहीं है। इसके बाद यदि कोई सिस्टम बनता है तो शहर में बारिश हो सकती है जिसके बारे में भी अभी कुछ स्पष्ट नहीं कहा जा सकता। मौसम विभाग की इस भविष्यवाणी ने नगरवासियों को और चिंतित कर दिया है।

करोड़ों की जमीन का घोटाला: तहसीलदार का 'बचाव खेल' या सच्चाई से भागने की कोशिश?

पटवारी पर ठीकरा फोड़कर क्या बच पाएगा राजस्व विभाग?

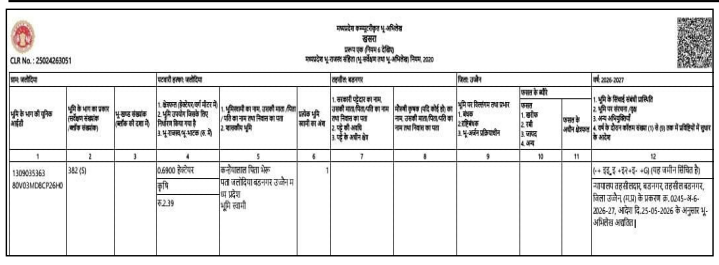

मध्यप्रदेश कम्प्यूटरीकृत भू-अभिलेख
खसरा
प्ररूप एक (नियम 6 देखिए)
मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता (भू-सर्वेक्षण तथा भू-अभिलेख) नियम, 2020
CLR No. : 25024263051

ग्राम: जलोदिया | पटवारी हल्का: जलोदिया | तहसील: बड़नगर | जिला: उज्जैन | वर्ष: 2026-2027

भूमि के भाग की यूनिक आईडी	भूमि के भाग का प्रकार (सर्वेक्षण संख्यांक /ब्लॉक संख्यांक)	भू-खण्ड संख्यांक (ब्लॉक की दशा में)	1. क्षेत्रफल (हेक्टेयर/वर्ग मीटर में) 2. भूमि उपयोग जिसके लिए निर्धारण किया गया है 3. भू-राजस्व/भू-भाटक (रु. में)	1. भूमिस्वामी का नाम, उसकी माता /पिता / पति का नाम तथा निवास का पता 2. शासकीय भूमि	प्रत्येक भूमि स्वामी का अंश	1. सरकारी पट्टेदार का नाम, उसकी माता/पिता/पति का नाम तथा निवास का पता 2. पट्टे की अवधि 3. पट्टे के अधीन क्षेत्र	मौरूसी कृषक (यदि कोई हो) का नाम, उसकी माता/पिता/पति का नाम तथा निवास का पता	भूमि पर विल्लंगम तथा प्रभार 1. बंधक 2. दृष्टिबंधक 3. भू-अर्जन प्रक्रियाधीन	फसल के ब्यौरे: फसल 1. खरीफ 2. रबी 3. जायद 4. अन्य	फसल के अधीन क्षेत्रफल	1. भूमि के सिंचाई संबंधी प्रास्थिति 2. भूमि पर संरचना /वृक्ष 3. अन्य अभियुक्तियाँ 4. वर्ष के दौरान कॉलम संख्या (1) से (9) तक में प्रविष्टियों में सुधार के आदेश
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1309035363 80V03MD8CP26H0	382 (S)		0.6900 हेक्टेयर; कृषि; रु.2.39	कन्हैयालाल पिता भेरू पता जलोदिया बड़नगर उज्जैन मध्य प्रदेश; भूमि स्वामी	1						(-+ इइ_इ +इर+इ- +G) (यह जमीन सिंचित है); न्यायालय तहसीलदार, बड़नगर, तहसील बड़नगर, जिला उज्जैन (म.प्र) के प्रकरण क्र. 0245-अ-6-2026-27, आदेश दि.25-05-2026 के अनुसार भू-अभिलेख अद्यतित।

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। ग्राम जलोदिया में करोड़ों की कृषि भूमि के फर्जी फौती नामांतरण का मामला अब सिर्फ एक गड़बड़ी नहीं, बल्कि पूरे राजस्व तंत्र पर बड़ा सवाल बनकर खड़ा हो गया है। दत्तात्रेय पिता रघुनाथ ब्राह्मण की जमीन को कन्हैयालाल पिता भेराजी बलाई के नाम दर्ज करने का मामला जब उजागर हुआ, तो प्रदेश स्तर तक हड़कंप मच गया। लेकिन अब इस पूरे मामले में नया ÷पैंतरा÷ सामने आया है। सूत्रों के अनुसार तहसीलदार ने खुद को बचाने के लिए पूरा दोष पटवारी पर डालते हुए पुलिस थाना बड़नगर में आवेदन दे दिया है। दावा किया गया है कि पटवारी ने उन्हें गुमराह कर दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा लिए।

बड़ा सवाल– क्या तहसीलदार सिर्फ नाम के अधिकारी हैं?

क्या करोड़ों की जमीन के दस्तावेज बिना जांचे-परखे आंख बंद करके साइन कर दिए जाते हैं?

अगर हां, तो फिर पूरे राजस्व विभाग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होना लाजिमी है! जानकारी के अनुसार तहसील में कई वैध नामांतरण प्रकरण महीनों से लंबित पड़े हैं और हस्ताक्षर का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन इसी कथित फर्जी मामले में एक ही दिन में फाइल निपटाना क्या किसी ÷विशेष रुचि÷ की ओर इशारा नहीं करता?

अन्य काम में ढिलाई और फर्जी काम में तेजी क्यों?

चर्चा यह भी है कि तहसीलदार रुपाली जैन अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए पटवारी को बलि का बकरा बना रही हैं। जबकि हकीकत यह है कि बिना तहसीलदार की जानकारी और अनुमति के इतना बड़ा फर्जीवाड़ा संभव ही नहीं माना जा रहा। राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर पहले से ही सवाल उठते रहे हैं—कहीं आदेश लागू नहीं होते, तो कहीं फाइलें महीनों धूल खाती रहती हैं। लेकिन जब मामला करोड़ों की जमीन का आया, तो फाइल ने रफ्तार पकड़ ली—आखिर क्यों?

क्या यह सिर्फ लापरवाही है या फिर सुनियोजित खेल- क्या बड़े अधिकारियों तक सच्चाई पहुंचेगी या फिर छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर मामला दबा दिया जाएगा? *फिलहाल यह मामला जिला से लेकर प्रदेश स्तर तक जांच के दायरे में है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच निष्पक्ष होगी या फिर जिम्मेदारों को बचाने का खेल जारी रहेगा।

शासकीय संजय निकुंज नर्सरी के वसुनिया विदाई समारोह के साथ सेवानिवृत्त

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उद्यानिकी विभाग में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले श्री लक्ष्मण सिंह वसुनिया 31 जुलाई को अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गए। वह कई वर्षों से शासकीय संजय निकुंज नर्सरी, बदनावर में पदस्थ थे। उद्यानिकी विभाग द्वारा विदाई समारोह का आयोजन कर उनके उत्कृष्ट कार्य और दीर्घकालिक योगदान की सराहना की गई तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई।विभाग द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के बाद विदाई जुलूस बदनावर नगर के मुख्य मार्गो से धूमधाम से होते हुए उनके निवास ग्राम मांगलिया पहुंचा। इस दौरान दोहरा उत्सव देखने को मिला, क्योंकि हाल ही में उनके पुत्र राकेश वसुनिया की कृषि विस्तार अधिकारी से कृषि विकास अधिकारी के पद पर पदोन्नत होने पर उनका भी विशेष सम्मान किया गया।इस अवसर पर आदिवासी समाज की ओर से श्री कुलदीप मुनिया द्वारा श्री वसुनिया को जननायक भगवान टंट्या मामा की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से धार उद्यानिकी विभाग के उप संचालक श्री नीरज सावलिया, बदनावर से रुचि पाटीदार, महेश वास्केल, दिलीप डामर सहित समस्त विभागीय स्टाफ उपस्थित रहा। समारोह में उपस्थित समाज जनों, वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, इष्ट मित्रों और परिवार के सदस्यों ने श्री वसुनिया के दीर्घायु होने, सदैव स्वस्थ रहने एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में उनके पुत्र राकेश वसुनिया ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

बाप्चा धाम सरकार का सलसलाई नगर में भव्य स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आष्टा क्षेत्र के प्रसिद्ध बाप्चा धाम सरकार के महंत का शुक्रवार को शाजापुर जिले के ग्राम दास्ताखेड़ी एवं आसपास के क्षेत्रों के भ्रमण के दौरान सलसलाई नगर में भव्य स्वागत किया गया। जानकारी के अनुसार, महंत जी पहले ग्राम दास्ताखेड़ी पहुंचे, जहां उनका श्रद्धालुओं द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात वे गोलाना होते हुए सलसलाई बस स्टैंड स्थित अखंड हिंदू युवा संगठन के जिला अध्यक्ष हेमंत मेवाड़ा के नव-स्थापित कार्यालय पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने साफा बांधकर, भगवा दुपट्टा ओढ़ाकर एवं पुष्पमालाओं से उनका स्वागत किया तथा चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सीहोर जिले के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह ठाकुर, जुझार सिंह राजपूत (कालापीपल) सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा नेता प्रकाश मेवाड़ा, हेमंत मेवाड़ा, लखन आचार्य, अमर सिंह मेवाड़ा, रोशन मेवाड़ा एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने गुरु महाराज का स्वागत कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। करीब 20 मिनट तक कार्यालय में कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं से भेंट करने के पश्चात बाप्चा धाम सरकार के महंत अपने आष्टा स्थित धाम के लिए रवाना हो गए।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत 12 बच्चों की निःशुल्क सर्जरी होगी

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला बड़वानी के कुशल मार्गदर्शन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत लाहोटी अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर भोपाल एवं दंत विभाग जिला चिकित्सालय बड़वानी के सहयोग से जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र, जिला चिकित्सालय बड़वानी में 1 अगस्त को कटे होंठ, फटे तालू एवं हर्निया से ग्रसित बच्चों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। आरबीएसके मोबाइल हेल्थ टीम द्वारा डिलीवरी प्वाइंट, आंगनवाडी एवं स्कूल स्तर से चिन्हांकित 25 बच्चों ने शिविर में सहभागिता दी। लाहोटी अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर भोपाल के डॉ. निशांत गिरासे एवं एनओएचपी नोडल डॉ भरत रावत सर्जन द्वारा 12 बच्चों (कटे होंठ एवं फटे तालू) का परीक्षण कर ÷इस्माइल ट्रेन÷ के अंतर्गत सर्जरी हेतु चिन्हित किया । शेष बच्चों की हर्निया, न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट एवं अन्य सर्जरी आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत की जाएगी। 10 बच्चों को पुनः फॉलोअप हेतु बुलाया जाएगा। कटे होंठ एवं एंड फटे तालु का एक बच्चा कलेक्टर द्वारा आयोजित दुर्गम एवं पहुंचविहीन पाटी क्षेत्र में ग्रीन कमांडो अभियान के अंतर्गत स्क्रीनिंग किया गया था, जिसकी सर्जरी भी उक्त अस्पताल में की जाएगी उक्त अस्पताल द्वारा सभी सर्जरी पूर्णतः निःशुल्क की जाएंगी। सर्जरी में प्रयुक्त दवाइयाँ भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही बच्चों एवं उनके परिजनों के लिए आने-जाने हेतु निःशुल्क परिवहन सुविधा भी प्रदान की गई। शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन, जिला टीकाकरण अधिकारी आदी।

40 वर्षों की अविरल सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए प्रधान पाठक सुखदेव सोलंकी

ग्रामवासियों ने भावभीनी विदाई दी, सोलंकी ने गोशाला व विद्यालय को दी 21,000 की सहयोग राशि

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय प्राथमिक विद्यालय, बुकड़ावदा खेड़ी के शाला प्रधान सुखदेव सोलंकी का सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिसर में ग्रामवासियों द्वारा एक भव्य सम्मान एवं भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इस अवसर पर स्नेह भोज का भी आयोजन हुआ, जिसमें पूरा गाँव अपने प्रिय शिक्षक को विदाई देने उमड़ पड़ा। सोलंकी ने शिक्षा जगत में लगभग 40 वर्षों तक अपनी उत्कृष्ट सेवाएँ दीं, जिनमें से अंतिम 25 वर्ष उन्होंने लगातार बुकड़ावदा खेड़ी के बच्चों का भविष्य संवारने में समर्पित किए।

समारोह की शुरुआत में ग्रामवासियों ने ढोल-धमाकों और बैंड-बाजों के साथ सोलंकी का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके पश्चात उन्हें ससम्मान नगर भ्रमण कराते हुए स्थानीय मंदिर में दर्शन कराए गए, जहाँ उन्होंने सुख-समृद्धि की कामना की। सेवानिवृत्ति के इस ऐतिहासिक क्षण को स्मरणीय बनाते हुए सुखदेव सोलंकी ने अपनी ओर से सामाजिक व धार्मिक कार्यों हेतु ?21,000 की दान राशि भेंट की, जिसमें गोशाला बोराली को 11,000, बाबा रामदेव भंडारा कार्यक्रम घटगारा 5,000, शासकीय प्राथमिक विद्यालय बुकड़ावदा खेड़ी 5,000 की सहयोग राशि प्रदान कर समाजसेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता गोशाला बोराली के अध्यक्ष जसवंत सिंह पवार ने की। मुख्य अतिथि के रूप में बदनावर बीआरसीसी देवनारायण गुजराती एवं सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य रियाजुद्दीन शेख उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में हाई स्कूल बोराली की प्राचार्या श्रीमती नर्मदा अजवेल तथा सेवानिवृत्त शिक्षक गंगाराम सोयल कंकराज ने मंच साझा किया। अतिथियों ने सोलंकी के सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

आयोजन को सफल बनाने में करण सिंह चौधरी, दिलीप सिंह चौधरी, संदीप सिंह पवार, राजेंद्र सिंह पवार, रविंद्र सिंह पवार, तूफान सिंह पवार एवं कैलाश चौकीदार सहित समस्त ग्रामवासियों का विशेष योगदान रहा। समारोह में मुकेश पुरोहित, जितेंद्र रावल, नरेंद्र चौहान, नवीन शर्मा, कमलेश पाटीदार, मुकेश रिंगनोदिया, संजय राठौड़, राजेश द्विवेदी, कैलाश पवार, विक्रम सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, शिक्षक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन प्राथमिक शिक्षिका श्रीमती कला बघेल एवं भाय सिंह बघेल द्वारा किया गया। मंच संचालन व्याख्याता प्रदीप पांडेय ने किया। अंत में नारायण चौधरी ने पधारे हुए सभी अतिथियों, ग्रामीणों एवं सहयोगियों का सहृदय आभार व्यक्त किया।

बारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन एक साथ श्री कुबरेश्वर धाम महादेव मंदिर आलोट

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट नगर के प्रसिद्ध स्थल श्री कुबरेश्वर धाम महादेव मंदिर आलोट पर समिति द्वारा सावन माह में विषेश रूप से प्रतिदिन शाम को सात बजे महा आरती एवं महाप्रसादी वितरण कि जा रही हे वही श्री कुबरेश्वर धाम महादेव मंदिर प्रांगण पर सभी शिवालयों के दर्शन एक साथ हो सके जो बारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन को ना जा सके वह यहां एक साथ मंदिर में आकर कर मन के भाव से दर्शन कर सकता हे समिति द्वारा सावन के प्रति सोमवार को विशेष रूप से भगवान श्री कुबरेश्वर धाम महादेव का आकृषक श्रंगार किया जावेगा व महा आरती होगी जिसमें प्रसिद्ध कथा वाचक पं अजय कृष्ण जी शर्मा गुलबालोद के सानिध्य में होगी समिति द्वारा सावन में सभी भक्तों से निवेदन किया गया की अधिक से अधिक संख्या में पधार कर धर्म लाभ ले सावन में मंदिर समिति द्वारा विषेश रूप से बच्चों के लिए झूले फिसल पट्टी लगाई गई है और बच्चों के साथ सभी भक्तों को मनमोहने वाली सेल्फी पाइंट भी बनाए गए हैं।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया कामधेनु गौ अभ्यारण्य सालरिया का निरीक्षण

गौ पूजन एवं पौधरोपण कर गौ संरक्षण की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना एवं पुलिस अधीक्षक श्री दिलीप कुमार सोनी ने शनिवार को सुसनेर विकासखंड स्थित कामधेनु गौ अभ्यारण्य, सालरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने विधि-विधान से गौ पूजन किया और अभ्यारण्य परिसर में पौधरोपण भी किया।

इस मौके पर श्री गौधाम महातीर्थ पथमेड़ा लोक पुण्यार्थ न्यास के प्रतिनिधियों ने कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया । उपसंचालक पशुपालन पशु पालन श्री एमएल जारोलिया ने बताया कि कामधेनु गौ अभ्यारण्य मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्थापित है तथा इसका संचालन श्री गौधाम महातीर्थ पथमेड़ा लोक पुण्यार्थ न्यास द्वारा किया जा रहा है। साथ ही गौ अभ्यारण्य की विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी दी ।

श्री गौधाम महातीर्थ पथमेड़ा लोक पुण्यार्थ न्यास के प्रबंधक पूनम सिंह चौहान ने बताया कि अभ्यारण्य में लगभग 7 हजार से अधिक मालवी नस्ल के गौवंश का संरक्षण एवं पालन-पोषण किया जा रहा है। गौवंश के लिए 24 गौशेड निर्मित हैं, जिनमें मौसम के अनुरूप सुरक्षित आवास उपलब्ध कराया गया है। गोवंशों के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसे का भंडारण भी किया गया है।

कलेक्टर ने गौ शेडों एवं भूसा भंडार गृह का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने दुर्घटनाग्रस्त गौवंश के उपचार केंद्र का भी निरीक्षण किया तथा उपचार एवं देखभाल की व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर अवगत कराया कि दुर्घटनाग्रस्त गौवंश को विशेष लिफ्ट वाहन के माध्यम से सुरक्षित रूप से गौ अभ्यारण्य लाकर उपचार उपलब्ध कराया जाता है। उपचार उपरांत उनके संरक्षण एवं देखभाल की समुचित व्यवस्था भी अभ्यारण्य में की जाती है।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री बी.एस. सोलंकी, एसडीम सुसनेर श्रीमती देवकुंवर सोलंकी, पशुपालन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा श्री गौधाम महातीर्थ पथमेड़ा लोक पुण्यार्थ न्यास के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

तिस साल की सेवा कर सेवानिवृत हुए अशोक राव कदम

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माध्यमिक विद्यालय गूराडीया में शिक्षा विभाग में अपनी सैवा दे रहे अशोक राव कदम का स्वागत कर विदाई दी गई साथ ही आलोट के सांदिपनी विद्यालय आलोट में भी समस्त स्टाफ द्वारा अशोक राव कदम का साल श्री फल से सम्मानित किया माध्यमिक विद्यालय गुराडिया में 30 साल से सेवा दे रहे अशोक राव कदम का दिनांक 31 जुलाई को रिटायरमेंट हो गया जिनका शिक्षा विभाग के कर्मचारियों द्वारा सम्मान किया गया वहीं ग्रामीण जिन्होंने भी कर के उज्जवल भविष्य की कामनाएं की प्राथमिक विद्यालय क्रमांक 2आलोट , शासकीय कन्या हाई स्कूल आलोट में शिक्षा विभाग के शिक्षकों द्वारा अशोक राव कदम का सम्मान किया गया सरल और सहज अशोक राव कदम का शिक्षा विभाग में बड़ा योगदान रहा है बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार और शिक्षा विभाग में एक जाना पहचाना नाम माना जाता था आज 31 जुलाई को सेवानिवृत होकर अशोक राव कदम में सभी इस मित्रों का आभार माना शिक्षा विभाग के महेंद्र सिंह पवार कपिलेंद्र निगम आनंद चावला शंभू लाल जी गहलोत जितेंद्र सिंह सोलंकी कैलाश परमार सलीम खान सहित कई वरिष्ठ जन्म शिक्षा उपस्थित रहे।

स्व. दिलीप जी नवलखा की पुण्यतिथि पर गौसेवा कर दी श्रद्धांजलि

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्व. श्री दिलीप जी नवलखा की आठवीं पुण्यतिथि के अवसर पर आदिनाथ ग्रुप द्वारा स्थानीय गौशाला में गौसेवा कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर गौमाताओं को हरा चारा, गुड़ एवं पौष्टिक पशु आहार वितरित किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने स्व.दिलीप नवलखा जी के समाजसेवा, मानवीय मूल्यों एवं सेवा भाव को स्मरण करते हुए उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया तथा उनकी पुण्य स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

गौसेवा कार्यक्रम में चमन जी सोनी, निलेश जी बच्छावत, निलेश जी सोगानी, सिद्धार्थ नवलखा,दीपक नवलखा,प्रद्युम्न सोनागरा, रोमिल चौपड़ा,सुमति चोपड़ा पलाश धारिवाल, जय चौपड़ा, अंतिम जोशी, पंकज सोनी, हिमांशु उपाध्याय, रवि सोलंकी, रामलाल वर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा परिवार को यह वियोग सहने की शक्ति दें। कार्यक्रम का समापन गौसेवा एवं श्रद्धांजलि अर्पण के साथ हुआ।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक खरगोन ने सहकारिता के क्षेत्र में पुनः रचा नया कीर्तिमान

उपार्जन, डिपाजिट, लाभ, खाद वितरण, ऋण वसूली में प्रदेशभर में अग्रणी प्रदर्शन

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, खरगोन ने सहकारिता एवं किसान हितैषी सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित करते हुए प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। बैंक द्वारा रबी उपार्जन, रासायनिक खाद वितरण, ई-विकास पोर्टल के सफल संचालन तथा कृषि ऋण वितरण एवं वसूली में उत्कृष्ट कार्य किया गया है, जिससे लाखों किसानों को शासन की शुन्य प्रतिषत ब्याज योजना का समय पर लाभ प्राप्त हुआ है। वर्ष 2025-26 के दौरान बैंक अमनातों में गत वर्ष की तुलना में 25928.16 लाख की वृद्धि हुई हैं इसी प्रकार बैंक का सकल लाभ गत वर्ष 3088.02 लाख था और इस वर्ष बैंक का सकल लाभ 5065.83 लाख हुआ है। बैंक का शुद्ध लाभ गत वर्ष 31.03.2025 पर 403.91 लाख हुआ एवं इस वर्ष 31.03.2026 पर 1758. 83 लाख का लाभ अर्जित किया है। बैंक का एनपीए भी 31.03.2026 पर गत वर्ष से 0.58 प्रतिषत कम हुआ है। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में खरगोन एवं बडवानी जिले के 29 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 13193 किसानों से 777549.90 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन कर किसानों को रू 20410.68 करोड़ से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। इसी प्रकार 4,415 किसानों से 14,277.75 मीट्रिक टन चना का उपार्जन कर रू.83.88 करोड़ का भुगतान भी सफलतापूर्वक किया गया।

बैंक से संबद्ध खरगोन एवं बडवानी जिले की 182 बहुउद्देषीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से वर्ष 2025-26 में 3,03,799 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का भंडारण तथा 2,21, 423 मीट्रिक टन खाद का वितरण किया गया है। इससे किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जा सका है। राज्य शासन द्वारा लागू ई-विकास पोर्टल के माध्यम से खाद वितरण व्यवस्था को पूर्णतः पारदर्शी एवं वैज्ञानिक बनाया गया है। किसानों को उनकी पात्रता एवं फसल क्षेत्र के अनुसार ऑनलाइन टोकन जारी किए जा रहे हैं, जिससे अनावश्यक भीड़ एवं प्रतीक्षा समाप्त हुई है और किसानों को सुगमता से खाद उपलब्ध हो रही है। कृषि ऋण वितरण एवं वसूली के क्षेत्र में भी बैंक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। बैंक से संबद्ध खरगोन एवं बड़वानी जिले की 182 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को फसल ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है तथा वर्ष के दौरान ऋण वसूली भी 76.79 प्रतिषत की जाकर गत वर्ष की तुलना में 0.32 प्रतिषत अधिक वसूली प्राप्त कर बैंक ने प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक वसूली करने वाला जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बनने का गौरव प्राप्त किया है। यह उपलब्धि खरगोन एवं बड़वानी जिले की सहकारिता व्यवस्था एवं किसानों के विश्वास का प्रमाण है।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक खरगोन की मुख्य कार्यपालन अधिकारी संध्या रोकड़े ने चर्चा में अवगत कराया गया है की हम शासन, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं भोपाल, अपेक्स बैंक भोपाल एवं सयुंक्त आयुक्त सहकारिता व बैंक प्रशासक श्री बी एल मकवाना जी के निर्देशन में किसानों को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है तथा सह कारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहें है। उक्त जानकारी संध्या रोकडे प्र.मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, खरगोन द्वारा जारी कि गई।

विश्व स्तनपान सप्ताह पर मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया का संदेश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व स्तनपान सप्ताह (1 से 7 अगस्त 2026) के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने माताओं, बहनों एवं परिवारजनों को शुभकामनाएँ देते हुए स्तनपान को शिशु के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की आधारशिला बताया।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि माँ का दूध शिशु के लिए प्रकृति का सबसे अनमोल उपहार है। यह उसका पहला, संपूर्ण एवं सर्वोत्तम आहार है, जो जन्म के साथ ही उसे स्वस्थ जीवन की मजबूत शुरुआत प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नवजात को जन्म के पहले एक घंटे के भीतर स्तनपान कराना तथा जन्म से छह माह तक केवल माँ का दूध देना उसके शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि छह माह की आयु पूर्ण होने के बाद शिशु को घर का बना पौष्टिक पूरक आहार अवश्य प्रारंभ किया जाए, लेकिन कम से कम दो वर्ष तक स्तनपान जारी रखा जाए। इससे बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, संक्रमण का खतरा कम होता है तथा उसके समग्र विकास को मजबूती मिलती है।

सुश्री भूरिया ने कहा कि स्तनपान केवल शिशु के लिए ही नहीं, बल्कि माताओं के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। यह माँ और शिशु के बीच स्नेह, विश्वास एवं भावनात्मक जुड़ाव को और अधिक मजबूत बनाता है। उन्होंने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेश के आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण, स्तनपान एवं शिशु देखभाल संबंधी नियमित परामर्श एवं आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

बड़ावदा नगर परिषद अध्यक्ष पति राजेंद्र कुमावत पर लगाए कर्मचारी ने 1.50 लाख कि रिश्वत का आरोप

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़ावदा नगर परिषद इन दिनों लगातार विवादों के केंद्र में बनी हुई है। हाल ही में सत्ता पक्ष की एक सभापति द्वारा इस्तीफा देकर अध्यक्ष प्रतिनिधि पर गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद अब एक और मामला सामने आया है।

इस बार नगर परिषद अध्यक्ष के पति एवं सांसद प्रतिनिधि राजेंद्र कुमावत पर नगर परिषद कर्मचारियों ने पदोन्नति के एवज में कथित रूप से प्रति कर्मचारी ?1.50 लाख की अवैध राशि मांगने का आरोप लगाया गया है।

नगर परिषद कर्मचारी दीपक रजावत ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (181) पर शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि नगर परिषद में कर्मचारियों की पदोन्नति के नाम पर उनसे तथा उनके अन्य साथियों से अवैध धनराशि की मांग की गई। शिकायत में कहा गया है कि कर्मचारियों की पदोन्नति का

अधिकार नगर परिषद की पीआईसी (President-in-Council) के पास है और इसी का लाभ उठाकर कथित रूप से धन की मांग की गई।

शिकायतकर्ता दीपक रजावत ने बताया कि वे वर्तमान में नगर परिषद भिंड में पदस्थ हैं, जबकि उनका धारणाधिकार नगर परिषद बड़ावदा, जिला रतलाम में है। उन्होंने दावा किया है कि इस पूरे घटनाक्रम से संबंधित बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग उनके पास सुरक्षित है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर जांच एजेंसी अथवा सक्षम अधिकारी के समक्ष इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

पहले भी लगे थे गंभीर आरोप- उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व ही सत्ता पक्ष की एक सभापति ने अपने पद से इस्तीफा देते हुए आरोप लगाया था कि अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र कुमावत नियमों के विरुद्ध प्रस्तावों पर दबाव बनाकर सहमति और हस्ताक्षर करवाते थे। सभापति ने यह भी आरोप लगाया था कि पीआईसी की बैठकों में सदस्यों से प्रस्तावों में खाली स्थान पर हस्ताक्षर करवा लिए जाते थे और बाद में मनमाने बिंदु जोड़कर कार्यवाही की जाती थी।

जनता के द्वारा चुने हुवे प्रतिनिधि अगर परिषद के कर्मचारियों से ही रिश्वत कि मांग कर रहे है तो आम जनता का क्या होता होगा यह सोचने वाली बात है और अगर इस तरह से रिश्वते मांगी जा रही है तो ये लोग किसके साथ मिलकर ऐसा कार्य कर रहे है वे कौन अधिकारी है जो ऐसे लोगो के साथ मिलकर रिश्वत का बाजार चला रहे है क्योंकि ये कार्य केवल एक व्यक्ति से संभव नहीं है किसी न किसी प्रशासनिक अधिकारी कि मिली भगत क बिना संभव नहीं है, अगर ऐसे लोगो और ऐसे लोगो के साथ मिलकर जो लोग रिश्वत का बाजार चला रहे है उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होती है तो इस तरह कि घटना आम हो जाएगी अब मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर दर्ज नई शिकायत के बाद नगर परिषद बड़ावदा एक बार फिर चर्चाओं में है। मामले की जांच के बाद ही आरोपों की सत्यता स्पष्ट हो सकेगी।

फसल बीमा से वंचित किसानों के समर्थन में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में जिले के हजारों किसान, जो फसल बीमा राशि से वंचित रह गए हैं और जिन्हें आज तक फसल बीमा योजना का लाभ नहीं मिल पाया है, उनकी मांग को लेकर शनिवार को जिला कांग्रेस द्वारा गांधी चौराहे से बस स्टैंड, भारत माता चौराहा होते हुए कोतवाली तक किसान रैली निकाली गई। इस दौरान राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर ने कहा कि ÷मंदसौर जिले का किसान आज सबसे अधिक पीड़ा में है। किसान ने समय पर बोवनी की, मेहनत की, खाद-बीज खरीदा, बिजली संकट झेला और प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया, लेकिन जब राहत देने वाली फसल बीमा योजना की राशि मिलने का समय आया तो हजारों किसानों को उससे वंचित कर दिया गया। यह किसानों के साथ अन्याय है। कांग्रेस पार्टी किसानों के हक की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ती रहेगी। हमारी मांग है कि जिन किसानों को कम बीमा राशि मिली है, उन्हें पुनः सर्वे कर उचित राशि दी जाए तथा जिन किसानों को अब तक एक भी रुपया नहीं मिला है, उनके खातों में तत्काल फसल बीमा राशि जमा की जाए। मंदसौर के विधायक विपिन जैन ने कहा कि फसल बीमा योजना का उद्देश्य किसानों को राहत देना है, न कि उन्हें कार्यालयों के चक्कर लगवाना। उन्होंने कहा कि सरकार को तुरंत हस्तक्षेप कर सभी पात्र किसानों को पारदर्शी तरीके से बीमा राशि उपलब्ध करानी चाहिए तथा जिन मामलों में त्रुटियां हुई हैं उनकी निष्पक्ष जांच कर किसानों को न्याय दिलाया जाना चाहिए। इस अवसर पर राकेश पाटीदार, सोमील नाहटा, परशुराम सिसोदिया, राजेश रघुवंशी, जिला संगठन महासचिव अजय लोढ़ा, मंजीत सिंह टुटेजा, दीपक सिंह गुर्जर, ओम सिंह भाटी, ब्लॉक अध्यक्ष इष्टा भाचावत, विकास दशोरा, राहुल जैन, किशोर सिंह, विजेश मालेचा ने भी संबोधित किया। विरोध प्रदर्शन एवं किसान रैली में हनुमंत सिंह राठौर, विनोद शर्मा, सुरेश धाकड़, तूफान सिंह सिसोदिया, श्याम सिंह चौहान, बालेश्वर पाटीदार, कर्ण सिंह मीणा, तुलसीराम पाटीदार, सुरेश पाटीदार, सलीम अफगानी, गोविंद सिंह पंवार, सुरेश खचरानिया, अजहर हयात मेव, आदित्य पाटील, दुगेश पटेल, विकास दशोरा, सुनील बसेर, निर्विकार रातड़ीया, दिलीप देवड़ा, प्रीतिपाल सिंह राणा, अजय मारु, साजीद चौधरी, दैवेन्द्र योगी आदी।

छात्रावास के 25 से 30 छात्र रोज 6 किमी पैदल चलकर पहुंच रहे सांदीपनि विद्यालय

मंदसौर। मल्हारगढ़ स्थित अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास के लगभग 25 से 30 छात्र प्रतिदिन करीब 6 किलोमीटर पैदल चलकर सांदीपनि विद्यालय पहुंचने को मजबूर हैं। छात्रों का कहना है कि छात्रावास से विद्यालय तक आने-जाने के लिए कोई परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं है, जबकि विद्यालय की बस इसी मार्ग से गुजरती है, लेकिन उन्हें उसमें बैठाया नहीं जाता। बारिश के मौसम में छात्रों को भीगते हुए स्कूल जाना पड़ता है तथा फोरलेन सड़क पार करने के दौरान दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। शनिवार को जिला कांग्रेस महासचिव अनिल शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बाबुखा मेवाती, गोपाल भारती सहित अन्य नेताओं ने पैदल स्कूल जा रहे छात्रों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। छात्रों ने बताया कि वे प्रतिदिन सुबह करीब 9ः30 बजे छात्रावास से निकलते हैं और विद्यालय पहुंचने में लगभग एक घंटा लग जाता है। स्कूल की छुट्टी के बाद वापस छात्रावास पहुंचने में भी इतना ही समय लगता है। इस कारण प्रतिदिन करीब दो घंटे केवल पैदल आने-जाने में ही व्यतीत हो जाते हैं। शर्मा ने आरोप लगाया कि मल्हारगढ़ - नारायणगढ़ मार्ग स्थित छात्रावास के छात्रों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यालय की बस उपलब्ध होने के बावजूद छात्रों को उसका लाभ नहीं दिया जा रहा, जिससे उनका समय और ऊर्जा दोनों व्यर्थ हो रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से तत्काल छात्रों के लिए बस सुविधा उपलब्ध कराने की मांग करते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों के हित में आवश्यक है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बाबू खा मेवाती ने कहा कि उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के विधानसभा क्षेत्र में आदिवासी एवं अनुसूचित जाति के छात्रों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलना चिंताजनक है। उन्होंने प्रशासन से मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर विद्यार्थियों को सुरक्षित परिवहन उपलब्ध कराने की मांग की।

हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी भाषा को और बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए-भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसौदिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक नई दिल्ली के डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में राज्य मंत्री एल. मुरुगल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए समिति के सदस्य पूर्व विधायक, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसौदिया ने अपना पक्ष रखते हुए बताया कि जिन राज्यों में अपनी स्थानीय भाषा का महत्व है तथा उन राज्यों में हिंदी भाषा को भी पढ़ाया जाता है, ऐसे सभी राज्यों में हिंदी भाषा का प्रचलन और अधिक कैसे बढ़े इसके प्रयास किए जाना चाहिए।

श्री सिसोदिया ने बताया कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय इस बात का भी ध्यान रखें की विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक चैनलों पर जो स्क्रॉल चलाए जाते हैं उन्हें हिंदी भाषा में भी चलाएं जाना चाहिए, हिंदी को स्वीकार करने वाले लोगों का अभिमत राज्य स्तर पर और जिला स्तर पर लिए जाकर उनको लिपिबद्ध और पंजीबद्ध करते हुए विभाग तक आना चाहिए ताकि लोगों की किस स्तर तक की हिंदी को लेकर अभिरूचि हैं, उसका रिकॉर्ड लिपिबद्ध किया जाना चाहिए।

श्री सिसौदिया ने बताया कि समिति की बैठक नियम के अनुसार दो माह में एक बार होना ही चाहिए, हिंदी को जानने और समझने वाले जिन राज्यों में हम कमजोर हैं, उन राज्यों को फोकस करते हुए वहां जन जागृति खड़ी की जाना चाहिए, सेमिनार, कार्यशालाएं आदि का आयोजन समय-समय पर किया जाना चाहिए। ऐसा वातावरण खड़ा किया जाना चाहिए जिसमें लोगों का विश्वास हिंदी के प्रति और अधिक सशक्त तथा मजबूत हो सके। श्री सिसौदिया ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में देश भर के सभी राज्यों और जिलों में विभाग में किस प्रकार हिंदी भाषा के कामकाज का प्रचलन और अधिक बड़े इसका रोड मैप तैयार किया जाए ऐसी अपेक्षा मंत्रालय से की है। बैठक में मंत्रालय के सचिव चंचल कुमार, अपर सचिव प्रभात, वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार रविंद्र कुमार जैन सहित लोकसभा के सांसदगण, समिति के विभिन्न राज्यों से आए सदस्यगण उपस्थित थे।

एमपीआईडीसी द्वारा औद्योगिक क्षेत्र आगर-मालवा में उद्योगपतियों की समन्वय बैठक आयोजित

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीआईडीसी), क्षेत्रीय कार्यालय, उज्जैन द्वारा विकसित किए जा रहे औद्योगिक क्षेत्र आगर-मालवा (फेज-1 एवं फेज-2) में आवंटित एवं प्रस्तावित औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य निवेशकों को भूमि आवंटन, लीज डीड निष्पादन एवं उद्योग स्थापना की प्रक्रियाओं से अवगत कराना तथा उद्योगों की स्थापना को समयबद्ध रूप से गति प्रदान करना था।

बैठक में एमपीआईडीसी के अधिकारियों द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में किए जा रहे अधोसंरचना विकास कार्यों, भूमि आवंटन की वर्तमान स्थिति एवं उद्योग स्थापना की आगामी कार्यवाही के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। निवेशकों को लीज डीड निष्पादन, सर्वे एवं सीमांकन, वैधानिक दस्तावेजों, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता से संबंधित दस्तावेज, स्टाम्प शुल्क एवं पंजीयन की औपचारिकताओं सहित ऑनलाइन एवं कार्यालयीन प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया।

एमपीआईडीसी द्वारा बताया गया कि औद्योगिक क्षेत्र आगर-मालवा निवेशकों के लिए एक उभरते हुए औद्योगिक गंतव्य के रूप में विकसित हो रहा है। फेज-1 एवं फेज-2 में अब तक 119 आशय पत्र जारी किए जा चुके हैं, जिनमें से 64 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया जा चुका है। निवेशकों द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में निरंतर रुचि प्रदर्शित की जा रही है तथा नवीन निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं।

बैठक के दौरान उद्योगपतियों से आग्रह किया गया कि वे समय-सीमा में आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराते हुए लीज डीड निष्पादन एवं अन्य औपचारिकताएँ शीघ्र पूर्ण करें, जिससे उद्योगों की स्थापना एवं निर्माण कार्य निर्धारित समय में प्रारंभ किया जा सके। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि एमपीआईडीसी द्वारा प्रत्येक निवेशक को प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में आवश्यक मार्गदर्शन एवं संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

बैठक में उद्योग प्रतिनिधियों द्वारा भूमि आवंटन, लीज डीड, सर्वे, सीमांकन, अनुमतियों एवं अन्य प्रक्रियात्मक विषयों से संबंधित विभिन्न प्रश्न एवं सुझाव प्रस्तुत किए गए, जिनका अधिकारियों द्वारा विस्तारपूर्वक समाधान किया गया। उद्योगपतियों ने एमपीआईडीसी द्वारा अपनाई गई पारदर्शी एवं निवेशक-अनुकूल कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इससे औद्योगिक परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

एमपीआईडीसी ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र आगर-मालवा में सभी आवश्यक मूलभूत अधोसंरचनाओं का विकास चरणबद्ध रूप से किया जा रहा है, ताकि उद्योगों को शीघ्र उत्पादन प्रारंभ करने हेतु अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। निगम का उद्देश्य निवेशकों को समयबद्ध सेवाएँ उपलब्ध कराते हुए क्षेत्र को एक विकसित औद्योगिक केन्द्र के रूप में स्थापित करना है। बैठक का समापन इस विश्वास के साथ हुआ कि एमपीआईडीसी एवं उद्योगों के मध्य निरंतर समन्वय, समयबद्ध प्रक्रियाओं एवं प्रभावी मार्गदर्शन के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र आगर-मालवा में आवंटित उद्योगों की स्थापना में तेजी आएगी। इससे उद्योगों द्वारा शीघ्र निर्माण कार्य एवं व्यवसायिक उत्पादन प्रारंभ किया जा सकेगा तथा निवेशकों को एक सुगम, पारदर्शी एवं उद्योग अनुकूल वातावरण उपलब्ध होगा। उक्त जानकारी एमपीआईडीसी से प्राप्त।

सद्गुरु ब्रह्मलीन अनंत श्री जयकरण दास जी का जन्मोत्सव श्रद्धा-भक्ति के साथ धूमधाम से सम्पन्न

महातीर्थ धाम में 351 परिवारों ने अर्पित किया छप्पन भोग, सेमली नर्मदा आश्रम में उमड़ा जनसैलाब

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री 24 अवतार महातीर्थ धाम के संकल्पकर्ता सद्गुरु भगवान ब्रह्मलीन अनंत श्री जयकरण दास जी भक्त माली परमहंस महाराज का जन्मोत्सव शनिवार को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर देपालपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु महातीर्थ धाम एवं सेमली नर्मदा आश्रम पहुंचे और सद्गुरु भगवान के श्रीचरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए।

प्रातःकाल से ही महातीर्थ धाम में विविध धार्मिक अनुष्ठानों का शुभारंभ हो गया। मंदिर परिसर को आकर्षक फूल बंगले से भव्य रूप से सजाया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो उठा। इस अवसर पर 351 परिवारों द्वारा सामूहिक रूप से छप्पन भोग अर्पित किया गया, जिसमें घर-घर से तैयार व्यंजन, मेवा, मिश्री, ड्रायफ्रूट एवं फल-फ्रूट शामिल रहे। भोग दर्शन हेतु श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

कार्यक्रम के अंतर्गत 12 दिवसीय अखंड रामधुन का विधिवत समापन किया गया। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य महाआरती संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भावविभोर होकर शामिल हुए। तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। दिनभर भजन-कीर्तन, गुरु स्मरण एवं धार्मिक आयोजनों से पूरा परिसर गूंजता रहा, जिसमें श्रद्धालुओं ने गहन आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की।

वहीं सेमली स्थित नर्मदा आश्रम में प्रातः 10 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर सद्गुरु भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे में लगातार श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही।

श्री 24 अवतार मंदिर ट्रस्ट के सचिव चिंटू वर्मा ने बताया कि जन्मोत्सव के सभी आयोजन पूर्ण श्रद्धा, अनुशासन और भव्यता के साथ संपन्न हुए। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगी परिवारों एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सद्गुरु भगवान के आदर्शों पर चलकर समाज में सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना ही गुरुदेव के प्रति सच्चा भाव है।

जवाहर नवोदय विद्यालय आकली में कक्षा 6 प्रवेश हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 7 अगस्त 2026 तक बढ़ी

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। पी.एम. श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, आकली सुसनेर में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 6 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 से बढ़ाकर 07 अगस्त2026कर दी गई है। नवोदय विद्यालय समिति के नियमानुसार आगर-मालवा जिले के वे विद्यार्थी आवेदन के पात्र हैं, जो वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2026-27 में किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 5 में अध्ययनरत हों। जिनकी जन्मतिथि 01मई 2015 से 31 जुलाई 2017 के बीच हो। दोनों तिथियां सम्मिलित हैं। अन्य निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करते हों। आवेदन प्रक्रिया एवं पात्रता संबंधी विस्तृत जानकारी नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। पंजीकृत विद्यार्थियों की कक्षा 6 में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा 28 नवंबर 2026, शनिवार को आयोजित की जाएगी। नवोदय प्राचार्य श्री अब्दुल अजीज ने जिले के सभी पात्र विद्यार्थियों एवं अभिभावकों 07 अगस्त 2026 तक अनिवार्य रूप से आवेदन करनेका आग्रह किया है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह संबंधी बैठक 3 अगस्त को

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) समारोह की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना की अध्यक्षता में 3 अगस्त 2026 को दोपहर 12ः30 बजे अधिकारियों की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव ने सभी विभाग प्रमुखों, जिलाधिकारियों को बैठक में निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 3 अगस्त को

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना की अध्यक्षता में 3 अगस्त 2026 (सोमवार) को सायं 4ः00 बजे संयुक्त कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित होगी। अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव ने जिला स्तरीय शांति समिति के सभी सदस्यों से बैठक में निर्धारित दिनांक एवं समय पर उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

जिला चिकित्सालय में विश्व स्तनपान सप्ताह का शुभारंभ

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निर्देशानुसार जिला चिकित्सालय आगर-मालवा में विश्व स्तनपान सप्ताह 01 से 07 अगस्त 2026 मनाया जा रहा है इस सप्ताह का शुभारंभ शनिवार को किया गया। इस अवसर पर डॉ. नरेन्द्र सिंह परिहार ने 6 माह तक अनिवार्य स्तनपान, डॉ. मनीष कुरील ने स्वच्छता एवं भरपेट स्तनपान तथा डॉ. अरविंद परमार ने स्तनपान के सही तरीके बताएं। कार्यक्रम में अस्पताल स्टाफ एवं माताएं उपस्थित थी।

विश्व स्तनपान सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व स्तनपान सप्ताह 1 से 7 अगस्त के शुभारंभ अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुभारंभ समारोह एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवजात शिशुओं की माताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारियों ने सहभागिता की।

एडीएम डॉ श्रीवास्तव ने बड़ोद क्षेत्र में प्रस्तावित पड़ाव स्थलों का किया निरीक्षण

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ 2028 में आगर जिले में होकरआने जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी आगर, डॉ शालिनी श्रीवास्तव ने शनिवार को जिले के बड़ोद क्षेत्र के 3 प्रस्तावित हाल्ट एरिया/पड़ाव स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करते हुए प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत किए जाएं। ज्ञात हो कि बड़ोद क्षेत्र में तहसील कार्यालय के सामने झोंटा, बरगडी बड़ोद, गुप्तेश्वर मंदिर परिसर एवं मेला ग्राउंड परिसर जहांगीरपुरा को प्रस्तावित पड़ाव स्थल के रूप में चिन्हित किया गया है। निरीक्षण के दौरान एसडीम श्री मिलिंद ढोके, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अर्पिता राय एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। यह जानकारी डिप्टी कलेक्टर सुश्री राय ने दी है।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत अगस्त माह में जिले में चार शिविर होंगे आयोजित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने अगस्त माह में आयोजित किए जाने वाले शिविरों का रोस्टर जारी किया है। अभियान के तहत विभिन्न नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाएगा।

बिना होमवर्क लागू की गई ई-टोकन खाद वितरण व्यवस्था धराशाही - कुमठ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने और खाद वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सरकार द्वारा लागू की गई ई-टोकन व्यवस्था धराशाही हो गई है। एफआई नई दिल्ली के सदस्य अशोक कुमठ (पिपलिया स्टेशन) ने इस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिना पर्याप्त तैयारी और जमीनी स्तर पर अध्ययन किए लागू की गई यह योजना अपने मूल उद्देश्य से भटक गई है तथा किसानों को राहत देने के बजाय उन्हें अधिक परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना को केवल वातानुकूलित कमरों में बैठकर तैयार कर देना पर्याप्त नहीं होता। किसी भी व्यवस्था को लागू करने से पहले उसके व्यावहारिक पक्ष, किसानों की आवश्यकताओं, ग्रामीण क्षेत्रों की नेटवर्क व्यवस्था तथा खाद वितरण केंद्रों की वास्तविक स्थिति का गहन अध्ययन किया जाना चाहिए। ऐसा नहीं होने के कारण ई-टोकन व्यवस्था शुरू से ही कई तकनीकी और प्रशासनिक समस्याओं से जूझ

रही है। कुमठ ने बताया कि वर्तमान व्यवस्था में किसानों को पहले ई-टोकन प्राप्त करने के लिए प्रयास करना पड़ता है। इसके बाद निर्धारित समय पर खाद वितरण केंद्र पहुंचना होता है, लेकिन कई बार सर्वर, इंटरनेट नेटवर्क अथवा अन्य तकनीकी कारणों से किसानों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। अनेक किसानों को खाद प्राप्त करने के लिए कई बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे उनका समय और पैसा दोनों व्यर्थ हो रहे हैं। कई किसानों को तीन-तीन स्थानों पर जाकर प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है, जिससे खेती के महत्वपूर्ण समय में उनका कार्य प्रभावित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि खाद कोई ऐसी वस्तु नहीं है, जिसके लिए किसान कई दिनों तक प्रतीक्षा कर सके। बुवाई के समय यूरिया और अन्य उर्वरकों की तत्काल आवश्यकता होती है। यदि समय पर खाद उपलब्ध नहीं होती तो फसल की वृद्धि प्रभावित होती है और उत्पादन पर सीधा असर पड़ता है। ऐसे में ई-टोकन व्यवस्था किसानों की सुविधा के बजाय उनके लिए नई मुश्किलें खड़ी कर रही है।

कुमठ का कहना है कि सरकार का उद्देश्य यूरिया की खपत को नियंत्रित करना तथा उसकी कालाबाजारी और दुरुपयोग पर रोक लगाना था, लेकिन वर्तमान व्यवस्था इन उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से पूरा नहीं कर पा रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को केवल वितरण प्रणाली में बदलाव करने के बजाय यूरिया के विकल्पों पर भी गंभीरता से कार्य करना चाहिए। उन्होंने निर्जल अमोनिया (एनहाइड्रस अमोनिया) को एक प्रभावी विकल्प बताते हुए कहा कि यह 82 प्रतिशत नाइट्रोजन युक्त गैस आधारित उर्वरक है, जिसे विशेष तकनीक के माध्यम से सीधे मिट्टी में प्रवाहित किया जाता है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा इसके सफल परीक्षण किए जा चुके हैं। यदि सरकार इसके व्यापक प्रचार-प्रसार, प्रशिक्षण और उपलब्धता पर ध्यान दे तो किसानों को अधिक लाभ मिलेगा।

अशोक कुमठ ने बताया कि वर्तमान में देश में लगभग 400 लाख टन यूरिया का उपयोग होता है, जिसमें करीब 100 लाख टन यूरिया का आयात करना पड़ता है। यदि निर्जल अमोनिया के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए तो यूरिया पर निर्भरता कम होगी, आयात में कमी आएगी, किसानों को अधिक प्रभावी नाइट्रोजन स्रोत उपलब्ध होगा तथा यूरिया की कालाबाजारी और दुरुपयोग जैसी समस्याओं पर भी काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि ई-टोकन व्यवस्था की व्यापक समीक्षा कर किसानों की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए तथा ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे किसानों को बुवाई के समय बिना किसी तकनीकी बाधा के समय पर खाद उपलब्ध हो सके।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाकाल की सवारी से पहले चला निगम का बुलडोजर...सवारी मार्ग से हटाए अवैध कब्जे

व्यापारियों के विरोध के बीच कार्रवाई- गोपाल मंदिर से पटनी बाजार तक नालियों पर बने अतिक्रमण ध्वस्त, जर्जर मकानों का भी होगा सर्वे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 3 अगस्त को भगवान महाकाल की पहली सवारी को लेकर नगर निगम और जिला प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। शनिवार को सवारी मार्ग पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। जेसीबी मशीनों की मदद से गोपाल मंदिर, छत्री चौक, पटनी बाजार, कमरी मार्ग और होटल वाली गली सहित कई स्थानों पर नालियों पर किए गए अवैध निर्माण और अस्थायी कब्जों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान कुछ व्यापारियों ने विरोध भी किया, लेकिन प्रशासन ने समझाइश देकर अभियान को लगातार जारी रखा।

नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि बाबा महाकाल की सवारी में लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसे में मार्ग पूरी तरह खुला, सुरक्षित और व्यवस्थित होना जरूरी है। इसी उद्देश्य से सड़क और नालियों पर किए गए अतिक्रमण हटाए जा रहे हैं ताकि सवारी के दौरान कहीं भी भीड़ या आवागमन में बाधा न आए। प्रशासन केवल अतिक्रमण हटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षा के दूसरे पहलुओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रामघाट क्षेत्र में हाल ही में रिटनिंग वॉल के पास मकान गिरने की घटना के बाद अब भोपाल की मैनिट की विशेषज्ञ टीम से सवारी मार्ग पर स्थित जर्जर मकानों का सर्वे कराया जा रहा है। जिन भवनों से खतरे की आशंका होगी, उनके संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही बिजली से जुड़े हादसों को रोकने के लिए बिजली कंपनी ने सवारी मार्ग पर लगे बिजली के खंभों पर प्लास्टिक सुरक्षा कवर लगाना शुरू कर दिया है, ताकि बारिश के मौसम में करंट फैलने जैसी घटनाओं से बचा जा सके।अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पुलिस बल की मौजूदगी में शांतिपूर्वक पूरी की गई। अभियान में भवन अधिकारी राजकुमार राठौर, भवन निरीक्षक शिवम गुप्ता, रिमूवल गैंग प्रभारी मोनू थनवार सहित नगर निगम और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम मौजूद रही। प्रशासन का कहना है कि महाकाल की सवारी तक सवारी मार्ग को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त, सुरक्षित और सुगम बनाया जाएगा, ताकि देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

जिला चिकित्सालय में विश्व स्तनपान सप्ताह 2026 का शुभारंभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिले में 1 से 7 अगस्त 2026 तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जा रहा है। इस क्रम में आज 1 अगस्त 2026 को जिला चिकित्सालय उज्जैन में विश्व स्तनपान सप्ताह का औपचारिक शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ. संगीता पलसानिया तथा जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रविंद्र कुमार पाल की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधक श्रीमती हिमांगी चौहान, नर्सिंग स्टाफ सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित थे।

इस वर्ष की थीम स्तनपान से सतत जीवन की श्रेष्ठ शुरुआत ⁼ जो कारगर है, उसे और मजबूत करें÷ रखी गई है। इसका मुख्य उद्देश्य माताओं, परिवारों एवं समाज को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा प्रत्येक नवजात शिशु को जीवन की सर्वोत्तम शुरुआत उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. संगीता पलसानिया ने धात्री महिलाओं एवं गर्भवती महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जन्म के पहले एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना नवजात के लिए अत्यंत आवश्यक है। जन्म के तुरंत बाद निकलने वाला गाढ़ा पीला दूध (कोलोस्ट्रम) शिशु का पहला प्राकृतिक टीका होता है, जो उसे अनेक संक्रमणों से सुरक्षा प्रदान करता है।

डॉ. पलसानिया ने स्पष्ट किया कि जन्म से छह माह तक शिशु को केवल माँ का दूध ही दिया जाए। इस दौरान पानी, शहद, घुटी अथवा अन्य कोई भी आहार न दिया जाए। छह माह पूर्ण होने के बाद शिशु को घर का ताजा, पौष्टिक एवं पूरक आहार शुरू करते हुए दो वर्ष अथवा उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखना चाहिए। इससे शिशु के शारीरिक एवं मानसिक विकास, रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा पोषण स्तर में उल्लेखनीय सुधार होता है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को फील्ड टेस्ट किट प्रशिक्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने एवं जलजनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को फील्ड टेस्ट किट (स्नञ्ज्ञ) के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

यह अभियान कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है ? अभियान का संचालन कार्यपालन यंत्री श्री केदार सिंह खत्री के निर्देशन में किया जा रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को फील्ड टेस्ट किट के व्यावहारिक उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें क्लोरीन, नाइट्रेट, आयरन, हार्डनेस एवं पीएच स्तर सहित विभिन्न जल गुणवत्ता मानकों की जांच का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इससे वे सेकंडों में जल की गुणवत्ता का परीक्षण कर सकेंगे तथा ग्राम स्तर पर पेयजल की नियमित निगरानी सुनिश्चित कर सकेंगे।

अभियान के अंतर्गत ग्राम बड़गावा, रूनीजा, मलगोंडी, समखेर्दी, जेथल एवं उज्जैन सहित विभिन्न क्षेत्रों में जल गुणवत्ता परीक्षण के साथ-साथ जनजागरूकता गतिविधियाँ भी संचालित की गईं।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना, जलजनित बीमारियों की रोकथाम करना तथा समुदाय को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के प्रति जागरूक बनाना है।

महामंडलेश्वर ज्ञानदास पर दुष्कर्म की एफआईआर

महिला के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के बाद हुई कार्रवाई- दुष्कर्म, धमकी और अश्लील फोटो-वीडियो बनाने के आरोप

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सदावल मार्ग स्थित दादूदयाल आश्रम के महामंडलेश्वर ज्ञानदास के खिलाफ आखिरकार महाकाल थाना पुलिस ने दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। महिला की शिकायत मिलने के बाद पांच दिन तक चली जांच, बयान और मेडिकल परीक्षण के बाद शुक्रवार रात पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस का कहना है कि महिला के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर अपराध दर्ज कर आगे की विवेचना शुरू कर दी गई है।

महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि पीड़िता ने पहले पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर आरोप लगाया था कि ज्ञानदास ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर उसे नशीला पदार्थ पिलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उसके फोटो और वीडियो बनाए, जान से मारने की धमकी दी तथा उसे गर्भवती कर दिया।

मामले की जांच महाकाल थाने की एसआई नेहा सिंह कर रही थीं। जांच के दौरान दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए गए। शुक्रवार शाम महिला ने थाने पहुंचकर अपने विस्तृत बयान दर्ज कराए और पुलिस को कुछ दस्तावेज व अन्य साक्ष्य भी सौंपे। इसके बाद उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। पुलिस के अनुसार मेडिकल रिपोर्ट और प्रारंभिक जांच में मिले तथ्यों के आधार पर ज्ञानदास के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया।

जांच के दौरान ज्ञानदास ने अपने ऊपर लगे आरोपों को साजिश बताते हुए खुद को हनीट्रैप का शिकार होने का दावा किया था। हालांकि, पुलिस के अनुसार वह अपने पक्ष में कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका। दूसरी ओर, शिकायतकर्ता महिला ने ज्ञानदास के साथ हुई कथित व्हाट्सएप चैट भी सार्वजनिक की, जिसमें गर्भपात के लिए डॉक्टर के पास जाने और गर्भधारण को लेकर बातचीत होने का दावा किया गया। इन तथ्यों को भी पुलिस ने जांच का हिस्सा बनाया।

एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस अब मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई और अन्य साक्ष्यों की जांच में जुट गई है। वहीं, पुलिस ने ज्ञानदास से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उनका मोबाइल फोन बंद मिला। मामले ने धार्मिक और सामाजिक हलकों में भी व्यापक चर्चा छेड़ दी है।

वीर दुर्गादास छतरी के विकास कार्य की री-प्लान की ड्रॉइंग-डिजाईन का कार्य जल्दी पूरा करें-संभागायुक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह एवं कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शनिवार को शिप्रा तट स्थित वीर दुर्गादास राठौर की ऐतिहासिक छतरी के जीर्णोद्धार और विकास कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्य की री-प्लान की ड्रॉइंग एवं डिजाइन का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि परियोजना का काम समय सीमा में पूरा हो सके।यह परियोजना सिंहस्थ-2028 की महत्वपूर्ण विरासत परियोजनाओं में शामिल है, इसलिए निर्माण कार्य गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा के साथ पूरा करना सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान पर्यटन विकास निगम के इंजीनियरों ने परियोजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि शिप्रा नदी के किनारे स्थित ऐतिहासिक एवं पर्यटन महत्व की वीर दुर्गादास राठौर छतरी का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार कार्य शासन के निर्देशानुसार किया जा रहा है। परियोजना के तहत छतरी की मूल संरचना को संरक्षित रखते हुए उसका पुर्नद्धार किया जाएगा तथा परिसर को आधुनिक सुविधाओं से विकसित किया जाएगा।

योजना के अनुसार छतरी परिसर में रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जाएगा, वहीं पैदल पुल के माध्यम से छतरी को जोड़ा जाएगा जिसकी एंट्री शिप्रा नदी की ओर से होगी। इसके अलावा परिसर में संग्रहालय (म्यूजियम), जनसुविधा केंद्र, आकर्षक लैंडस्केपिंग, उद्यान विकास तथा पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। परियोजना के अंतर्गत वीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा भी ऊंचे पेडस्टल पर स्थापित की जाएगी, जिससे यह स्थल ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन दृष्टि से और अधिक आकर्षक बनेगा। संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने निर्देशित किया कि छतरी के जीर्णोद्धार के साथ-साथ जनसुविधाओं के विकास का कार्य नदी की अपोजिट साइड पर किया जाए।

200 से ज्यादा बगीचे, लेकिन माली नहीं... कर्मचारियों की ड्यूटी कागजों में, 25 से अधिक प्रमुख उद्यान अनदेखी के शिकार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के 200 से अधिक छोटे-बड़े सार्वजनिक उद्यान इन दिनों बदहाली का शिकार हैं। नगर निगम ने बड़े उद्यानों में दो-दो कर्मचारियों की ड्यूटी तो लगा रखी है, लेकिन अधिकांश कर्मचारी अपने तय उद्यानों में पहुंचने के बजाय अन्य जगहों पर काम कर रहे हैं।

इसका असर यह है कि बगीचों की नियमित देखरेख नहीं हो रही और शहर के 25 से अधिक प्रमुख उद्यान अनदेखी का शिकार हो रहे हैं। शहर के चामुंडा माता चौराहा उद्यान, नगर वन, कालिदास उद्यान, गांधी बालोद्यान, दशहरा मैदान उद्यान, गोपाल मंदिर बगीचा सहित कई प्रमुख पार्कों में हरियाली गायब होने लगी है। समय पर सिंचाई और रखरखाव नहीं होने से पौधे सूख रहे हैं, जबकि बच्चों के झूले और अन्य सुविधाएं भी जर्जर होती जा रही हैं।

सबसे गंभीर स्थिति अतिक्रमण की है। कई उद्यानों में पार्किंग बना दी गई है तो कहीं अस्थायी दुकानें और अन्य निर्माण खड़े हो गए हैं। इससे पार्कों का मूल स्वरूप लगातार बिगड़ता जा रहा है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि उद्यान बच्चों, बुजुर्गों और मॉर्निंग वॉक करने वालों के लिए राहत का केंद्र होते हैं, लेकिन लापरवाही के कारण ये अब असुरक्षित और अव्यवस्थित नजर आ रहे हैं। नगर निगम हर साल उद्यानों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण पर बजट खर्च करता है, लेकिन इसका असर जमीन पर दिखाई नहीं दे रहा। कई पार्कों में नियमित सफाई तक नहीं हो रही और पौधों की देखभाल भी भगवान भरोसे है।

रहवासियों ने मांग की है कि उद्यानों में तैनात कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, उनकी निगरानी की व्यवस्था हो तथा शहर के पार्कों से अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाकर हरियाली को बचाया जाए।

हामूखेड़ी में फंदे पर लटका मिला युवक

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मजदूरी करने वाले युवक ने रात में फांसी लगा ली परिजनों ने उसे फंदे पर लटका देखा तो पुलिस को सूचना दी और युवक को फंदे से नीचे उतरने के बाद अस्पताल लेकर पहुंचे। शनिवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है।

नागझिरी थाना पुलिस ने बताया कि हामूखेड़ी में रहने वाले लखन पिता बद्रीनाथ 22 साल के फांसी लगाने की सूचना मिलने पर मर्ग कायम किया गया है। रात में मृतक की बॉडी पोस्टमार्टम कक्ष में रखवाई गई थी। आज सुबह पोस्टमार्टम कराया गया है इस दौरान परिजनों ने बताया कि लखन मजदूरी करता था और उसकी शादी हो चुकी थी। परिजनों का कहना था कि लखन ने फांसी क्यों लगाई इसकी जानकारी नहीं है। पुलिस के अनुसार संभावना है कि आर्थिक परेशानी और पारिवारिक विवाद के चलते युवक ने आत्मघाती कदम उठाया है जांच और परिजनों के बयान के बाद ही कारण सामने आ पाएगा।

सड़क दुर्घटना में घायल की मौत- आगर मालवा के गुंदी कला में रहने वाला सुभाष पिता बाबूलाल मालवी 24 साल सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल हो गया था। परिजन 21 जुलाई को उपचार के लिए उज्जैन लेकर आए थे जहां निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। शुक्रवार देर शाम सुभाष की मौत हो गई। माधव नगर थाना पुलिस ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया है। जांच के लिए मामला आगर मालवा पुलिस को भेजा जाएगा।

चेकिंग में शराब पीकर वाहन चलती मिली युवती

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात्रि गश्त के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वालों की चेकिंग कर रही पुलिस को एक युवती भी शराब के नशे में स्कूटी चलाते हुए मिली। युवती के परिजनों को बुलाकर समझाइए गई और स्कूटी को जप्त किया गया। माधवनगर पुलिस टीम रात्रि गश्त के शराब पीकर वाहन चलाने वालों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान फ्रीगंज क्षेत्र में स्कूटी मेस्ट्रो क्रमांक स्क्क13 डीवी 4231 को रोककर जांच की गई, जिसमें वाहन चालिका के मुंह से शराब की गंध आना पाई गई।वाहन चालिका से पूछताछ में नाम अमतुल्ला उर्फ अमु पिता ओनअली बोहरा 18 वर्ष 03 माह निवासी बिलोटीपुरा, थाना जीवाजीगंज, सामने आया। पुलिस द्वारा वाहन चालिका का जिला चिकित्सालय से मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें चिकित्सक द्वारा उसके शराब का सेवन किया जाना प्रमाणित किया गया। वाहन चालिका के पास वाहन के आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं पाए जाने पर स्कूटी को विधिवत जप्त किया गया। वाहन चालिका के विरुद्ध धारा 185, 130/177(3) मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई कर इस्तगासा तैयार किया गया। पुलिस द्वारा वाहन चालिका के परिजनों को मौके पर बुलाकर आवश्यक समझाइश दी गई एवं उसे उसकी माता के सुपुर्द किया गया।

शमशान घाट चोरी का 2 दिन में खुलासा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शमशान घाट पर बने कमरे का ताला तोड़कर चोरी करने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने 2 दिन में गिरफ्तार कर लिया। चोरों के निशान देही पर 50 हजार रुपए का सामान बरामद किया गया है। महिदपुर थाना पुलिस ने बताया कि प्रमोद दावरे पिता देवीलाल दावरे 50 वर्ष निवासी वाल्मिकी गली महिदपुर ने थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 28 जुलाई की रात्री में सत्या शमशान घाट महिदपुर के कमरे के दरवाजे का नकुचा तोडकर अज्ञात बदमाश ब्लोर मशीन, पंखा, माईक चलाने की मशीन, तांबे का लोटा, माइक, दो युनिट चिलम की, स्टील की बाल्टी व स्टील के बर्तन, सीसीटीवी कैमरे की मैमोरी कार्ड तथा पेटी में रखा लोहे का अन्य सामान चुरा कर ले गये। मामले की जांच शुरू कर आरोपियों का पता लगाया और शोहराब पिता अजीज खान 30 साल निवासी बैरजाली महिदपुर, असलम उर्फ वकार पिता मुस्लिम शाह 29 साल निवासी फकीर मोहल्ला महिदपुर, रईश पिता बब्बू उर्फ बबलू खान 38 साल निवासी फकीर मोहल्ला महिदपुर, अकरम पिता मोहम्मद गनी 33 साल निवासी फकीर मोहल्ला महदिपुर को गिरफ्तार कर चोरी गया सामान किमती करीब 50 हजार रुपये का जप्त किया गया । आरोपी गण को न्यायालय पेश किया गया। जहां से जेल वारण्ट बनने पर आरोपी को उपजैल महिदपुर में दाखिल करवाया गया ।

सिंहस्थ 2028 की पूर्व तैयारियों को लेकर समन्वय बैठक सम्पन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को मेला कार्यालय सभागार में सिंहस्थ 2028 की पूर्व तैयारियों के संबंध में समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिंहस्थ मेले के दौरान सुचारु एवं बाधा रहित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वाहन पार्किंग के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए गए।

सीएनजी-इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या 70 हजार पार, फिर भी शहर की हवा नहीं हुई साफ

5 साल पहले सिर्फ ऑटो-मैजिक तक सीमित था सीएनजी का उपयोग-वायु गुणवत्ता सूचकांक रोज 110 से ऊपर दर्ज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच शहर में सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद भी शहर में वायु प्रदूषण की हालत सुधार नहीं रही है।

उल्लेखनीय है कि पांच साल पहले तक उज्जैन में सीएनजी से केवल ऑटो और मैजिक वाहन ही संचालित होते थे, लेकिन अब कार, एसयूवी, पिकअप और ट्रकों तक में सीएनजी का इस्तेमाल होने लगा है। वहीं ई-रिक्शा और इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है। इसके बावजूद शहर की हवा साफ नहीं हो सकी है। वायु गुणवत्ता सूचकांक एक्यूआई लगातार 100 के पार बना हुआ है, जो बढ़ते प्रदूषण की ओर इशारा करता है। जानकारी के अनुसार, शहर में वर्तमान में सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों की कुल संख्या करीब 70 हजार तक पहुंच चुकी है। इनमें लगभग 20 हजार सीएनजी वाहन शामिल हैं। पहले जहां सीएनजी का उपयोग मुख्य रूप से ऑटो और मैजिक तक सीमित था, वहीं अब मारुति और हुंडई जैसी कंपनियों की सीएनजी कारों के साथ अन्य बड़े वाहन भी बड़ी संख्या में सड़कों पर दौड़ रहे हैं। दूसरी ओर, 50 हजार से अधिक ई-रिक्शा, इलेक्ट्रिक दोपहिया और अन्य इलेक्ट्रिक वाहन भी शहर में संचालित हो रहे हैं।

शहर में घरेलू रसोई गैस के लिए पीएनजी कनेक्शन भी लगातार बढ़ रहे हैं। वर्तमान में करीब 70 हजार घरों में पीएनजी कनेक्शन लगाए जा चुके हैं और हर वर्ष लगभग 10 हजार नए कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि पुराने शहर की संकरी गलियों में अब तक पीएनजी पाइपलाइन नहीं पहुंच सकी है, जिससे वहां के रहवासी इस सुविधा से वंचित हैं। वाहनों की बढ़ती संख्या के बीच प्रदूषण का स्तर चिंता का विषय बना हुआ है। शनिवार सुबह 10 बजे तक महाकाल क्षेत्र, आगर रोड और चामुंडा चौराहा क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक एक्यूआई 110 दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार शाम के समय ट्रैफिक बढ़ने के कारण यह स्तर और अधिक हो जाता है। ऐसे में पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि केवल सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि धूल नियंत्रण, हरित क्षेत्र बढ़ाने, पुराने प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर नियंत्रण और बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन जैसे उपाय भी जरूरी हैं।

शहर में स्वच्छ ईंधन और इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, लेकिन वायु प्रदूषण के स्तर में अपेक्षित कमी नहीं आने से यह साफ है कि प्रदूषण के पीछे केवल वाहन ही नहीं, बल्कि सड़क की धूल, निर्माण कार्य, बढ़ता ट्रैफिक और अन्य पर्यावरणीय कारण भी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में शहरवासियों को स्वच्छ हवा उपलब्ध कराने के लिए समग्र स्तर पर प्रभावी कदम उठाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

रिमझिम के बीच उज्जैन में बारिश का आंकड़ा 21 इंच के पार

गंभीर बांध में भी चार माह सप्लाई इतना का जल भंडारण हुआ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सावन की शुरुआत से शहर में मूसलाधार बारिश भले नहीं हुई हो, लेकिन लगातार हो रही रिमझिम बारिश ने उज्जैन शहर की प्यास बुझाने वाले गंभीर डैम में 4 महीने सप्लाई इतना पानी एकत्र कर दिया है। वही उज्जैन शहर में शनिवार सुबह तक बारिश का आंकड़ा 21 इंच के पार हो गया था।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार सुबह से शनिवार सुबह तक शहर में रुक-रुककर हुई बारिश के दौरान वेधशाला में 12 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जबकि शहरी क्षेत्र में करीब आधा इंच पानी बरसा। शनिवार सुबह भी रिमझिम बारिश का सिलसिला जारी रहा। इसके साथ ही इस मानसून सीजन में उज्जैन में अब तक 21 इंच से अधिक वर्षा रिकॉर्ड हो चुकी है। वहीं दूसरी ओर

लगातार हो रही हल्की बारिश का सबसे बड़ा फायदा गंभीर डैम को मिला है। 2250 एमसीएफटी क्षमता वाले गंभीर जलाशय में कल शाम तक 963 एमसीएफटी पानी जमा हो चुका था, जो पिछले वर्ष इसी अवधि की तुलना में 768 एमसीएफटी अधिक है। पिछले साल इसी दिन डैम में केवल 195 एमसीएफटी पानी ही उपलब्ध था। यानी इस बार मानसून की रफ्तार धीमी होने के बावजूद जल संग्रहण की स्थिति कहीं अधिक बेहतर बनी हुई है। पीएचई के प्रभारी कार्यपालन यंत्री दिलीप नोथाने के अनुसार तेज बारिश नहीं होने के बावजूद गंभीर के कैचमेंट क्षेत्र में लगातार हल्की बारिश और रिमझिम का दौर चल रहा है। इसी कारण जलाशय का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसके अलावा इंदौर क्षेत्र से भी पानी की आवक बनी हुई है। अधिकारियों का मानना है कि यदि मानसून के शेष दिनों में एक-दो दौर तेज बारिश के हो गए तो गंभीर डैम अपनी पूरी क्षमता तक भर सकता है।

रोजाना 8 एमसीएफटी खपत, चार माह के लिए पानी सुरक्षित- उज्जैन शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए प्रतिदिन औसतन 8 एमसीएफटी पानी की आवश्यकता होती है। वर्तमान में गंभीर डैम में उपलब्ध 963 एमसीएफटी पानी में से 100 एमसीएफटी डेड स्टोरेज को छोड़ दिया जाए तो 866 एमसीएफटी उपयोग योग्य पानी बचता है। इस हिसाब से शहर को करीब 120 दिन यानी लगभग चार माह तक निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराया जा सकता है। इससे नगरवासियों के लिए फिलहाल जल संकट की आशंका काफी हद तक टल गई है।मौसम विभाग के अनुसार जिले में अब तक औसतन 322 और उज्जैन शहरी क्षेत्र में 530 मिमी मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी है। यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है और अगले कुछ दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। यदि आगामी दिनों में अच्छी बारिश होती है तो न केवल गंभीर डैम लबालब होगा, बल्कि शहर के अन्य जल स्रोतों की स्थिति भी और मजबूत हो जाएगी।

समयपूर्व जन्मे शिशु को नया जीवन देने में सफल रही जिला चिकित्सालय उज्जैन की स्न्हष्ट टीम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जन्म के समय गंभीर श्वसन संबंधी समस्या से जूझ रहे समयपूर्व जन्मे शिशु मास्टर स्वास्तिक को जिला चिकित्सालय, चरक भवन स्थित विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई की विशेषज्ञ टीम ने समर्पित प्रयासों से नया जीवन प्रदान किया है। आज एक वर्ष की आयु में मास्टर स्वास्तिक पूर्णतः स्वस्थ, सक्रिय एवं प्रसन्न हैं तथा उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास आयु के अनुरूप सामान्य और संतोषजनक है।

मास्टर स्वास्तिक ग्राम नागदा, तहसील बड़नगर, जिला उज्जैन के निवासी श्री श्यामलाल प्रजापति एवं श्रीमती सुनीता के पुत्र हैं। जन्म के समय शिशु समयपूर्व (प्रीमैच्योर) होने के कारण गंभीर श्वसन समस्या उत्पन्न हुई। तत्काल रेफरल कर उन्हें चरक भवन, जिला चिकित्सालय उज्जैन की स्न्हष्ट में भर्ती किया गया।

भर्ती के दौरान विशेषज्ञ शिशु रोग चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ की निरंतर निगरानी में 12 दिनों तक वेंटिलेटर सपोर्ट, आवश्यक दवाइयाँ, पोषण तथा संक्रमण से बचाव सहित समुचित उपचार प्रदान किया गया। टीम के समर्पित प्रयासों से शिशु के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हुआ और पूर्णतः स्थिर होने पर उन्हें स्वस्थ अवस्था में डिस्चार्ज किया गया। वर्तमान में मास्टर स्वास्तिक की आयु एक वर्ष है। उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास सभी विकासात्मक माइलस्टोन के अनुरूप सामान्य है।